धनबाद
शुक्रवार 20.02.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-01 पृष्ठ- 12
फाल्गुन शुक्ल पक्ष-3
संवत 2082

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

सीएम हेमंत सोरेन के अपील के बाद चंद्रशेखर अग्रवाल के पक्ष में चली आंधी

भाजपा के केन्द्रीय मंत्री रीता वर्मा और सांसद पी.एन.सिंह ने एक ओवरब्रिज नहीं दिलवा सके : मथुरा प्रसाद महतो

धनबाद (कासं) : झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज बलियापुर में पूर्व विधायक आनंद महतो के पुत्र डॉ. बुद्धदेव महतो को श्रद्धांजलि देने के बाद बलियापुर हवाई अड्डा में सिन्दरी विधायक चन्द्रदेव महतो, निरसा विधायक अरूप चटर्जी और जेएमएम एवं एमसीसी के पदाधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि इस बार जेएमएम ने मेयर प्रत्याशी के रूप में चंद्रशेखर अग्रवाल को उतारा है।

उन्होंने कहा कि धनबाद नगर निगम क्षेत्र के लाखों मतदाता भाजपा के झुठे आश्वासनों पर ध्यान न दें। नगर निगम धनबाद का बजट केन्द्र सरकार नहीं देती है। जनता के टैक्स से नगर निगम का विकास होता है। उन्होंने कहा कि इस बार २०२६-२७ का बजट ५८५ करोड़ का है जिससे धनबाद का विकास होगा। यह राजस्व धनबाद के टैक्स और मिलने वाले रॉयल्टी तथा अन्य संसाधनों से प्राप्त होता है।

उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर अग्रवाल के विकास कार्य को देख कर ही झारखण्ड मुक्ति मोर्चा ने उन्हें अपना समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि धनबाद में भाजपा की पहचान चंद्रशेखर अग्रवाल के विकास से

सीएम हेमंत के निर्देश के बाद विधायक कल्पना सोरेन, विधायक चंद्रदेव महतो, विधायक अरूप चटर्जी उतरे चंद्रशेखर अग्रवाल के समर्थन में

थी। जिसे धनबाद नगर निगम क्षेत्र की पचपनों वार्ड की जनता जानती है और इस बार फिर चंद्रशेखर अग्रवाल को बिस्किट छाप पर मोहर लगाकर उन्हें विजय बनाएगी। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि जनता देवतुल्य है वह सब जानती है कि कौन कितना विकास कर सकता है।

उन्होंने कहा कि अब ५ किलो मुफ्त अनाज के झांसे में जनता नहीं आने वाली। उन्होंने कहा कि मईयां योजना में करोड़ों महिलाओं को २५०० रुपये दे रहे हैं। हमारी कथनी और करनी में फर्क नहीं है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ-साथ मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन ने भी महिलाओं से अपील किया कि इस बार धनबाद में सही मायने में विकास देखना है तो विकास पुरूष के नाम से चर्चित चंद्रशेखर अग्रवाल के पक्ष में मतदान करें। वहीं झारखण्ड विधानसभा के मुख्य सचेतक मथुरा प्रसाद महतो बिहार ऑब्जर्वर के सम्पादक गणेश मिश्रा से बातचीत करते हुए कहा कि इस बार धनबाद नगर निगम अपना नया इतिहास लिखने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के केन्द्रीय मंत्री रीता वर्मा रही, पी.एन.सिंह ३ बार सांसद रहे, ददई दूबे सांसद रहे लेकिन धनबाद को एक ओवरब्रिज नहीं बनवा सके और झुठा विकास की बातें कर जनता को जुमला सुना रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रत्याशी संजीव कुमार को जनता नहीं जानती और न ही समाजसेवा का काम किया है। उन्होंने कहा कि कुछ भाजपाई मिर्चा को कमल बता रहे हैं। यह कैसे हो सकता है। जबकि दलीय आधार पर चुनाव नगर निगम का नहीं हो रहा है।

फ्री बीज बांट रहे राज्यों पर नाराज हुए सीजेआई

मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की जगह रोजगार दें

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने चुनाव के दौरान फ्रीबीज बांट रहे राज्यों को कड़ी फटकार लगा दी है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा कि आखिर करदाता के अलावा इन योजनाओं का खर्च और कौन उठाने वाला है। उन्होंने कहा कि भोजन और बिजली के बाद अब सीधा कैश ट्रांसफर होने लगा है। इसके साथ ही अदालत ने कहा है कि देश में केंद्र और राज्यों सरकार को रोजगार पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकास पर अब कम खर्च किया जा रहा है।

दरअसल सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कर्ज के बाद भी राज्यों की तरफ से मुफ्त में चीजें बांटने पर चिंता जाहिर कर दी। उन्होंने सवाल किया, आखिर करदाता नहीं, तब इन योजनाओं के लिए भुगतान कौन करेगा? सुप्रीम कोर्ट ने नकद बांटने और मुफ्त की सुविधाएं देने को लेकर वित्तीय समझदारी पर भी सवाल उठाए हैं। सीजेआई का कहना है कि राज्यों को मुफ्त की रेवड़ियां या डोल्स बांटने के बजाय रोजगार पैदा करने को प्राथमिकता देनी चाहिए।

सीजेआई ने चेताया है कि विकास पर अब कम खर्च हो रहा है। उन्होंने कहा, अगर आप मुफ्त खाना..., मुफ्त साइकिल...,मुफ्त बिजली देते... और अब तक सीधा कैश ट्रांसफर हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट बेंच ने कहा है कि कई राज्य राजस्व घाटे ▶▶ 8

पीएम मोदी ने रामकृष्ण को स्वामी कह संबोधित किया

ममता का आरोप-बंगाल की सांस्कृतिक परंपरा के खिलाफ

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। सीएम ममता ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी ने रामकृष्ण परमहंस के जन्मदिन पर उन्हें स्वामी रामकृष्ण परमहंस कहकर संबोधित किया, जो बंगाल की सांस्कृतिक परंपरा के खिलाफ है और महान संत के प्रति सांस्कृतिक असंवेदनशीलता को दिखाता है। ममता बनर्जी ने पोस्ट पर अपनी नाराजगी जताकर कहा कि यह अभूतपूर्व और अनुचित संबोधन है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बंगाल में रामकृष्ण परमहंस को व्यापक रूप से ठाकुर या श्री रामकृष्ण के रूप में पूजा जाता है। ममता ने कहा कि परमहंस के देहांत के बाद उनके तपस्वी शिष्यों ने रामकृष्ण मठ और मिशन का गठन किया था, जिन्हें भारतीय परंपरा के अनुसार स्वामी कहा गया। लेकिन स्वयं आचार्य या गुरु को हमेशा ठाकुर कहा जाता रहा है। उन्होंने पीएम मोदी के बयान को बंगाल की संस्कृति और परंपराओं की समझ की कमी बताकर अनुचित बताया। दरअसल, पीएम मोदी ने गुरुवार को रामकृष्ण परमहंस की जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने हिंदी में पोस्ट किया कि स्वामी रामकृष्ण परमहंस की जयंती ▶▶ 8

बीजापुर में सुरक्षाबलों की कार्रवाई मुठभेड़ में 5 नक्सली ढेर

रायपुर (ईएमएस): बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच एक बड़ी मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में पांच नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। यह कार्रवाई जिले में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जंगल क्षेत्र में नक्सलियों ने पहले सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू की थी। इसके जवाब में जवानों ने भी तुरंत मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से हुई भीषण मुठभेड़ में पांच नक्सली मौके पर ही ढेर हो गए।

सुरक्षाबलों को इस अभियान में बड़ी सफलता मिली है। २१४ नक्सली ठिकानों और बंकरों को ध्वस्त करने की भी जानकारी मिल रही है। इस दौरान सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री भी बरामद की है। यह कार्रवाई नक्सलियों के नेटवर्क को कमजोर करने में सहायक सिद्ध हो रही है।

नक्सलियों की मौजूदगी की मिली थी सूचना

सुरक्षाबलों को बीजापुर के जंगल क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिली थी। इसके बाद जवानों ने इलाके में सघन तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान ही नक्सलियों ने घात लगाकर हमला किया और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने अपनी रणनीति के तहत जवाबी कार्रवाई की और नक्सलियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। इस मुठभेड़ में पांच खूंखार नक्सली मारे गए, जिससे क्षेत्र में शांति स्थापित ▶▶ 8

21वीं सदी में भारत दुनिया की सबसे बड़ी एआई शक्तियों में से एक बनकर उभरेगा : मुकेश अंबानी

नई दिल्ली(ईएमएस): रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने गुरुवार को इंडिया एआई समिट में कहा कि ये समिट भारत के एआई इतिहास में एक अहम और निर्णायक पल है। उनके मुताबिक, यह समिट देश को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में नई दिशा और तेज रफ्तार देने वाला है। इससे भारत दुनिया में एआई के क्षेत्र में बड़ी भूमिका निभा सकता है। २१वीं सदी में भारत दुनिया की सबसे बड़ी एआई शक्तियों में से एक बनकर उभरेगा।

इसके बाद उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एआई पावर्ड भारत का विज़न सिर्फ भारत के लिए नहीं, बल्कि ग्लोबल साउथ के देशों के लिए भी एक मॉडल बनेगा। उनका मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक और नई तकनीक नहीं है, बल्कि इंसान अब इंसानों जैसी सोचने और समझने वाली प्रणालियां बना रहा है। रिलायंस के चैयरमैन अंबानी ने एआई को हर यंत्र को शक्ति देने वाला मंत्र बताया, जो कामकाज की क्षमता और दक्षता को कई गुना बढ़ा सकता है। उन्होंने एआई की तुलना अक्षयपात्र कर कहा कि यह ऐसी शक्ति है जो असीमित दक्षता और संभावनाएं प्रदान कर सकती है।

मुकेश अंबानी ने कहा कि क्या हमें अलग-थलग राष्ट्रों की तरह काम करना चाहिए या एकजुट वैश्विक परिवार की तरह? अगर एआई सिर्फ ग्लोबल नॉर्थ के देशों तक सीमित रहा, तब यह असमानता और बढ़ेगी। लेकिन एक ऐसा भविष्य भी संभव है जहां एआई सभी के लिए उपलब्ध हो। मुकेश अंबानी ने कहा कि ▶▶ 8

संपादकीय | रेलवे की सुविधाएं और दावे पर चिंता

भारतीय रेलवे के बारे में अक्सर यह दावा किया जाता है कि इसके समग्र संचालन को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा के समकक्ष बनाया जाएगा। मगर हकीकत यह है कि हादसों, सफर के दौरान निर्धारित समय पर गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचने से लेकर ट्रेन के भीतर साफ-सफाई और खानपान के मामले में कई बार स्थिति बेहद दयनीय और खराब दिखती है।

अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि जिन ट्रेनों को विशेष सुविधा वाला बताया जाता है, उनमें परोसा गया भोजन भी अक्सर खराब निकल जाता है और यात्री ठगे-से रह जाते हैं। खबरों के मुताबिक, हर रोज पैंतीस से ज्यादा लोग रेलवे के खराब खाने को लेकर शिकायत करते हैं।

खाने में तिलचट्टा, दूसरे कीड़ों या अखाद्य वस्तुओं के मिलने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। साथ ही, भोजन की मात्रा और तय कीमतों से ज्यादा राशि वसूलने की समस्या भी आम देखी जा सकती है। सवाल है कि अगर उच्च गुणवत्ता और सेवा का दावा करके खाने-पीने के मामले में भी लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है, तो उसे कैसे देखा जाएगा।

सफर के दौरान यात्री थोड़ी सुविधा के लिए ट्रेन में मिलने वाला खाना पैसा चुका कर लेना चाहते हैं। कई ट्रेनों में सफर के दौरान टिकट के साथ खाने-पीने के सामान के लिए राशि चुकाने का भी विकल्प है। मगर विडंबना यह है कि पूरी कीमत चुकाने के बावजूद कई लोगों की थाली में ऐसा खाना होता है, जिसे खाया नहीं जा सकता।

ट्रेनों में मिलने वाले खराब खाने को लेकर आए दिन शिकायतें आती रहती हैं और कई बार विवाद भी होते हैं। ऐसी खबरें भी सामने आई, जिनमें भोजन के खराब होने पर आपत्ति जताने पर ट्रेन में मौजूद कर्मियों ने यात्री से दुर्व्यवहार किया। खुद सरकार ने पिछले वर्ष जुलाई में राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि 2024-25 के दौरान खाने-पीने के सामान की खराब गुणवत्ता के संबंध में 6,645 शिकायतें मिलीं। जबकि 2021 से अगले चार वर्षों में रेलवे को इस तरह की कुल 19,174 शिकायतें मिलीं। ऐसे भी मामले होंगे, जिनमें किसी यात्री को खराब भोजन मिला, लेकिन उसने औपचारिक शिकायत नहीं की। हालांकि रेल महकमे में कहने को एक ढांचा है, जिसके तहत गुणवत्ता में सुधार के लिए डिजाइन किए गए रसोई से खाना बनवाने और ट्रेनों तक पहुंचाने से लेकर खाना बनाने पर निगरानी, खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षक की तैनाती और अच्छी सामग्री का उपयोग सुनिश्चित करने का दावा किया जाता है।

इसके अलावा, अगर खाने में अस्वच्छता या मिलावट पाई जाती है, खाना खराब हो, तो यात्री शिकायत करते हैं। कई मामलों में कार्रवाई भी होती है, जिसमें जुर्माना लगाना, अनुशासनात्मक कार्रवाई, काउंसलिंग करना और चेतावनी देना शामिल है।

खराब खाने की शिकायत के बाद भोजन की आपूर्ति करने वालों पर जुर्माना लगाने की खबरें आती हैं, लेकिन कुछ समय बाद फिर सब पहले की तरह चलता रहता है। सवाल है कि रेल मंत्रालय इसमें सुधार को लेकर कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाता कि ट्रेन में मिलने वाले भोजन की स्वच्छता और गुणवत्ता को लेकर यात्री पूरी तरह आश्वस्त रहें। अगर रेलवे के लिए अपने तंत्र के तहत स्वच्छ भोजन मुहैया कराना संभव नहीं है, तो ट्रेनों में खाना देने का ठेका अलग-अलग कंपनियों को देने और उसमें बेहतर गुणवत्ता के लिए प्रतिस्पर्धा की व्यवस्था बनाने की कोशिश क्यों नहीं की जाती?

आतंक का जवाब दिया मगर वादा भूल गए

पिछले वर्ष अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया था। इस वारदात को देश की संप्रभुता पर हमले से जोड़कर देखा गया और बाद में जवाबी कार्रवाई के रूप में 'आपरेशन सिंदूर' चलाया गया, जिसके तहत सीमा पार पाकिस्तान की धरती पर कई आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया गया। भारत का यह जवाब काबिल-ए-तारीफ है, लेकिन सवाल है कि सरकार की ओर से इसी तरह की इच्छाशक्ति पहलगाम हमले में जान गंवाने वालों के परिवारों की सुध लेने में नजर क्यों नहीं आ रही है? इस हमले में महाराष्ट्र के पुणे जिले के निवासी संतोष जगदाले की भी गोली लगने से मौत हो गई थी। तब राज्य सरकार ने संतोष की बेटी असावरी जगदाले को सरकारी नौकरी देने का वादा किया था, जो आज तक पूरा नहीं हो पाया है। इसे सरकार की अनदेखी या लापरवाही नहीं तो और क्या कहा जाएगा कि इस पीड़ित परिवार को अब गंभीर आर्थिक संकट से जूझना पड़ रहा है। यह बात छिपी नहीं है कि देश में सरकारी तंत्र की गाड़ी बिना धक्के के आसानी से आगे नहीं बढ़ पाती है। अक्सर देखने में आता है कि शासन के स्तर पर जब कोई सामान्य निर्देश दिया जाता है, तो वह कई दिनों तक सरकारी दफ्तरों के कागजों में उलझा रहता है। पहलगाम हमले में जान गंवाने वाले संतोष जगदाले की बेटी असावरी के मामले में भी स्थिति इससे अलग नहीं है। सरकार की ओर से संवेदना स्वरूप उन्हें नौकरी देने का एलान तो कर दिया गया, लेकिन उस पर आगे की कार्रवाई ठंडे बस्ते में डाल दी गई। असावरी का कहना है कि उन्होंने कई स्तर पर इस मसले को उठाया, लेकिन कहीं कोई सक्रियता नहीं दिखाई गई। थक-हारकर जब उन्होंने मीडिया के साथ अपनी परेशानी साझा की, तो सरकारी तंत्र भी तत्काल हरकत में आ गया। राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कार्यालय की ओर से कहा गया कि असावरी को सरकारी महकमे में नियुक्ति देने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। इससे शासन-प्रशासन की असंवेदनशीलता और उदासीनता साफ जाहिर होती है, जिसे दुरुस्त करने की जरूरत है। पहलगाम में टूरिस्ट पर हुए हमले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। इस घटना से पुणे के संतोष जगदाले के परिवार पर भी दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। इस हमले में संतोष जगदाले की मौत हो गई थी। जिसके बाद उनके परिवार के सदस्य को नौकरी देने का वादा किया गया था। हालांकि, वह वादा अभी तक पूरा नहीं हुआ है।

आज का कार्टून

क्या अमेरिका से समझौते की कीमत चुकाएगा बांग्लादेश

> अब अगर अमेरिका बांग्लादेश के साथ रक्षा समझौते को आसान बनाने और बढ़ाने के लिए काम करेगा, तो इससे बांग्लादेश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो सकता है। दरअसल, यह समझौता दुर्लभ भू-धातुओं की खोज, उसे निकालने, उसे तैयार करने, भेजे जाने, वितरित करने और निर्यात करने के लिए अमेरिकी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का रास्ता भी खोलता है। यही नहीं, समझौता यह भी सुनिश्चित कर गया कि बांग्लादेश को साढ़े तीन अरब डालर के अमेरिकी कृषि उत्पाद खरीदने होंगे। इसमें पांच वर्ष तक हर साल कम से कम सात लाख टन गेहूं, 1.25 बिलियन डालर मूल्य के 2.6 मिलियन टन सोया और सोया उत्पाद और कपास खरीदने होंगे। बांग्लादेश को शुरू में 14 बोइंग एयरक्राफ्ट और 15 साल में 15 बिलियन की तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) भी खरीदनी होगी। इसके अलावा, अमेरिकी सैन्य साजो-सामान की ज्यादा खरीद करनी होगी और कुछ देशों से रक्षा उपकरण की खरीद पर सीमा भी लगानी होगी।

पुष्परंजन

एक कहावत है, 'सिर मुंडाते ही ओले पड़े'। बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान पहले देश की समस्याओं से दो-चार हों, या अमेरिका से? यह सवाल सबको परेशान किए हुए है। अंतरिम सरकार और अमेरिका के बीच हुए आपसी व्यापार समझौते ने बांग्लादेश की आर्थिक संप्रभुता पर सवाल उठाए हैं, खासकर व्यापार, ऊर्जा और सुरक्षा से जुड़े फैसलों में।

मुहम्मद यूनुस की सलाह वाली अंतरिम सरकार को सिर्फ कुछ दिनों तक रहना था, उसकी जिम्मेदारी केवल चुनाव सुचारु रूप से कराने तक थी। इसलिए यह सवाल उठा है कि मुख्य सलाहकार अमेरिका से समझौता कैसे कर सकते थे! तारिक रहमान के शपथ लेने के बाद यों भी मुहम्मद यूनुस का नई सरकार से कोई लेना-देना नहीं रह जाता है, फिर उन्होंने जल्दबाजी में अमेरिका से बाध्यकारी समझौता कैसे कर लिया?

आलोचक कई बाध्यकारी शर्तों वाले प्रावधानों की ओर इशारा करते हैं, जो यह बताते हैं कि अगर बांग्लादेश वाशिंगटन की शर्तों पर नहीं चला, तो भारी शुल्क फिर से आयद हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, समझौते में डिजिटल कारोबार सुविधा के प्रावधानों को देखा जा सकता है। अमेरिका से हुए समझौते में कहा गया है कि अगर बांग्लादेश किसी ऐसे देश के साथ नया डिजिटल व्यापार समझौता करता है, जो अमेरिका के जरूरी हितों को खतरे में डालता है, तो वाशिंगटन इस समझौते को खत्म कर सकता है और बांग्लादेशी निर्यात पर 37 फीसद शुल्क फिर से लगा सकता है।

यही शुल्क दर अमेरिका ने अप्रैल 2025 में प्रस्तावित की थी। नए समझौते में कहा गया है कि अगर बांग्लादेश के साथ बातचीत से अमेरिकी चिंताओं का समाधान नहीं होता है, तो अमेरिका इस समझौते से हट सकता है। इसके बाद अगर वह 37 फीसद शुल्क फिर से लागू कर दे, तो यह इतना ज्यादा है कि बांग्लादेश का अमेरिका को किया जाने वाला निर्यात तेजी से कम हो जाएगा।

यह एक महंगा सौदा है, क्योंकि यह दक्षिण एशियाई देश अपने निर्यात राजस्व का लगभग पांचवां हिस्सा अमेरिकी खरीदारों को बेचे जाने वाले कपड़ों और दूसरे सामान से कमाता है। एक तरह से डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने इस समझौते के जरिये बांग्लादेश को आर्थिक नकेल पहना दी है।

ऐसा लगता है कि नई सरकार के आने तक ट्रंप प्रशासन को सब्र नहीं था। और इसी वजह से यह आशंका जताई जा रही है कि अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस वाइट हाउस के दबाव में काम कर रहे थे। यूनुस चाहते तो इस समझौते को कुछ दिन टाल सकते थे। नौ फरवरी को अंतरिम सरकार और ट्रंप प्रशासन के बीच हुआ समझौता बांग्लादेश को 'किसी ऐसे देश से कोई भी परमाणु संयंत्र, फ्यूल राड या संवर्धित यूरेनियम खरीदने से भी रोकता है, जो अमेरिका के जरूरी हितों को 'खतरे में' डालता है।'

बांग्लादेश ने अतीत में जो समझौते किए, उसे जारी रखने में कोई बाधा नहीं है, लेकिन नए समझौतों में उसे अमेरिकी हितों का ध्यान रखना होगा। उदाहरण के लिए रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र है। इसमें दो रिएक्टर हैं। यह परमाणु ऊर्जा संयंत्र ढाका से लगभग 160 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में पद्मा नदी के किनारे ईश्वरदी उपजिला के रूपपुर में बन रहा है। रूसी सहयोग से यह बांग्लादेश का पहला परमाणु ऊर्जा संयंत्र होगा। इसकी दो इकाइयों में से पहली इकाई मार्च 2026 में चालू होने की उम्मीद है। समझौते से पता चलता है कि रूसी स्टेट कार्पोरेशन रोसाटाम के जरिए रूसी तकनीक और वित्तीय सहायता से बने रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए आपूर्ति जारी रहने में दिक्कत नहीं है, लेकिन भविष्य में किसी भी परमाणु परियोजना पर कड़ी जांच हो सकती है। इस मसले पर बांग्लादेश के कुछ विशेषज्ञों ने भी चिंता जताते हुए कहा कि यह समझौते का सबसे जरूरी और विवादित हिस्सा है, क्योंकि यह हमारी संप्रभुता पर सवाल उठाता है।

अब अगर अमेरिका बांग्लादेश के साथ रक्षा समझौते को आसान बनाने और बढ़ाने के लिए काम करेगा, तो इससे बांग्लादेश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो सकता है। दरअसल, यह समझौता दुर्लभ भू-धातुओं की खोज, उसे निकालने, उसे तैयार करने, भेजे जाने, वितरित करने और निर्यात करने के लिए अमेरिकी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का रास्ता भी खोलता है।

यही नहीं, समझौता यह भी सुनिश्चित कर गया कि बांग्लादेश को साढ़े तीन अरब डालर के अमेरिकी कृषि उत्पाद खरीदने होंगे। इसमें पांच वर्ष तक हर साल कम से कम सात लाख टन गेहूं, 1.25 बिलियन डालर मूल्य के 2.6 मिलियन टन सोया और सोया उत्पाद और कपास खरीदने होंगे। बांग्लादेश को शुरू में 14 बोइंग एयरक्राफ्ट और 15 साल में 15 बिलियन की तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) भी खरीदनी होगी।

इसके अलावा, अमेरिकी सैन्य साजो-सामान की ज्यादा खरीद करनी होगी और कुछ देशों से रक्षा उपकरण की खरीद पर सीमा भी लगानी होगी। इस संदर्भ में देखें तो विशेषज्ञों की यह आशंका समझी जा सकती है कि यह मुक्त व्यापार के बजाय थोपी हुई जिम्मेदारी ज्यादा है। यह असल में अमेरिकी कंपनियों और वहां के किसानों के लिए मुनाफे को पक्का करता है।

इस संदर्भ में 'साउथ एशियन नेटवर्क आन इकोनामिक माडलिंग' की ओर से उठाई गई चिंता भी गौरतलब है कि बांग्लादेश को सस्ते विकल्प मौजूद होने पर भी ज्यादा महंगा सामान खरीदने के लिए मजबूर किया जा सकता है। इससे बांग्लादेश के विदेशी लेनदेन पर और दबाव पड़ेगा। सवाल है कि फिर बांग्लादेश एयरक्राफ्ट खरीदने और ऊर्जा आयात के लिए पूंजी कैसे लगाएगा?

स्वाभाविक तौर पर इससे विदेशी ऋण पर निर्भरता बढ़ने का खतरा है। ऐसी चिंताएं भी सामने आई हैं कि अमेरिका से समझौते के बाद बांग्लादेश को अब कच्चे माल के लिए चीन पर अपनी निर्भरता कम करनी होगी। कुल मिलाकर, 'यूनुस गए, मगर समस्या छोड़ गए' वाली स्थिति पैदा हो चुकी है। मुहम्मद यूनुस को 'अमेरिका के करीबी' के तौर पर देखा जाता रहा है। इस तथ्य की पुष्टि के लिए बिल क्लिंटन परिवार से उनकी निकटता के कई उदाहरण दिए जाते हैं।

हालांकि यह भी एक सार्वजनिक तथ्य है कि यूनुस का अकादमिक करिअर अमेरिका में बना। बिल क्लिंटन ही नहीं, बाद के राष्ट्रपतियों, जो बाइडन से लेकर डोनाल्ड ट्रंप तक से उन्होंने बेहद करीबी संबंध बनाए रखा। इन अन्योन्याश्रय संबंधों का फायदा उनके परिवार को मिलने के भी आरोप लगाए जाते रहे हैं।

सच यह है कि मुहम्मद यूनुस ने अपने कार्यकाल में जो कुछ किया, उसकी सही से जांच हो, तो कई नकारात्मक सूचनाएं भी लोगों को निराश करेंगी। मगर जो सकारात्मक पक्ष है, वह यह है कि बांग्लादेश में समय पर शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव हो गया। यह दीगर बात है कि तेरह फरवरी को बांग्लादेश में चुनाव के नतीजे आने के ठीक बाद मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के विशेष सहायक फैज अहमद तैयब जर्मनी चले गए। इस 'अचानक प्रस्थान' ने यूनुस के साथियों के 'सुरक्षित निकलने' की बातों को पुख्ता करना शुरू कर दिया है। अब आशंका यह भी जताई जा रही है कि क्या मुहम्मद यूनुस भी अमेरिका या यूरोप के किसी देश में जाने की तैयारी में हैं!

अब कड़वे फैसले ही गढ़ेंगे हिमाचल का भविष्य

> चिंताजनक बात यह है कि प्रदेश की वृद्धि दर भी खास नहीं सुधर रही। वर्ष 2005-06 में यह 10 प्रतिशत थी जो 2011-12 में 7 प्रतिशत हो गई। 2018 में 6 प्रतिशत और 2019 में 4 प्रतिशत पर आ गई। आज प्रदेश की जी.डी.पी. हमारे देश की जी.डी.पी. से नीचे चल रही है। उधर दूसरी ओर 11वें वित्त आयोग ने प्रदेश को 4,549 करोड़ की अनुमानित घाटा भरपाई (आर.डी.जी.) दी, 12वें आयोग ने 10,202 करोड़, 13वें वित्तायोग ने 19300 करोड़, 14वें आयोग ने 40,624 करोड़, 15वें आयोग ने 4 वर्षों के (2024 तक) 37,199 करोड़ दिए हैं। इसमें सुक्खू सरकार के अब तक के सत्ता वर्ष शामिल हैं, जो करीब 17000 करोड़ बनते हैं।

डा. रचना गुप्ता

हिमाचल समेत 17 राज्यों में केंद्र सरकार की विशेष दरियादिली यानी राजस्व घाटा अनुदान (आर.डी.जी.) खत्म होने के बाद अब वक्त आ गया है, जब राज्य सरकारें आर.डी.जी. से आगे का सोचें, खासकर हिमाचल जैसा छोटा सा राज्य। वित्तीय नजाकत को समझते हुए वर्तमान कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री ने सत्ता संभालते ही कुछ फैसलों के कड़वे घूंट पी लिए थे, ताकि खजाने में थोड़ा सुधार हो, लेकिन यही काम पूर्व में रही भाजपा या कांग्रेस सरकारों ने कर लिया होता तो इस बदहाली की नौबत न आती। खैर, अब आर.डी.जी. बंद हो गई है, पिछली सरकारों द्वारा लिए गए कर्ज का आंकड़ा 1 लाख करोड़ पार कर गया है, जिसका ब्याज चुकता करते-करते किसी भी दल की सरकार के पसीने छूटेंगे। दूसरे आर्थिक मुद्दे भी हैं जिन पर वर्तमान की कांग्रेस सरकार अंगारों पर चल रही है। इसलिए अब आर.डी.जी. से आगे कदम बढ़ाने व स्व-साधन विकसित करने का वक्त है और संकट की इस घड़ी में सरकारी कर्मियों को ही योद्धा बनकर चलना होगा ताकि गैर सरकारी जनता भी स्वयं को बेहतर स्थिति में ला सके। इसलिए मुफ्त की योजनाओं से इतर विकास के नए अवसरों को झटपट पाना और कठोर निर्णय लेना, वक्त की जरूरत बनी है। वरना राज्य का

आगे चल पाना, यानी बुनियादी कामों का होना भी दुश्वार होगा। बहरहाल सुधारों का पिटारा तत्काल प्रभाव से सुक्खू सरकार को शुरू करना चाहिए। इसमें पहल चुने हुए प्रतिनिधियो से ही करनी चाहिए, जिन्हें हर टर्म की अलग पैंशन मिलती है और कुछ-कुछ अंतराल के बाद वेतन-भत्ते भी बढ़ते रहते हैं। खासकर हर बार की चुनावी रिटर्न में कुछ की करोड़ों की भारी बढ़ौतरी देखी गई है। दूसरा, यदि पैंशन के मामले में देनदारी खासी बढ़ गई है, तो इस विषय में पुनर्विचार करना भी एक व्यावहारिक फैसला हो सकता है, क्योंकि पैंशन व एरियर से भी राज्य के खजाने को बहुत बड़ी मार मिल रही है। इस विषय में विपक्ष को भी राजनीति से दूर व्यावहारिक नजरिया रखना होगा क्योंकि गत वर्षों की प्रदेश की ऋण स्थिति, वेतन, एरियरों व डी.जी.पी. के साथ सभी सरकारों के निर्णय पर गौर करें तो कोई भी एक दल या पार्टी विशेष कटघरे में खड़ी नहीं होती बल्कि सभी होते हैं। क्योंकि गत ढाई दशकों में सबसिडी आधारित राजनीति सभी ने की। कर्ज सभी ने लिए। राजस्व सुधारों की कमी सभी स्तरों पर रही। वास्तव में हिमाचल बिना केंद्र की मदद के खुद तेजी से विकसित इसलिए नहीं हो सकता क्योंकि यह पहाड़ी राज्य है। प्रेम कुमार धूमल का 2 टर्म का कार्यकाल रहा। अब सभी मुख्यमंत्रियों का वर्ष 2000 से आगे के अनुमानित कर्ज आंकड़ों में अपने आप में काफी कुछ कहता है। प्रेम कुमार धूमल 14000 करोड़ रुपए का कर्ज, वीरभद्र सिंह के 2 कार्यकालों में 21500 करोड़ रुपए, जयराम ठाकुर के एक कार्यकाल में 22000 करोड़ रुपए (कोरोना काल) और सुखविंदर सिंह सुक्खू के 3 वर्ष के कार्यकाल में अनुमानित 18000 करोड़ रुपए (आपदा काल) ऋण लिया गया। इस तरह सुक्खू सरकार में, पिछली सरकारों का लिया हुआ कर्जा समेत मिलाकर करीब 1 लाख करोड़ आ गया। ऐसे में आर.डी.जी. का बंद होना भी वज्रपात ही है।

यह विडंबना है कि सभी को मालूम था कि हालात खराब हो रहे हैं। सी.ए.जी. ने भी स्पष्ट कर दिया था कि असंतुलन तेजी से हो रहा और आमदनी धीमी है। आयकर कम है, तब कर्ज लेना पड़ा। यानी खर्च बढ़ा, राजस्व नहीं। जो ऋण लिया वह सैलरी-पैंशन पर गया, इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास नहीं हुआ। हर सरकार के समय पर सबसिडी की मार प्रदेश को झेलनी पड़ी। प्रेम कुमार धूमल के समय 5वां, 6वां वेतन आयोग लागू किया। बिजली व किसानों की सबसिडी, नए मंडल, उपमंडल खोलना, कर्ज आधारित विकास मॉडल बना। वीरभद्र ने बड़े पैमाने पर सरकारी भर्तियां कर दीं। सामाजिक पैंशन विस्तार, बोर्ड निगम घाटे में। जयराम ठाकुर ने बिजली 125 यूनिट मुफ्त की, कोरोना काल में उधारी बढ़ी, राजस्व गिर गया, वेतन आयोग का एरियर मिलता रहा। सुक्खू सरकार में ओ.पी.एस. ने तगड़ा झटका दिया। कर्ज का ऋण देते रहे और दो बड़ी आपदाओं में पुनर्वास में भारी खर्च हुआ। ओ.पी.एस. इस समय ऋण क्षमता को 1800 करोड़ कम कर देता है क्योंकि यह डैडीकेटेड कॉरपस होता है। यही झटका इस सरकार को लगा।

वैसे चिंताजनक बात यह है कि प्रदेश की वृद्धि दर भी खास नहीं सुधर रही। वर्ष 2005-06 में यह 10 प्रतिशत थी जो 2011-12 में 7 प्रतिशत हो गई। 2018 में 6 प्रतिशत और 2019 में 4 प्रतिशत पर आ गई। आज प्रदेश की जी.डी.पी. हमारे देश की जी.डी.पी. से नीचे चल रही है। उधर दूसरी ओर 11वें वित्त आयोग ने प्रदेश को 4,549 करोड़ की अनुमानित घाटा भरपाई (आर.डी.जी.) दी, 12वें आयोग ने 10,202 करोड़, 13वें वित्तायोग ने 19300 करोड़, 14वें आयोग ने 40,624 करोड़, 15वें आयोग ने 4 वर्षों के (2024 तक) 37,199 करोड़ दिए हैं। इसमें सुक्खू सरकार के अब तक के सत्ता वर्ष शामिल हैं, जो करीब 17000 करोड़ बनते हैं। प्रदेश को 5 साल में अनुमानित 50000 करोड़ आर.डी.जी. मिलता था, वह अब बंद। यह बहुत बड़ी राहत हिमाचल जैसे राज्य के लिए थी। इस परिप्रेक्ष्य में अब हिमाचल को ठीक वैसे अपने पैरों पर खड़ा होना होगा, जैसे भारत आत्मनिर्भरता की ओर जा रहा है। इसलिए सबसिडी व पैंशन को न्यौछावर करके हर हिमाचली को हाथ से हाथ मिलाकर चलना चाहिए। शुरुआत राजनीतिक दलों से की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री व विधायक गांडेय पहुंचे बलियापुर

डॉ बुद्धदेव महतो को दी श्रद्धांजलि, श्राद्ध कार्यक्रम में हुए शामिल

धनबाद/बलियापुर (कासं) : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तथा विधायक गांडेय कल्पना सोरेन मुर्मू बलियापुर पहुंचे। वे सिंदरी विधानसभा के चार बार विधायक रहे आनंद महतो के सबसे छोटे सुपुत्र तथा सिंदरी के विधायक चंद्रदेव महतो के छोटे भाई स्व. डॉ बुद्धदेव महतो के श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री तथा विधायक गांडेय, रांची से हेलीकॉप्टर द्वारा बलियापुर पहुंचे। बलियापुर हवाई पट्टी पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। तत्पश्चात जिला प्रशासन की ओर से उन्हें गार्ड आफ ऑनर दिया गया।

इसके बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं विधायक गांडेय कल्पना सोरेन ग्राम बड़ादाहा स्थित विधायक के आवास पहुंचे। विधायक सिंदरी ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने दिवंगत स्व डॉ. बुद्धदेव महतो की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। तत्पश्चात मुख्यमंत्री एवं विधायक गांडेय ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने मरांग बुरु से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा शोक संतप्त परिजनों को दुःख की घड़ी सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इसके बाद वे श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल हुए।

विधायक आवास पर लगभग आधा घंटा रुकने के बाद मुख्यमंत्री एवं विधायक गांडेय पुनः बलियापुर हवाई पट्टी पहुंचे। जहां उन्हें गार्ड ऑफ ओनर देकर विदाई दी गई।

स्व. डॉ बुद्धदेव महतो चार भाइयों में सबसे छोटे थे। वे हजारीबाग टेक्निकल यूनिवर्सिटी में व्याख्याता के पद पर कार्यरत थे। पिछले एक वर्ष से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। विगत ७ फरवरी को रांची में उन्होंने अंतिम सांसें ली। वे अपने पीछे पत्नी सरिता देवी एवं दो छोटे पुत्र, सिद्धार्थ एवं गौतम को छोड़ गए हैं।

वहीं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने हेलिपैड से लेकर विधायक आवास तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। मुख्यमंत्री के काफिले में एडवांस वार्निंग कार, पायलट कार, तीन स्कॉर्ट वाहन, एडवांस एंबुलेंस, अग्निशमन वाहन के अलावा दो क्विक रिस्पांस टीम शामिल थी। वहीं प्रखंड कार्यालय बलियापुर में एवं धनबाद में जिला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया था।

कार्यक्रम में विधायक निरसा अरूप चटर्जी, उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, डीटीओ दिवाकर सी द्विवेदी, ट्राफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह, एसडीपीओ सिंदरी आशुतोष सत्यम के अलावा जिला प्रशासन एवं पुलिस के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

पेंशन अपडेट के नाम पर 7.5 लाख की ठगी, एक साइबर अपराधी गिरफ्तार

धनबाद (कासं) : सिन्दरी के एक सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी के साथ हुई साढ़े सात लाख रुपये की बड़ी साइबर ठगी के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। साइबर थाना की टीम ने तकनीकी अनुसंधान और गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए ठगी के मुख्य आरोपी को कोलकाता के सॉल्ट लेक इलाके से गिरफ्तार कर लिया है।

घटना बीते १२ अगस्त २०२५ की है। सिन्दरी निवासी रिटायर्ड रेलवे कर्मी आशीष कुमार महतो को साइबर अपराधियों ने झांसा दिया कि उनका पेंशन फॉर्म अपडेट किया जाना है। इस प्रक्रिया के नाम पर अपराधियों ने उनके खाते से कुल ७.५ लाख उड़ा लिए। पीड़ित की शिकायत पर एनसीआरपी पोर्टल और साइबर थाने में कांड संख्या ६१/२५ दर्ज की गई थी।

अनुसंधान के दौरान पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ठगी गई राशि में से ढाई लाख रुपये को तत्काल होल्ड (फ्रिज) करवाकर पीड़ित को वापस दिलाने की प्रक्रिया शुरू की। शेष ५ लाख रुपये जिस खाते में ट्रांसफर कर निकाले गए थे, उसका सुराग पुलिस को कोलकाता में मिला।

गिरफ्तार अपराधी की पहचान राजा सरदार (पिता- खोखन सरदार) के रूप में हुई है, जो कोलकाता के बेहाला (मजालिस आरा रोड) का रहने वाला है। उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

इस सफल कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में मुख्य रूप से निम्न सदस्य शामिल थे। पु०नि० सरस्वती कुमारी मिंज (साइबर थाना), पु०नि० विश्वजीत ठाकुर (साइबर थाना), स०अ०नि० ईफ्तेखार अहमद, आरक्षी दीपक कुमार पासवान।

अनियंत्रित हाइवा ने तोड़ा दुर्गा मंदिर की चहारदीवारी

केंदुआ (ससे) : केंदुआडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत केंदुआ झरिया मुख्य मार्ग दुर्गा मंदिर के समीप दांये ओर बीसीसीएल.कालोनी में पीबी एरिया की अनियंत्रित मिट्टी लदी हाइवा ट्रक संख्या जेएनयू १० ए जे२५१६ ने अचानक तेज गति से जाते हुए टकरा गया। जिससे चारदीवारी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रहा कि वहाँ पास में ही जमीन पर ट्रांसफार्मर था। जिसमे टकराकर हाइवा रुक गया एवं बगल में खड़े मारुति वैन और बीसीसीएल क्वार्टर को नुकसान नही पहुंचा और पास में बिजली खम्बों पर ट्रांसफार्मर लगाने आये मजदूर इस अनियंत्रित बी.सी.सी.एल. के हाइवा की चपेट में आने से बालबाल बचे। हालांकि इस घटना में किसी प्रकार की जानमाल की क्षति नहीं हुई। बताया जा रहा है कि वाहन चालक के साथ एक और व्यक्ति भी हाइवा में बैठा हुआ था। जो बीसीसीएल कर्मी था या कोई और ये कहना मुश्किल है। इस घटनाक्रम में जबतक लोग कुछ समझ पाते आनन फानन में हाइवा चालक ने वाहन को लेकर मौके से फरार हो गया।

चाकलेट फैक्ट्री में लगी आग, लाखों की संपत्ति जलकर हुई खाक

केंदुआ (ससे) : केंदुआडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत केंदुआ झरिया मार्ग से सटे स्थित चॉकलेट फैक्ट्री में रात्रि के लगभग दो बजे भीषण आग लगने से पूरी फैक्ट्री जलकर खाक हो गई। वहीं रात्रि गस्ती कर रहे केन्दुआडीह पुलिस दल के द्वारा फेक्ट्री संचालक एवं अग्नि शमन विभाग को सूचना दी गई धनबाद से अग्नि शमन सेवा दमकल के आने पर आग पर काबू पाया जा सका और आसपास के अन्य घर आग की चपेट में आने से बच गया। इस आग की घटना को लेकर फैक्ट्री संचालक भुक्तभोगी अर्जुन पाण्डे ने बताया कि आगजनी में चॉकलेट और सनपापडी बनाने के मशीन तथा कुछ कच्चे माल व अन्य सामग्री शामिल है। जो लगभग २५ से ३० लाख के संपत्ति की क्षति होने की आशंका जताई जा रही है। उन्होंने कहा कि गनीमत रही कि घर मे हमलोग कोई नही थे। आग कब लगी कैंसे लगी इसका मुझे कोई पता ही नही चला है और फैक्ट्री में भी रात्रि के समय कोई स्टाफ सोए अवस्था मे नही था और मौके पर दमकल पहुंच गई वरना बहुत बड़ा हादसा हो जाता। पुलिस घटना की जांच पड़ताल कर रही है।

दो नाबालिग को 14 बोतल शराब के साथ किया गिरफ्तार

धनबाद (कासं) : आरपीएफ धनबाद ने ऑपरेशन सतर्क के तहत १४ बोतल अंग्रेजी शराब के साथ दो नाबालिगों को धनबाद स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर २ से गिरफ्तार किया। पुलिस गस्ती दल उन दोनों किशोर से पूछताछ किया तो अपना नाम व पता सांतनु कुमार (१५) व विकास कुमार, (१६) बताया। दोनों राणाविघा, थानाद्वीप नगर, जिलानालन्दा (बिहार) बताया।उपरोक्त किशोर ने स्वीकार किया कि अधिक पैसा कमाने के लालच में झारखंड से शराब खरीद कर बिहार ले जाकर ऊंचे कीमत पर बेच देते।अग्रिम कारवाई हेतु उत्पाद विभाग, धनबाद को सुपुर्द किया गया।

दिव्यांग स्कूल में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

धनबाद (कासं) : जगजीवननगर स्थित दिव्यांग बच्चों के स्कूल में बसंत तु के आगमन के अवसर पर नियमित स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का संचालन सीएचसी सदस्य डॉ. अलका सिंह द्वारा किया गया।

उल्लेखनीय है कि यह स्वास्थ्य जांच शिविर प्रत्येक माह की १९ तारीख को नियमित रूप से आयोजित किया जाता है। बसंत तु में मौसम के बदलाव के कारण बच्चों में सर्दीजुकाम, एलर्जी, वायरल बुखार, आंखों में जलन, त्वचा संक्रमण जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए शिविर में बच्चों की संपूर्ण स्वास्थ्य जांच की गई। डॉ. अलका सिंह ने बच्चों को बसंत तु में होने वाली बीमारियों से बचाव के उपाय बताए। उन्होंने स्वच्छता बनाए रखने, हल्का व पौष्टिक भोजन लेने, अधिक धूप में न रहने, साफ पानी पीने तथा हाथों की नियमित सफाई पर विशेष जोर दिया।

इस अवसर पर स्कूल की सचिव ने डॉ. अलका सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बसंत तु में इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर दिव्यांग बच्चों के स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने में अत्यंत उपयोगी हैं। इससे समय पर बीमारी की पहचान और उपचार संभव हो पाता है।

ननि चुनाव को लेकर शहर में पुलिस का फ्लैग मार्च

धनबाद (कासं) : नगर निकाय चुनाव को लेकर जिले में प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त मतदान सुनिश्चित करने तथा विधिब्यवस्था सुदृढ़ रखने के उद्देश्य से सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव के नेतृत्व में शहर के विभिन्न संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भव्य फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान पुलिस की सक्रियता और सख्ती साफ तौर पर नजर आई।

फ्लैग मार्च में बाइक पर सवार सिटी हॉक्स के जवानों के साथ पुलिस पदाधिकारियों ने बैंक मोड़, नया बाजार, वासेपुर, आजाद नगर, भूली, पांडरपाला, भरत चौक, शमशेर नगर, विनोद बिहारी चौक, बाबूडीह, सिटी सेंटर, स्टेशन रोड, हीरापुर, स्टील गेट, सरायधेला और गोल बिल्डिंग समेत कई प्रमुख इलाकों का भ्रमण किया। मार्च के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया और संभावित संवेदनशील स्थलों को चिह्नित कर विशेष निगरानी के निर्देश दिए गए।

फ्लैग मार्च का उद्देश्य आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना तथा असामाजिक तत्वों को स्पष्ट संदेश देना था कि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे बिना किसी भय या दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग करें और लोकतंत्र के इस पर्व को सफल बनाएं। साथ ही, किसी भी संदिग्ध गतिविधि या सूचना की जानकारी तुरंत डायल ११२ पर देने को कहा गया।

सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने कहा कि चुनाव के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। संवेदनशील बूथों पर अतिरिक्त बल की तैनाती, लगातार पेट्रोलिंग और त्वरित कार्रवाई दल की सक्रियता सुनिश्चित की गई है। प्रशासन की प्राथमिकता है कि हर मतदाता सुरक्षित माहौल में मतदान कर सके।

फ्लैग मार्च में प्रशिक्षु आईपीएस अंकित सिन्हा, डीएसपी सुमित कुमार समेत कई पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल रहे। पूरे अभियान के दौरान पुलिस की एकजुटता और अनुशासन ने स्पष्ट कर दिया कि जिला पुलिस प्रशासन शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

झरिया के कोनेकोने में चला संजीव सिंह का तूफानी दौरा, मिल रहा है जनता का समर्थन

धनबाद (कासं) : धनबाद नगर निगम चुनाव के मद्देनज़र मेयर

प्रत्याशी एवं झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह ने झरिया शहर के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक और सघन जनसंपर्क अभियान चलाया। सुबह से देर शाम तक चले इस तूफानी दौरे में उन्होंने बस्ताकोला, भगतडीह, ऐना कोलियरी, कतरास मोड़, तारा बागान, होरलाडीह और झरिया बाजार समेत कई मोहल्लों में पहुंचकर लोगों से सीधे संवाद किया। जनसंपर्क अभियान की शुरुआत बस्ताकोला क्षेत्र से हुई, जहां स्थानीय लोगों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया। यहां घरघर जाकर उन्होंने बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया और युवाओं से रोजगार, सड़क और पेयजल की समस्याओं पर चर्चा की। बस्ताकोला आंबेडकर चौक के समीप उन्होंने भारत रत्न भीमराव रामजी आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसके बाद भगतडीह और ऐना कोलियरी क्षेत्र में उन्होंने श्रमिक परिवारों और स्थानीय व्यापारियों से मुलाकात की। यहां लोगों ने क्षेत्र में साफ-सफाई, नालियों की मरम्मत और स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था को लेकर अपनी समस्याएं रखीं। संजीव सिंह ने सभी मुद्दों को प्राथमिकता से हल कराने का भरोसा दिलाया। झरिया कतरास मोड़ चौक पर पहुंचकर उन्होंने स्व. सूर्यदेव सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। यहां बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद थे। एक स्थान पर पेलोडर से पुष्पवर्षा कर उनका भव्य स्वागत किया गया, जिससे पूरा इलाका नारों और जयघोष से गूंज उठा।

तारा बागान और होरलाडीह में उन्होंने महिलाओं के समूहों, युवाओं और स्थानीय व्यवसायियों से संवाद किया। महिलाओं ने पेयजल आपूर्ति और स्वच्छता व्यवस्था में सुधार की मांग रखी। संजीव सिंह ने कहा कि नगर निगम की योजनाओं को पारदर्शी तरीके से लागू कर इन समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

झरिया बाजार क्षेत्र में दुकानदारों और व्यापारियों ने उनका स्वागत किया। यहां उन्होंने व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, सड़क जाम की समस्या के समाधान और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने का आश्वासन दिया। बाजार क्षेत्र में समर्थकों ने फूलमालाओं और नारों के साथ उनका अभिनंदन किया।

दौरे के क्रम में उन्होंने विभिन्न मंदिरों में पूजाअर्चना कर क्षेत्र की सुखसमृद्धि और शांति की कामना की।

जनसंपर्क के दौरान उन्होंने कहा,झरिया की देवतुल्य जनता का जो स्नेह और समर्थन मुझे मिल रहा है, वह अभूतपूर्व है। यह चुनाव विकास बनाम उपेक्षा का चुनाव है। मैं वादा करता हूं कि जीत के बाद स्वच्छता, पेयजल, सड़क, रोशनी और अन्य बुनियादी सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दूंगा। धनबाद नगर निगम क्षेत्र को एक स्वच्छ, व्यवस्थित और विकसित शहर बनाने के लिए पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ कार्य करूंगा। पूरे जनसंपर्क अभियान के दौरान कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। हर क्षेत्र में धनबाद का मेयर कैसा हो, संजीव सिंह जैसा हो के नारों से माहौल गूंजता रहा, जिससे स्पष्ट है कि चुनावी मुकाबला अब अपने चरम की ओर बढ़ रहा है।

बोर्रागढ़ में मेयर प्रत्याशी संजीव सिंह का किया गया भव्य स्वागत

धनबाद (कासं) : जनसंपर्क अभियान के क्रम में बोरागढ़ क्षेत्र में मेयर प्रत्याशी संजीव सिंह का जोरदार और ऐतिहासिक स्वागत किया गया। पूरे क्षेत्र में फूलों की बारिश के बीच समर्थकों और स्थानीय लोगों ने गर्मजोशी से उनका अभिनंदन किया। धनबाद का मेयर कैसा हो -संजीव सिंह जैसा हो के नारों से बोरागढ़ गुंजायमान हो उठा।

माताओंबहनों का आशीर्वाद, युवाओं का जोश और बुजुर्गों का विश्वास इस बात का प्रमाण था कि जनता बदलाव के संकल्प के साथ खड़ी है। जनसंपर्क के दौरान संजीव सिंह ने घरघर जाकर लोगों से मुलाकात की, उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और समाधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

इस अवसर पर संजीव सिंह ने कहा, बोर्रागढ़ की देवतुल्य जनता ने जिस स्नेह, सम्मान और समर्थन के साथ मुझे आशीर्वाद दिया है, वह मेरे लिए अमूल्य है। आपका यह प्रेम ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। मैं विश्वास दिलाता हूँ कि धनबाद नगर निगम क्षेत्र के समग्र विकास, पारदर्शी व्यवस्था और हर वर्ग के सम्मान के लिए निरंतर कार्य करता रहूंगा। जनता का यह उत्साह स्पष्ट संकेत है कि अब विकास की नई दिशा तय होगी।

उन्होंने आगे कहा कि उनका उद्देश्य केवल चुनाव जितना नहीं, बल्कि धनबाद को स्वच्छ, व्यवस्थित और आधुनिक शहर के रूप में स्थापित करना है, जहाँ हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएँ और सम्मानजनक जीवन मिले। बोरागढ़ की जनता के अपार समर्थन और आशीर्वाद के लिए संजीव सिंह ने हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जनसमर्थन ही आने वाले सकारात्मक परिवर्तन का आधार बनेगा।

मेयर प्रत्याशी संजीव सिंह की लोकप्रियता से घबरा कर विरोधी फाड़ने लगे हैं पोस्टर, समर्थकों में रोष

धनबाद (कासं) : धनबाद नगर निगम चुनाव के बीच मेयर प्रत्याशी एवं झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह के पोस्टर लगातार फाड़े जाने की घटनाओं ने चुनावी माहौल को गरमा दिया है। जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में देर रात उनके प्रचार पोस्टरों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं सामने आ रही थीं। स्थानीय कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह सिलसिला एकदो दिन का नहीं, बल्कि लगातार कई दिनों से चल रहा था। पहले इसे सामान्य शरारत मानकर नजरअंदाज किया गया, लेकिन जब घटनाएं बढ़ने लगीं और एक मामले में पूरी घटना सीसीटीवी कैंमरे में कैंद हो गई, तब मामला गंभीर हो गया।

समर्थकों का आरोप है कि बढ़ती जनसमर्थन और कोयलांचल क्षेत्र में संजीव सिंह की लोकप्रियता से घबराकर विरोधी इस तरह की हरकतों पर उतर आए हैं। उनका कहना है कि लोकतांत्रिक चुनाव में मुकाबला मुद्दों और विकास कार्यों पर होना चाहिए, न कि पोस्टर फाड़ने जैसी ओछी गतिविधियों के माध्यम से।

इस संबंध में संजीव सिंह ने संयमित प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे सकारात्मक राजनीति में विश्वास रखते हैं और जनता की ताकत पर भरोसा है। उन्होंने अपने समर्थकों से अपील की कि वे किसी भी उकसावे में न आएं और शांतिपूर्वक लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लें।

फिलहाल संबंधित क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की मांग की जा रही है। लगातार हो रही इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि चुनावी सरगर्मी अपने चरम पर है और मुकाबला दिलचस्प होता जा रहा हैं।

कंपनियां अपने एरिया के लोगों की जरूरतों - प्राथमिकताओं को अपने सीएसआर कार्य में करें शामिल : उपायुक्त

बोकारो (ससे): समाहरणालय सभागार में गुरुवार को उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सीएसआर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, सीएसआर नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार,जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, डीएसई अतुल कुमार चौबे, डीएस डा. एन पी सिंह, जिला योजना पदाधिकारी राज शर्मा, डीएसडब्ल्यूओ डा. सुमन गुप्ता, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि, बैंक प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे। बैठक में पिछली समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की बिंदुवार समीक्षा की गई तथा आगामी वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि कंपनियां अपने ऑपरेशनल एरिया के स्थानीय समुदाय की वास्तविक जरूरतों एवं प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए सीएसआर कार्यों की योजना बनाएं। उन्होंने कहा कि सीएसआर केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रभावी माध्यम है, जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय विकास और जीवन स्तर में सुधार लाना है।

उन्होंने निर्देश दिया कि जिला सीएसआर कमेटी से अनुशंसित एवं स्वीकृत योजनाओं को ही कंपनियां धरातल पर उतारें। अपनी सुविधा अथवा व्यक्तिगत प्राथमिकता के आधार पर राशि खर्च करने की प्रवृत्ति से बचें। उपायुक्त ने वित्तीय वर्ष २०२६-२७ में प्रस्तावित योजनाओं एवं कार्यों का विस्तृत एक्शन प्लान ०३ दिनों के भीतर जिला के सीएसआर नोडल पदाधिकारी को समर्पित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने जानकारी दी कि मार्च के प्रथम सप्ताह में नए वित्तीय वर्ष के लिए जिले में प्रस्तावित सीएसआर कार्यों के संबंध में औपचारिक पत्र सभी कंपनियों को प्रेषित कर दिया जाएगा, ताकि समय पर कार्यारंभ सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक में उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता जिले के रेड एवं ऑरेंज जोन क्षेत्रों में आजीविका के अवसरों का सृजन, आधारभूत संरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर) के गैप को समाप्त करना तथा पर्यावरण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना है।

उन्होंने कंपनियों से अपेक्षा की कि वे स्वरोजगार, सामुदायिक स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, स्कूलों के उन्नयन एवं हरित पहल को बढ़ावा देने वाली योजनाओं पर विशेष ध्यान दें। उपायुक्त ने विशेष रूप से *हाथी आक्रमण से गोमिया समेत अन्य प्रखंडों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में सीएसआर के माध्यम से ठोस एवं दीर्घकालिक पहल की आवश्यकता है।

उन्होंने टार्च - मशाल वितरण, मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहन, हाथियों के भोजन हेतु चिचरण क्षेत्रों में बांस एवं अन्य उपयुक्त वनस्पतियों का पौधरोपण, सोलर लाइट एवं हाई मास्ट लाइट की स्थापना जैसे कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने सभी कंपनियों से इन प्रयासों में सकारात्मक सोच एवं सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। आयोजित बैठक में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया।

सीएसआर के तहत ई-ट्राई साइकिल/स्कूटी एवं आवश्यक सहायक उपकरणों का वितरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। साथ ही, जिले में कौशल विकास प्रशिक्षण एवं आजीविका से जोड़ने की दिशा में ठोस पहल करने का भी निर्देश दिया गया।

बैठक के दौरान पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की क्रमवार समीक्षा* की गई। विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किए तथा आगामी योजनाओं की रूपरेखा साझा की। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि सीएसआर कार्यों में पारदर्शिता, समन्वय एवं परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन कंपनियों के साथ समन्वय स्थापित कर क्षेत्रीय विकास की दिशा में ठोस एवं प्रभावी कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मौके पर उप विकास आयुक्त ने कंपनियों को जिले के ०४ पीवीजीटी गांवों को गोद लेने के लिए भी सुझाव दिया। उधर, सीएसआर नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार ने जिला प्रशासन की प्राथमिकताओं - रुचि वाले क्षेत्रों के संबंध में क्रमवार जानकारी दी और उस पर प्रस्ताव तैयार करने को कहा। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

अवैध खनन रोकने की दिशा में उठाएं सख्त कदम : उपायुक्त

गिरिडीह (ससे): समाहरणालय सभाकक्ष में आज उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, श्री रामनिवास यादव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने अवैध पत्थर उत्खनन, अवैध बालू/कोयला/अभ्रक उत्खनन के रोकथाम के लिए पूर्व के बैठक में लिए गए निर्णय के अनुपालन की बिन्दुवार समीक्षा की गई। इस दौरान सीसीएल के पट्टा क्षेत्र, वन क्षेत्रों हो रहे मायका अभ्रक के अवैध उत्खनन व अन्य क्षेत्रों में कोयलें के अवैध उत्खनन व प्रेषण की रोकथाम व अन्य पर विचार विमर्श किया गया। बालू घाटों के संचालन एवं बालू के अवैध भंडारण उठाव एवं परिवहन के संबंध में समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। साथ ही कहा कि नियमों का उद्घंघन करने एवं अवैध खनन करने वालों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी ।इसके अलावा उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को अवैध खनन, परिवहन, भंडारण करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि अवैध खनन करने वाले

पर प्राथमिकी दर्ज करें तथा वन क्षेत्र में भी खनन करने वाले लोगों पर भी प्राथमिकी दर्ज कर उचित करवाई करें। साथ ही अवैध रूप से खनिज लदे वाहनों की भी जांच करने का निर्देश दिये। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि अवैध उत्खनन रोकने की दिशा में प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी से समन्वय बनाकर संबंधित विभाग कड़ा रुख अख्तियार करें।

उन्होंने कहा कि अवैध खनन रोकने के लिए सख्त कदम उठाएं। जांच-पड़ताल के साथ छापेमारी अभियान चलाएं। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि अवैध खनन एवं अनाधिकृत परिवहन से सरकारी राजस्व को भारी क्षति पहुँच रही है तथा धूल, ध्वनि एवं अन्य प्रदूषकों के कारण पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ रहा है, जिससे जन-स्वास्थ्य एवं सार्वजनिक हित प्रभावित हो रहा है। उन्होंने अवैध खनन गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने, नियमित गश्ती तेज करने, बिना लाइसेंस संचालित क्रेशरों पर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने और संबंधित विभागों के बीच समन्वय मजबूत करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध खनन एवं अवैध परिवहन किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में पुलिस अधीक्षक, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, गिरिडीह जिला, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी, सभी थाना प्रभारी, आरओ प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सभी अंचलाधिकारी, फैक्टरी इंस्पेक्टर समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सरकारें रेवड़ी नहीं रोजगार के अवसर करें पैदा : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली(ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु बिजली बोर्ड को कड़ी फटकार लगाई है। दरअसल, तमिलनाडु बिजली बोर्ड उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली देने का वादा कर रहा है। वहीं एक मुकदमे पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी की है। इस दौरान कोर्ट ने कहा कि राज्यों में अपनाई गई मुफ्त सुविधाओं की संस्कृति आर्थिक विकास में बाधा डालती है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच, जिसमें मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत समेत जजों ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा ज्यादातर राज्य पहले से ही घाटे में हैं, फिर भी विकास को छोड़कर मुफ्त सुविधाएं बांट रहे हैं। कोर्ट ने साफ कहा- जो लोग मुफ्तान नहीं कर सकते, उन्हें सहायता देना समझ में आता है। लेकिन अमीर-गरीब में फर्क किए बिना सबको मुफ्त देना गलत नीति है। इस दौरान कोर्ट ने चेतावनी दी और कहा अगर सुबह से शाम तक मुफ्त खाना, साइकिल और बिजली मिलती रही तो लोगों में काम करने की भावना कम हो जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर सरकार लोगों को सुबह से शाम तक फ्री खाना, गैस और बिजली देती रहेगी तो लोग काम क्यों करेंगे। ऐसे तो काम करने की आदत खत्म हो जाएगी। सरकार को रोजगार देने पर फोकस करना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन बिना फर्क किए सबको मुफ्त सुविधा देना सही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। इसमें कंज्यूमर्स की फाइनेंशियल हालत की परवाह किए बिना सभी को फ्री बिजली देने का प्रस्ताव था। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि देश के ज्यादातर राज्य राजस्व घाटे में हैं और फिर भी वे विकास को नजरअंदाज करते हुए मुफ्त की घोषणाएं कर रहे हैं।

वहीं कोर्ट ने राज्यों को सलाह दी कि मुफ्त चीजें बांटने के बजाय, रोजगार के अवसर पैदा करने पर ध्यान देना चाहिए। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने पूछा, भारत में हम कैसी संस्कृति बना रहे हैं? क्या यह वोट पाने की नीति नहीं बन जाएगी? फिलहाल, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार और अन्य पक्षों को नोटिस जारी किया है। अब अगली सुनवाई में तय होगा कि ऐसे मुफ्त बिजली योजनाओं पर क्या नियम लागू होंगे। यह मामला इसलिए बड़ा है क्योंकि कई राज्यों में चुनाव से पहले मुफ्त योजनाएं घोषित होती हैं और इससे सरकारी खर्च बढ़ता है, जिससे आर्थिक संतुलन बिगड़ने का खतरा रहता है। मामले में सुप्रीम कोर्ट ने साफ संदेश दिया है कि गरीबों की मदद जरूरी है, लेकिन बिना सोच-समझ सबको मुफ्त सुविधाएं देना देश के विकास के लिए सही नहीं है।

जस्टिस सूर्यकांत ने पूछा, हम भारत में कैसी संस्कृति विकसित कर रहे हैं? यह समझ में आता है कि कल्याणकारी योजना के तहत आप उन लोगों को राहत दें जो बिजली का बिल नहीं चुका सकते। लेकिन जो लोग मुगतान करने में सक्षम हैं और जो नहीं हैं, उनके बीच कोई फर्क किए बिना मुफ्त सुविधा देना क्या तुष्टिकरण की नीति नहीं है? दरअसल, सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। कंपनी ने २०२४ के विद्युत संशोधन नियमों के नियम २३ को चुनौती दी है। इसमें उपभोक्ताओं की आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना सभी को मुफ्त बिजली देने का प्रस्ताव है। राज्य सरकार घरेलू उपभोक्ताओं को हर दो-महीने में लगभग १०० यूनिट तक मुफ्त बिजली देती है, बिना किसी शर्त के यानी उपभोक्ता चाहे कितना भी खर्च करे, पहली १०० यूनिट के लिए बिल नहीं देना होता। कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार और अन्य पक्षों को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने यह भी पूछा कि बिजली दरों की घोषणा के बाद तमिलनाडु की कंपनी ने अचानक मुफ्त बिजली देने का फैसला क्यों किया।

महिलाओं और युवाओं को स्वरोजगार के लिए मिलेगा प्रशिक्षण : प्रमिला मेहरा

गिरिडीह (ससे): शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी को खत्म करने के लिए महिलाओं और युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। उक्त बातें महापौर प्रत्याशी प्रमिला मेहरा ने गुरुवार को गिरिडीह नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न मुहल्लों में जनसंपर्क अभियान के दौरान कही। उन्होंने वार्ड नंबर ०१, १४,१७ और २१ के विभिन्न मुहल्लों में जनसंपर्क अभियान चलाया और कहा कि प्रशिक्षण के बाद लोगों को बैंक से पूंजी भी मुहैया कराया जाएगा। जन सम्पर्क अभियान के दौरान उन्होंने लोगों से आशीर्वाद मांगा और कहा कि शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी को दूर किया जाएगा।

मौके पर राकेश कुमार रॉकी, हरिमोहन कंघवे, प्रमोद कंघवे, विनय खेतान, बंटी केडिया, संतु कंघवे, गोपाल बगेड़िया, टिंकू सिंह, योगेन्द्र सिंह, सोनू कुमार, किशोर दास, सुशील शर्मा, मो पलटन, मो गांधी, मो चांद, मो पप्पु, गीता शर्मा, प्रमिला कुमारी सहित दर्जनों समर्थक मौजूद थे।

किसान प्रकोष्ठ राष्ट्रीय जनता दल की प्रेस वार्ता, महापौर पद को लेकर किया अहम ऐलान

गिरिडीह (ससे): किसान प्रकोष्ठ राष्ट्रीय जनता दल (झारखंड प्रदेश) द्वारा मंगलवार को एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष गिरेंद्र प्रसाद यादव की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रेस वार्ता में संगठन से जुड़े कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रेस वार्ता के दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि आगामी नगर निगम चुनाव को लेकर पार्टी ने रणनीतिक निर्णय लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय जनता दल (किसान प्रकोष्ठ) पूरी मजबूती के साथ चुनावी मैदान में उतरेगा और महापौर पद सहित अन्य पदों पर समर्थित प्रत्याशियों को विजय दिलाने के लिए कार्यकर्ता एकजुट होकर कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि शहर में बढ़ती जनसमस्याओं, विकास कार्यों की धीमी गति तथा आम जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर पार्टी गंभीर है। संगठन का उद्देश्य नगर निगम क्षेत्र में पारदर्शी व्यवस्था, जनहितकारी योजनाओं का क्रियान्वयन और आम लोगों को राहत दिलाना है।

प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी कहा कि यदि पार्टी का कोई अन्य पदाधिकारी या सदस्य संगठन की अधिकृत नीति के विरुद्ध बयान देता है या किसी अन्य प्रत्याशी का समर्थन करता पाया जाता है, तो उसके खिलाफ संगठनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

प्रेस वार्ता में पार्टी के कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे और सभी ने एक स्वर में संगठन के निर्णय का समर्थन करते हुए चुनाव में पूरी ताकत झोंकने का संकल्प लिया। अंत में प्रदेश अध्यक्ष ने गिरिडीह की जनता से अपील की कि वे नगर के समग्र विकास, स्वच्छ प्रशासन और बेहतर मूलभूत सुविधाओं के लिए पार्टी के समर्थित उम्मीदवारों को अपना समर्थन दें।

बिजली का जर्जर पोल तार को बदलने की मांग

डुमरी (ससे): प्रखंड अंतर्गत रांगामाटी पंचायत के यादव टोला में जर्जर बिजली पोल को लेकर ग्रामीणों में रोष है।ग्रामीणों के आग्रह पर गुरुवार को झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन के केन्द्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो मौके पर पहुंच ग्रामीणों की समस्याओं को सुना।ग्रामीणों ने बताया कि मंदिर के समीप लगा बिजली पोल काफी जर्जर हो चुका है और कभी भी गिर सकता है।पोल के साथ बिजली तार भी नीचे झूल रहे हैं जिससे जान-माल की हानि की आशंका बनी हुई है।लोगों ने कहा कि यदि समय रहते इसे नहीं बदला गया तो बड़ा हादसा हो सकता है।

5 दिन चलेगा उत्तराखंड विधानसभा बजट सत्र

नई दिल्ली (ईएमएस): उत्तराखंड का आगामी बजट सत्र ९ मार्च से १३ मार्च तक राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण में आयोजित होने जा रहा है। सरकार की ओर से निर्धारित मात्र ५ दिनों की इस संक्षिप्त अवधि का मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पुरजोर विरोध कर रही है। कांग्रेस का तर्क है कि चूंकि यह साल का पहला सत्र है, इसलिए इसमें राज्यपाल का अभिभाषण और उस पर विस्तृत चर्चा अनिवार्य है। साथ ही, बजट जैसा महत्वपूर्ण विषय, जिसमें विभिन्न विभागों के बजट आवंटन और सरकारी कामकाज पर चर्चा होनी है, उसके लिए कम से कम १५ दिनों का समय मिलना चाहिए। विपक्ष के अनुसार, संक्षिप्त सत्र होने से विधायकों को अपने क्षेत्र की समस्याओं और सरकार से प्रश्न पूछने का पर्याप्त समय नहीं मिल पाएगा।

उत्तराखंड विधानसभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली, २००५ के अंतर्गत राज्य विधानसभा के सत्रों के संचालन को लेकर अत्यंत स्पष्ट और विस्तृत प्रावधान किए गए हैं। संविधान के अनुच्छेद १७४ और विधायी नियमों के अनुसार, राज्य में वर्ष भर में तीन सत्र-बजट सत्र, ग्रीष्मकालीन/ मानसून सत्र और शीतकालीन सत्र का आयोजन अनिवार्य है।

रामकृष्ण परमहंस जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए डीसी - डीडीसी

बोकारो (ससे): जिलेवासियों की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना को लेकर गुरुवार को उपायुक्त अजय नाथ झा एवं उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने महान संत श्री रामकृष्ण परमहंस की १९१ वां जयंती के अवसर पर सेक्टर वन-बी स्थित श्री रामकृष्ण विवेकानंद संघ के अध्यात्मिकता अभ्यास एवं विकास केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर डीसी - डीडीसी ने श्री रामकृष्ण परमहंस के चित्र पर पुष्प अर्पित कर जिलेवासियों की सुख-शांति, प्रगति एवं आपसी सौहार्द की कामना करते हुए उन्हें नमन किया। डीसी ने कहा कि श्री रामकृष्ण परमहंस का जीवन प्रेम, सहिष्णुता और आध्यात्मिक एकता का संदेश देता है, जिसे समाज में अपनाने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के दौरान केंद्र परिसर में भक्ति-भाव से प्रार्थना की गई तथा उपस्थित लोगों को श्री रामकृष्ण परमहंस के आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया गया। मौके पर संघ के अध्यक्ष श्री गोपाल चंद्र मुंशी, सचिव श्री प्रणव मित्रा समेत अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

कोषांगों की तैयारियों का सामान्य प्रेक्षकों ने लिया जायजा

बोकारो (ससे): गुरुवार को नगर पालिका (आम) निर्वाचन २०२६ की तैयारियों के तहत चास नगर निगम के सामान्य प्रेक्षक श्याम नारायण राम एवं नगर परिषद फुसरो के सामान्य प्रेक्षक मो. सादात अनवर ने सेक्टर ०८ बी स्थित विभिन्न कोषांगों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान द्वय प्रेक्षकों ने सामग्री कोषांग, परिवहन कोषांग एवं मत पेटिका कोषांग में की जा रही व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। सामान्य प्रेक्षक ने संबंधित पदाधिकारियों से सामग्री की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था, वाहनों की तैनाती तथा मत पेटिकाओं के सुरक्षित रख-रखाव* के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी कोषांग निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप समयबद्ध एवं व्यवस्थित ढंग से कार्य करें, ताकि मतदान प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

इस अवसर पर संबंधित कोषांगों के पदाधिकारियों ने बताया कि निर्वाचन को लेकर आवश्यक तैयारियां अंतिम चरण में हैं तथा सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण कर ली जाएंगी। मौके पर सामाग्री कोषांग की वरीय नोडल पदाधिकारी श्रीमती मेनका समेत अन्य* उपस्थित थे।

प्रियंका गांधी असम पहुंची, मां कामाख्या मंदिर में किए दर्शन

डिब्रूगढ़,(ईएमएस): कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी असम दौरे पर हैं। वह विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर असज पहुंचीं। इस दौरान वह कामाख्या मंदिर भी दर्शन किए। उन्होंने बताया कि वह भगवान से कुछ नहीं मांगती हैं। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि कांग्रेस फरवरी के अंत तक असम चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर सकती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रियंका गांधी गुरुवार को मां कामाख्या मंदिर पहुंचीं। मंदिर के बाहर पत्रकारों ने उनसे सवाल किया, मैम दर्शन के लिए आईं हैं क्या मांगेंगी भगवान से। इस पर प्रियंका ने जवाब दिया, मैं कभी मांगती नहीं हूं भगवान से। इस दौरान उनके साथ असम कांग्रेस प्रमुख गौरव गोगोई समेत कई नेता मौजूद थे।

बता दें बुधवार को गोगोई ने कहा था कि पहली सूची में ८० कांग्रेस उम्मीदवारों के नामों की घोषणा मार्च के पहले सप्ताह तक कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य चयन प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करना है। केंद्रीय नेतृत्व ने हमें यह तय करने के लिए कहा है कि पहली सूची इस महीने के अंत तक जारी हो जाए। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन के बारे में पूछे जाने पर गोगोई ने कहा कि यह निश्चित रूप से होने वाला है और इस मामले में पार्टी सत्तारूढ़ बीजेपी से काफी आगे है। कांग्रेस, माकपा, रायजोर दल, असम जातीय परिषद, भाकपा, भाकपा लिबरेशन, जातीय दल-असम और कार्बी आंगलोंग स्थित ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस ने विधानसभा चुनाव एक साझा मंच से लड़ने के लिए हाथ मिलाया है।

कांग्रेस के असम प्रभारी जितेंद्र सिंह ने कहा था कि प्रियंका गांधी दौरे के दौरान कांग्रेस के विभिन्न पदाधिकारियों के साथ कई बैठकें करेंगी। इसके अलावा वह एआईसीसी के तीन वरिष्ठ पर्यवेक्षकों से भी मिलेंगी और चुनावों के संबंध में उनकी राय लेंगी। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी राजनीतिक मामलों की समिति, विधायकों, जिला अध्यक्षों, फ्रंटल समूह प्रमुखों, विधायक दल के नेता, कार्यकारी अध्यक्षों, सांसदों, विभिन्न प्रकोष्ठ प्रमुखों और बूथ समिति प्रमुखों सहित अन्य लोगों के साथ अलग-अलग बैठकें करेंगी। प्रियंका आगामी असम विधानसभा चुनावों के लिए चयन समिति की अध्यक्ष है। असम विधानसभा के १२६ निर्वाचन क्षेत्रों के लिए चुनाव इस साल मार्च-अप्रैल में होने की संभावना है।

राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी

नई दिल्ली(ईएमएस) : करणी सेना के एक कार्यकर्ता ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी दी है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने गुरुवार को यह दावा किया। उन्होंने धमकी वाला वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया है। पवन खेड़ा ने लिखा कि पूरा आरएसएस-भाजपा तंत्र एक गोडसे फैक्ट्री है। तथाकथित करणी सेना द्वारा राहुल गांधी और २५ सांसदों के खिलाफ दी गई धमकी कोई अलग-थलग पड़ी घटना नहीं है। यह एक सुनियोजित और कपटपूर्ण साजिश का हिस्सा है। कट्टरपंथ ऐसे ही काम करता है। वे पहले एक झूठ बनाते हैं, पॉलिटिकल अयोरिटी उसे आगे बढ़ाती हैं और तब तक फैलाती हैं जब तक उनके फॉलोअर्स के मन में नफरत और हिंसा नहीं भर जाती। तब भी गोडसे बनाया गया था। आज फिर एक और गोडसे को तैयार किया जा रहा है। वीडियो सामने आने के बाद कोटा पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है।

वीडियो में खुद को करणी सेना का बताते हुए शख्स ने संसद में ओम बिरला के चैंबर में हुई घटना का जिक्र किया। शख्स की पहचान राज आमेरा के रूप में हुई है। वह कोटा के उद्योग नगर का है। करणी सेना का संभागीय प्रवक्ता है। करीब ३ दिन पहले ही प्रवक्ता बनाया गया है। राज आमेरा ने कहा कि ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष के २५ सांसदों ने जो बदतमीजी की है। वह बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस सब के पीछे राहुल गांधी जिम्मेदार हैं। मैं चेतावनी देता हूं अगर दोबारा ऐसी घटना हुई तो उन २५ सांसदों के घर में तोडफ़ोड़ करेंगे और राहुल गांधी सुन लें उनके घर में घुसकर गोली मारेंगे। इसका जिम्मेदार प्रशासन होगा। मेरी मांग है कि उन २५ सांसदों पर कार्रवाई हो। मोदी सरकार में मंत्री किरेन रिजिजू को जो बयान सामने आया, उसे सुनने के बाद हम लोग काफी गुस्से में हैं। मेरी इस धमकी के बाद अगर मुझे जेल हो जाए तो मुझे कोई दिक्कत नहीं है। पवन खेड़ा ने धमकी वाला वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि पहले किरेन रिजिजू ने झूठ बोला। उन्होंने देश को गुमराह किया कि कांग्रेस सांसदों ने लोकसभा में ओम बिरला का अपमान किया।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़फाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फ़ोन - 94317263 37
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

शक्तिमन्दिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर निकाली गई प्रभात फेरी

धनबाद (छासं) : शक्तिमन्दिर के २९ वें प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान शक्तिमन्दिर से प्रभात फेरी निकाली गयी जो शक्तिमन्दिर, जोड़ा फाटक, धनसार, धोबाटांड, बैंकमोड़, पुराना बाजार पानी टंकी होते हुए पुनः शक्तिमन्दिर पहुंची। नाचतेमाते भक्त पूरी तरह से भक्ति भावना में लीन हो गए। ठंडी ठंडी बयार, चिड़ियों की चहच हाट, कोयल की कुहू कुहू और पक्षियों का कलरव मानो ये संदेश दे रहा हो कि वो भी उन्हीं की तरह से मां के भजनों को अपने ढंग से गा रहे हों। गौरव अरोड़ा, दिव्यांशु अरोड़ा और गोपी चौधरी ने खूब समां बांधा और भक्त पूरी तरह से तल्लीन हो गए। गाते-नाचते पुनः शक्तिमन्दिर कब पहुंच गए, पता ही नही चला। रास्ते मे जो जहां मिला मंत्रमुग्ध हो कर भाव विह्वल हो गया।रास्ते मे मोर्निंग वाकर ग्रुप, शुभम कुमार और गुरुनानकपुरा गुरुद्वारा की ओर से प्रभात फेरी का स्वागत भी किया गया।

इस भव्य आयोजन में मंदिर की श्री श्री भगवती जागरण कमिटी, शक्ति यूथ सेवा दल तथा अन्य भक्तों का भरपूर सहयोग मिला।

फाइलेरिया उन्मूलन के लिए उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित

धनबाद (छासं) : फाईलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सभी निजी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, प्रधान शिक्षक, प्राचार्य के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन सदर अस्पताल के प्रशिक्षण कक्ष में किया गया।

इस अवसर पर जिला वीबीडी पदाधिकारी, डॉ सुनील कुमार ने फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डाला। डॉ अभिषेक पॉल, राज्य समन्वयक ने पीपीटी के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फाईलेरिया गन्दे पानी में पनपने वाली सबसे अधिक आबादी वाले संक्रमित मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने से एक अपंगता पैदा करने वाली द्वितीय सबसे बड़ी लाईलाज बिमारी है। जिसकी वजह से हाथ, पांव (हाथीपांव) का फूलना और हाइड्रोशील होता है।

बताया कि इस सर्वजन दवा सेवन अभियान में वर्ष में एक बार डीईसी एवं अल्बेण्डाजोल दवा का एकल खुराक सेवन कराकर फाईलेरिया पर नियंत्रण पाया जा सकता है। दवा सेवन के माइक्रो फाईलेरिया को समुदाय में फैलने से रोका जा सकता हैं और अन्य स्वस्थ्य व्यक्तियों को इसके संक्रमण से बचाया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि विगत को दवा प्रशासकों के माध्यम से स्थापित बुथ के माध्यम से दवा खिलायी गई। इसके पश्चात् छुटी हुई शोष आबादी को ११ से २५ तक घरभर जाकर दवा सेवन कराया जा रहा है। एक दिन में दवा प्रशासक द्वारा २०२५ घरों में उपस्थित जन मानस को अपने सामने दवा का सेवन कराया जा रहा है। फलेरिया उन्मूलन लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए शतप्रतिशत लक्षित आबादी द्वारा दवा सेवन अनिवार्य है।

साथ ही बताया कि डीईसी एवं एलबेण्डाजोल सुरक्षित दवा है। फिर भी एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं गम्भीर रूप से बीमार व्यक्ति को यह दवा नही दी जायेगी। साथ ही खाली पेट दवा का सेवन नहीं किया जाना है।

बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन एवं पिरामल फाउंडेशन का पूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है।

जिला वीबीडी सलाहकार, रमेश कुमार सिंह ने फाईलेरिया की स्थिति से समी शिक्षकों को अवगत कराया। वहीं सभी शिक्षकों ने कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग का आशवासन दिया।

बैठक में डीएवी विद्यालय, सर्वोदया पब्लिक स्कूल, धनबाद पब्लिक स्कूल (केजी आश्रम), धनबाद पब्लिक स्कल हीरक ब्रांच, डीनोवेली पब्लिक स्कूल, आर्दश सरस्वती विद्या मंदिर आदि सहित ५० से अधिक विद्यालयों के शिक्षक उपस्थित हुए।

पीएम श्री विद्यालय में शैक्षणिक मेला व सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न

पुटकी (सासे) : पीएम श्री राजकीय मध्य विद्यालय बालूडीह मुनीडीह में गुरुवार को मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता मेला सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के अध्ययनरत छात्रों के द्वारा विभिन्न मॉडल का निर्माण कर प्रदर्शनी लगाई गई, जिसे अभिभावकों एवं अतिथियों ने काफी प्रशंसा किया ।इस अवसर पर सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत छात्रों ने असम तथा विभिन्न राज्यों की वेशभूषा में मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी आशीष कुमार, सहायक पदाधिकारी डॉ. नीतू सिंह, पंचायत समिति सदस्य सुधीर सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक चंद्रदेव प्रसाद ने आगंतुक अतिथियो का स्वागत करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से बच्चों में बौद्धिक स्तर का विकास होता है।रचनात्मक कार्य करने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। शुक्रवार को बच्चों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र सर्टिफिकेट प्रदान की जाएगी। शिक्षक शिक्षिकाएं में देवेंद्र सिंह, उमेश प्रसाद शर्मा पिंकी कुमारी सलोनी चंपई वीरेंद्र कुमार आदि शिक्षक शिक्षिकाएं विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य बड़ी संख्या में अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

कतरास (सासे) : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सिलेक्टेड गोविंदपुर प्रभात शाखा में वीर शिरोमणि छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ शिवाजी महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर संघ के कतरास नगर संघचालक सुशील चौधरीने शिवाजी महाराज के अद्वितीय साहस, राष्ट्रभक्ति, संगठन शक्ति और सुशासन के आदर्शों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि शिवाजी महाराज ने विपरीत परिस्थितियों में भी हिंदवी स्वराज की स्थापना कर भारतीय इतिहास में स्वर्णिम अध्याय जोड़ा। उनका जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।कार्यक्रम का समापन संघ प्रार्थना एवं बच्चों के बीच मिठाइयां बांट कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कतरास नगर कार्यवाह विकास कुमार, सेवा प्रमुख रामकुमार साहू, बजरंग दल प्रखंड संयोजक दीपक साहू, राजन भुईयां, शरद कुमार, गंगा कुमार, आशीष कुमार, नीतीश कुमार, गणेश कुमार व बाल एवं तरुण स्वयंसेवक उपस्थित थे।

कार व स्कूटी की टक्कर, महिला सहित तीन घायल

धनबाद (छासं) : सुबह डिनोबली स्कूल मोड़ के समीप कार और स्कूटी के बीच हुई टक्कर में महिला सहित तीन लोग घायल हो गए। सभी घायलों की हालत सामान्य बताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, धनबाद से आसनसोल की ओर जा रही कार (नं. २५ बी एच ०६२७ एम) की टक्कर खुशरी बस्ती निवासी लखन बाउरी की स्कूटी (जेएच १० सीएल २८८८) से हो गई। लखन बाउरी अपनी पत्नी और बच्चे के साथ सड़क पार कर रहे थे, तभी यह हादसा हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। कार चालक सोफ नीलबूद ने बताया कि अचानक स्कूटी उनके वाहन के सामने आ गई। ब्रेक लगाने के बावजूद टक्कर हो गई। उन्होंने मानवता का परिचय देते हुए तुरंत एंबुलेंस की व्यवस्था कर घायलों को अपनी पत्नी के साथ धनबाद अस्पताल भिजवाया।

घटना की सूचना मिलते ही निरसा पुलिस और जीप सदस्य संजय सिंह मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस का एंटी क्राइम अभियान, 1408 वाहनों की सघन जांच

धनबाद (छासं) : धनबाद में अपराधियों पर शिकंजा कसने और कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को पूरे जिले में व्यापक एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। यह विशेष अभियान वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देशानुसार संचालित हुआ, जिसमें जिले के सभी थाना क्षेत्रों में एक साथ कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान सभी थाना प्रभारी स्वयं सड़क पर उतरकर जांच अभियान का नेतृत्व करते नजर आए। प्रमुख चौकचौराहों, बाजार क्षेत्रों, संवेदनशील इलाकों और शहर में प्रवेश करने वाले मार्गों पर सघन वाहन जांच की गई। पुलिस की सक्रिय मौजूदगी से आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा, वहीं असामाजिक तत्वों में हड़कंप की स्थिति देखी गई।

इस विशेष अभियान के तहत वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज की गई। चोरी हुए वाहनों की पहचान के लिए दस्तावेजों की बारीकी से जांच की गई तथा संदिग्ध वाहनों को रोककर सत्यापन किया गया। अभियान के दौरान कुल १४०८ वाहनों की जांच की गई।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की गई। बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, काला शीशा, ओवरलोडिंग और तेज रफ्तार जैसे मामलों में चालान काटे गए। नशे में वाहन चलाने वालों की पहचान के लिए ब्रेथ एनालाइजर से जांच की गई। संदिग्ध व्यक्तियों की भी गहन तलाशी ली गई, ताकि किसी भी आपराधिक गतिविधि पर समय रहते रोक लगाई जा सके।

एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि जिले में अपराध नियंत्रण और आम जनता को सुरक्षित माहौल देने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस की सतर्कता और जनता के सहयोग से ही अपराध मुक्त समाज का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

बालू के अवैध उत्खनन को ले खनन विभाग का चला छापामारी अभियान

मुहदा (सासे) : बोकारो स्टील सिटी के भतुआ स्थित दामोदर क्षेत्र में अतिक्रमण तथा बालू के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देश पर जिला खनन विभाग एवं स्थानीय पुलिस के सहयोग से लगातार सघन छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें भारी मात्रा में अवैध बालू जब्त की गई है। १६ फरवरी २०२६ को प्राप्त प्रतिवेदन में क्षेत्र में अवैध खनन और अतिक्रमण की पुष्टि की गई थी। इससे पूर्व १० जनवरी २०२६ को वन प्रमंडल पदाधिकारी, बोकारो द्वारा भी ग्रामभ्रतुआ स्थित बी.एस.एल. अधिग्रहित भूमि पर अवैध उत्खनन एवं परिवहन की सूचना दी गई थी। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया।

इस संबंध में उपायुक्त अजय नाथ झा ने की स्थिति पर प्रभावी नियंत्रण के लिए वन प्रमंडल पदाधिकारी, बोकारो की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। समिति में निदेशक डी.पी.एल.आर, अपर समाहर्ता, जिला खनन पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, बीएसिसटी तथा बीएसएल प्रबंधन द्वारा नामित सदस्य को शामिल किया गया है। समिति को निर्देश दिया गया है कि क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाकर अवैध खनन और अतिक्रमण पर रोक लगाई जाए। साथ ही प्रत्येक १५ दिनों के भीतर प्रगति प्रतिवेदन संबंधित प्राधिकारी को उपलब्ध कराना अनिवार्य किया गया है।

समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा ने पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरविंदर सिंह, निदेशक डी.पी.एल.आर. मेनका, अपर समाहर्ता मुमताज अंसारी, जिला खनन पदाधिकारी रवि कुमार, बी.एस.एल. के मुख्य महाप्रबंधक नगर सेवाएं कुंदन कुमार, महाप्रबंधक ए के सिंह, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर पंचायत क्षेत्र की वस्तुस्थिति की विस्तृत जानकारी ली। बैठक में अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाने, संयुक्त छापेमारी तेज करने तथा सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन और अतिक्रमण के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। दोषियों के विरुद्ध विधिसम्मत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

किसानों व पुलिस के बीच हुई झड़प

चंडीगढ़ (ईएमएस) : पंजाब के बठिंडा में गुरुवार को किसानों और पुलिस के बीच उस समय जबरदस्त टकराव हो गया, जब किसान यूनियन के कार्यकर्ता जिला प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए डीसी ऑफिस का घेराव करने जा रहे थे। प्रशासन द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स को पार करने की कोशिश के दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो गई और देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच झड़प शुरू हो गई। वहीं समाना में भी हालात तनावपूर्ण रहे।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए पहले समझाने की कोशिश की, लेकिन भीड़ के उग्र होने पर हालात बिगड़ गए। इस दौरान दोनों ओर से पत्थरबाज़ी हुई। स्थिति को काबू में करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे, जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई। कई प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों के हल्की चोटें आने की भी सूचना है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

प्रदर्शनकारी किसान अपनी मांगों को लेकर जिला प्रशासन के खिलाफ रोष जता रहे थे। उनका आरोप है कि उनकी समस्याओं को लेकर प्रशासन संवेदनशीलता नहीं दिखा रहा। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कानूनव्यवस्था बनाए रखना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है और किसी भी स्थिति में शांति भंग नहीं होने दी जाएगी। इधर, पटियाला जिले के समाना में भी हालात तनावपूर्ण रहे। वहां किसानों को हिरासत में लिए जाने के विरोध में समर्थकों ने प्रदर्शन किया, जिसके बाद माहौल गरमा गया। पुलिस ने एहतियात के तौर पर अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है।

पंजाब में पिछले कुछ समय से विभिन्न मांगों को लेकर किसानों के प्रदर्शन जारी हैं। बठिंडा और समाना की घटनाओं ने एक बार फिर राज्य में कानूनव्यवस्था और किसान आंदोलन को लेकर बहस तेज कर दी है।

भगवान श्री श्री रामकृष्ण परमहंस देवजी की जन्मतिथि हर्षोल्लास के साथ संपन्न

धनबाद (छासं) : हर साल की भांति इस साल भी भगवान श्री श्री रामकृष्ण परमहंस देव जी की १९ वां जन्मतिथि उत्सव रामकृष्ण विवेकानंद सोसाइटी बैंक मोड धनबाद के प्रांगन मे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । सुबह में मंगल आरती के साथ भगवान परमहंस देव जी की पूजा शुरू हुई ।उसके बाद भगवान परमहंस देव जी भोग प्रसाद निवेदन किया गया।समिति के सदस्य एवं उसके परिवार के सदस्य एवं दूर दूर से आए भक्तगण सक्रिय रूप से भागीदारी रहा। चंडीपाठ एवं होम के बाद ठाकुर का भोग निवेदन हुआ उसके बाद पूजा की समाप्ति हुई।

सबसे पहले संस्था के सचिव सुजीत चंद्र मलिक ने सभी भक्तों को एवं सदस्यों को स्वागत किया एवं कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालन के लिए सदस्यों को दिशा निर्देश दिए।

दिन ११.०० बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भक्ति गीतों की कार्यक्रम शुरुआत हुई जिसका नेतृत्व संस्था के अध्यक्ष डॉक्टर गोपाल चटर्जी एवं डॉ सुजाता चटर्जी कर रहे थे। संस्कृति कार्यक्रम एवं भक्ति गीतो से पुरी सोसाइटी प्रांगण भक्तिमय हो उठा एवं भकतो ने काफी आनंद उठाया।

आगामीदिनांक ३ मार्च (रविवार) को आश्रम प्रांगण में रक्तदान शिविर का आयोजन सुबह १० बजे से एक निजी हॉस्पिटल के द्वारा किया गया है। इसमें इच्छुक प्राथी भाग ले सकते हैं।

अंत में संस्था के सबसे सीनियर सदस्य रोहिणी आईच ने उपस्थित सभी भक्तजनों एवं संस्था के सदस्यों को कार्यक्रम को सफल आयोजन करने के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शारदा संघ के कल्पना चटर्जी, मुक्ति सरकार, नीना मित्र, सोमा बनर्जी, नूपुर मैत्रा गीताली बनर्जी एवं संस्थाके मानस चक्रवर्ती, बापी विश्वास, बादल सरकार नदिया, नंदन घोष, तुलसीकांत चौधरी, राजेश राय, सिद्धार्थ बनर्जी, सुजय नियोगी, चंदन मित्रा, पालासराय, संदीप आइच, अभिजीत राय, अशोक बिस्वाह, विश्वनाथ, साधु खा, सुभाष चंद्रा, अनिल हरी आदि का योगदान रहा।

600 मीटर वॉक में स्वर्ण जीतकर सभी को चौंका रहे 102 साल के के. सुकुमारन

तिरुवनंतपुरम (ईएमएस) : कन्नूर जिले के थलसेरी के गायत्री हाउस निवासी १०२ वर्षीय के. सुकुमारन आज भी अपनी ऊर्जा और जज्बे से युवाओं को प्रेरित कर रहे हैं। हाल ही में कासरगोड के नीलेश्वरम में आयोजित मास्टर्स मीट में उन्होंने ६०० मीटर वॉक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर सभी को हैरान किया। प्रतियोगिता के बाद जहां अन्य प्रतिभागी थक चुके थे, वहीं सुकुमारन ने आत्मविश्वास से कहा कि वे इससे भी अधिक दूरी तय कर सकते हैं।

६ जनवरी १९२४ को जन्मे सुकुमारन पूर्व शिक्षक रहे हैं और खेल, संगीत तथा गणित में आज भी सक्रिय हैं। इंटरमीडिएट के दौरान थलसेरी के ब्रेनन कॉलेज में पढ़ाई करते समय उन्हें एथलेटिक्स से लगाव हुआ। बाद में महाराजा कॉलेज से गणित में बीएससी करते हुए उन्होंने लगातार तीन वर्षों तक २०० और ४०० मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीते। प्रशिक्षण के बाद वे थलसेरी बीईएम स्कूल में अध्यापक बने और १६ वर्ष बाद दक्षिण अफ्रीका जाकर भी शिक्षण कार्य जारी रखा। ७७ वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होकर वे केरल लौट आए।

दिलचस्प बात यह है कि सुकुमारन ९८ वर्ष की उम्र तक स्वयं कार चलाते रहे। मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल जैसी जीवनशैली संबंधी बीमारियों से मुक्त सुकुमारन अनुशासन को अपनी सेहत का राज बताते हैं। उनका कहना है, यदि जीवन में व्यवस्था और अनुशासन हो, तब उम्र भी रास्ता दे देती है।

शिवनेरी किले में भगदड़, 3 घायल

मुंबई(ईएमएस): पुणे के जुन्नर इलाके में शिवनेरी किले पर भगदड़ मचने से ३ लोग घायल हो गए। ये सभी छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर किला पहुंचे थे। लोग हाथी दरवाजा और गणेश दरवाजा से किले के अंदर जा रहे थे। रास्ता संकरा होने से भीड़ जमा हो गई। फिर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। पुणे रूरल के एसपी संदीप सिंह गिल ने बताया कि सुबह तकरीबन ३:३० बजे भीड़ अग्नि ज्योति लेकर तेजी से रेलिंग की तरफ से नीचे उतर रही थी। वहां पुलिस पहले से मौजूद थी लोगों को रोकने की कोशिश की गई लेकिन तब तक लोग एक दूसरे पर गिर गए इसमे ३ के पैर मै चोट आई है एक का पैर मुड़ गया है और २ लोग मामूली जख्मी है।

राहुल गांधी सहित 25 सांसदों की हत्या की धमकी देने वाला गिरफ्तार

जयपुर (ईएमएस): लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित २५ सांसदों की हत्या की धमकी देने वाले शख्स को राजस्थान पुलिस के द्वारा गिरफ्तार किया गया है। सोशल मीडिया पर धमकी वाला वीडियो वायरल होने के बाद कोटा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ तुरंत एक्शन लिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अन्य सांसदों पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के अपमान का आरोप लगाकर आरोपी ने जान से मरने की धमकी दी थी। उसकी पहचान राज सिंह आमेरा के रूप में हुई है। वहां खुद को करणी सेना और भाजपा का कार्यकर्ता बताकर कहता है कि राहुल गांधी को घर घुसकर गोली मार देगा। वहीं, मामाले भाजपा ने साफ कर दिया हैं कि आरोपी आमेरा का उनकी पार्टी से कोई संबंध नहीं है।

कोटा शहर पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस को एक वीडियो प्राप्त हुआ था, जिसमें प्रेम नगर निवासी राज आमेरा नामक युवक कांग्रेस सांसदों और राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी दे रहा था। वीडियो के आधार पर त्वरित कार्रवाई कर पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया है। वीडियो में खुद को करणी सेना का बताकर शख्स ने संसद में लोकसभा अध्यक्ष बिरला के चैंबर में हुई घटना का जिक्र किया था। पुलिस का कहना है कि इस मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। आरोपी के पहले पुराने आपराधिक रिकॉर्ड भी हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी खुद को मशहूर करने के लिए इस तरह के वीडियो बनाकर वायरल करता था।

दरअसल आरोपी आमेरा वीडियो में कई आपत्तिजनक टिप्पणी करता दिखाई दे रहा है। वहां वीडियो में खुद को भाजपा कार्यकर्ता बताकर राहुल गांधी को घर में घुसकर गोली मारने की बात कहता है। वह कहता है, जिस तरह से भारत की संसद में कांग्रेस के २५ सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष बिरला से अपशब्द बोले हैं, उसकी हम भाजपा के कार्यकर्ता भरसक निंदा करते हैं। इससे भाजपा और करणी सेना के कार्यकर्ताओं में काफी रोष व्याप्त है। फिर ऐसी घटना हुई, तब उन सांसदों के घर में घुसकर हम तोड़फोड़ करुंगा। ये घटना राहुल के आदेश पर हुई इसलिए राहुल गांधी कान खोलकर सुन लें कि फिर से ऐसी घटना हुई, तब तेरे घर में घुसकर हम गोली मार देंगे। इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। अगर २४ घंटे के अंदर उन २५ सांसदों की गिरफ्तारी नहीं होती है, तब हम सभी को गोली मार दूंगा। चाहे इसके लिए हमें जेल हो जाए।

इस मामले में भाजपा कोटा जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने कहा कि वायरल वीडियो में दिखाई देने वाले व्यक्ति से भारतीय जनता पार्टी का कोई संबंध नहीं। भाजपा एक अनुशासित और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं की पार्टी है। इस प्रकार की भाषा और आचरण हमारी विचारधारा और नैतिक मूल्यों के खिलाफ है। लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध किसी भी कृत्य को भाजपा कभी स्वीकार नहीं करती। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन से अनुरोध करता है कि इसतरह के तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

असम में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के दूसरे चरण का शुभारंभ आज करेंगे अमित शाह

गुवाहाटी (ईएमएस): केंद्रीय गृहमंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 'विकसित भारत २०४७' के विज़न को आगे बढ़ाकर असम में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के दूसरे चरण का शुभारंभ होगा। इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन २० फरवरी को नाथनपुर गांव में होगा। यह पहल भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे, सुरक्षा और समावेशी विकास को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, वीवीआई-सेंकड़ को केंद्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में लागू किया जाएगा, जिसके लिए वित्त वर्ष २०२८-२९ तक ६,८३९ करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। यह योजना १५ राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के सीमावर्ती गांवों को कवर करेगी। इसका उद्देश्य रणनीतिक रूप से संवेदनशील और दूरस्थ क्षेत्रों में संतृप्ति-आधारित विकास सुनिश्चित करना है, ताकि हर पात्र परिवार तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंच सके। इस कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, सड़क संपर्क, पेयजल, बिजली और दूरसंचार जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा। साथ ही स्थानीय निवासियों के लिए स्थायी आजीविका के अवसर सृजित करने पर भी जोर दिया जाएगा, जिससे आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिले।

सरकार का मानना है कि बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर कर और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर सीमावर्ती गांवों से होने वाले पलायन को रोका जा सकेगा। वीवीआई-सेंकड़, वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के पहले चरण की नींव पर आधारित है, जो मुख्य रूप से उत्तरी सीमाओं पर केंद्रित था। दूसरे चरण में इसका विस्तार पूर्वोत्तर सहित अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों तक किया गया है, जहां कनेक्टिविटी और विकास संबंधी चुनौतियां लंबे समय से मौजूद रही हैं। यह योजना विभिन्न केंद्रीय और राज्य योजनाओं के समन्वित क्रियान्वयन पर आधारित है। इस पहल का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक पहलू भी है। सशक्त और आबाद सीमावर्ती गांव राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती प्रदान करेंगे। स्थानीय निवासी सतर्क भागीदार के रूप में कार्य कर सीमा पार अपराध, अवैध घुसपैठ और अन्य सुरक्षा चुनौतियों की रोकथाम में सहयोग दे सकेंगे। इस प्रकार वीवीआई-सेंकड़ विकास और सुरक्षा, दोनों दृष्टियों से 'विकसित भारत' की दिशा में एक बड़ा कदम है।

द केरल स्टोरी 2-गोज बियॉन्ड को अभिव्यक्ति की आजादी और सच्चाई के संदर्भ में देखा जाना चाहिए : भाजपा

नई दिल्ली (ईएमएस): फिल्म द केरल स्टोरी २-गोज बियॉन्ड को लेकर जहां एक तरफ सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इस बीच भाजपा नेताओं ने फिल्म का विरोध करने वालों पर निशाना साधा और कहा है कि फिल्म को राजनीतिक चश्मे के बजाय, अभिव्यक्ति की आजादी और सच्चाई के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कहा, चुनाव से ठीक तीस दिन पहले मुख्यमंत्री एक तरह का सर्कस खड़ा करना चाहते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि वे मुस्लिम हितों की रक्षा कर रहे हैं। भारत का एक संविधान है और हर नागरिक को अपनी बात कहने और अपनी कहानी रखने का अधिकार है। किसी फिल्म को केवल इसलिए विवादों में घसीटना कि वह असहज सवाल उठाती है, लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। भाजपा प्रवक्ता अजय आलोक ने कहा, भारत में किसी न किसी मुद्दे पर विवाद खड़ा करना अब एक परंपरा बन चुकी है। सिनेमा समाज का आईना है और ये फिल्में अक्सर उन पहलुओं को सामने लाती हैं जो आमतौर पर दबे रह जाते हैं। किसी भी फिल्म के कंटेंट को परखने का काम सेंसर बोर्ड का है और जब बोर्ड कोई फैसला लेता है, तो सभी को उसका सम्मान करना चाहिए। झारखंड की राजधानी रांची से भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने कहा, केरल से लगातार ऐसी खबरें सामने आती रही हैं, जिनमें हिंदू और ईसाई लड़कियों को निशाना बनाकर उनका धर्म परिवर्तन कराने के आरोप लगते रहे हैं। मेरा मानना है कि अगर फिल्मों के जरिए इन घटनाओं को दिखाया जा रहा है तो उसका विरोध क्यों हो रहा है? केरल में भाजपा और आरएसएस लंबे समय से इन मुद्दों के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं, और जो लोग फिल्म का विरोध कर रहे हैं, वे कहीं न कहीं इस पूरी प्रक्रिया में संलिप्त हो सकते हैं।

फ्लाइट में हंगामा किया तो लगेगा बैन

नई दिल्ली(ईएमएस): फ्लाइट में बदसलूकी करने वाले पैसेंजर्स को एयरलाइंस अब सीधे ३० दिन के लिए बैन कर सकेंगी। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने हंगामा करने वाले यात्रियों से निपटने के लिए कड़े नियमों का सुझाव दिया है। नए प्रस्ताव में डीजीसीए सभी एयरलाइंस को पैसेंजर्स पर डायरेक्ट कार्रवाई करने की पॉवर दे रही है। मौजूदा नियमों के मुताबिक, फ्लाइट में हंगामा करने वाले पैसेंजर्स की शिकायत सामने आने पर पहले जांच कमेटी बनती थी।

झारखण्ड सरकार
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (गव्य प्रभाग)
जिला गव्य विकास कार्यालय, धनबाद

आम सूचना

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना वित्तीय वर्ष 2025–26 अन्तर्गत सरकारी अनुदान राशि डी0बी0टी0 किये गये चयनित लाभुकों एवं पूर्व वर्ष के गाय प्राप्त नहीं किये लाभुकों को सूचित किया जाता है कि

1.– योजनान्तर्गत अपना लाभुक अंशदान 15 दिनों के अन्दर अपने Escrow Account/Dedicated Bank Account खाता में जमा कर जमा पर्ची जिला गव्य विकास कार्यालय, धनबाद अथवा संबंधित प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी के समक्ष जमा करेंगें।

2. – वित्तीय वर्ष 2025–26 के राज्यादेश सं0 17रा0 वि0 दिनांक 26.08.2025 के कंडिका 17 में वर्णित नियमानुसार उपरोक्त सभी लाभुक दुधारू गाय क्रय/प्राप्त करने के पूर्व संस्थागत प्रशिक्षण प्रसार संस्थान, दुमका में (छः) दिवसीय प्रशिक्षण/फारर्मश ऐवरनेश कार्यकम/APDF में प्रशिक्षण प्राप्त करलना अनिवार्य होगा। प्रशिक्षण प्रसार संस्थान, दुमका में प्रशिक्षण प्रत्येक सोमवार से प्रारंभ होता है। जिसके लिए आवेदन शुक्रवार तक जिला गव्य विकास कार्यालय, धनबाद को उपलब्ध करायेंगें। प्रशिक्षण प्राप्त नहीं करने एवं लाभुक अंशदान नहीं जमा करने की स्थिति में दुधारू गाय क्रय/प्राप्त करने के पात्र नहीं होंगें।

नोटः– डी0बी0टी0 किये गये लाभुकों की सूची जिला गव्य विकास कार्यालय, धनबाद/संबंधित प्रखण्ड पशुपालन कार्यालय में उपलब्ध है।

प्रभारी जिला गव्य विकास पदाधिकारी
धनबाद

PR 373291 Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department(25-26).D

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, धनबाद।
मोबाईल नं0 : 7061981397 Email : rdsd.dhanbad@rediffmail.com

पत्रांकः– 217 धनबाद/दिनांक– 17.02.2026

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई0– निविदा सूचना संख्या – **29/2025-26/RDSD/EE/Dhanbad**

1. कार्य की विस्तृत विवरणीः–

क्र0सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	बाघमारा प्रखण्ड के जमडीहा काली मंदिर रोड से सोमर रवानी के घर तक पी0सी0सी0 पथ का निर्माण।	24.79700	परिमाण विपत्र की राशि 2%	5000.00	3 महीना
2.	बाघमारा प्रखण्ड के महुदा पंचायत अन्तर्गत मुरलीडीह 20/21 में ढक्कन सहित नाली निर्माण।	9.05100	परिमाण विपत्र की राशि 2%	1250.00	2 महीना
3.	बाघमारा प्रखण्ड के पदुगोडा पंचायत अन्तर्गत मुख्य सड़क से रान दास के घर तक नाली निर्माण।	9.05100	परिमाण विपत्र की राशि 2%	1250.00	2 महीना

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि –25.02.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय–दिनांक 25.02.2026 से दिनांक 05.03.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय– 07.03.2026 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– ई0 बेनीलाल मंराडी, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 7061981397 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. Office Help Line No. 9835146652
9. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
10. जिस संवेदक का इस प्रमंडल में पूर्व से आवंटित कोई कार्य लंबित है अथवा उनका कार्यान्वयन संतोषजनक नहीं रहा है, उन्हें कार्य आवंटन पर विचार नहीं किया जायेगा।
11. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
12. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जबावदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद

PR 373336 (REO) 25-26 (D)

लघु सिंचाई प्रमण्डल, धनबाद

ई0 निविदा आमंत्रण सूचना

अल्पकालीन निविदा सं0 : DMFT/MIR/DHN/ F2-42/2025-26

निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी	:	कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, लूबी सर्कूलर रोड, धनबाद– 826001
वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि	:	दिनांक 07.03.2026
ई0– निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	:	दिनांक 07.03.2026 से दिनांक 13.03.2026 के अपराह्न 5 बजे तक
ऑन लाईन तकनीकी बीड खोलने की तिथि एवं समय	:	दिनांक 16.03.2026, अपराह्न 02:00 बजे
ई0– निविदा खोलने का स्थान	:	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमण्डल, लूबी सर्कूलर रोड, धनबाद– 826001
सम्पर्क सूत्र मोबाईल संख्या	:	7903299712

कार्य का नाम एवं राशि निम्नवत् है :–

ग्रुप संख्या	योजना का नाम	प्रखण्ड	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	तोपचाँची प्रखण्ड अंतर्गत प्रोजनीबाग नर्सरी, तोपचाँची के केम्पस में बागन तालाब का जीर्णोद्वार।	तोपचाँची	2009500.00	40200.00	5000.00	3 माह
2	तोपचाँची प्रखण्ड अंतर्गत प्रोजनीबाग नर्सरी, तोपचाँची के केम्पस में नीचे तालाब का जीर्णोद्वार।	तोपचाँची	969400.00	19400.00	1250.00	3 माह
3	तोपचाँची प्रखण्ड अंतर्गत प्रोजनीबाग नर्सरी, तोपचाँची के केम्पस में उपर तालाब का जीर्णोद्वार।	तोपचाँची	578300.00	11600.00	1250.00	3 माह

नोट :–
1. केवल ई– निविदा हीं मान्य होगी। परिमाण विपत्र की राशि घट – बढ़ सकती है ।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा ही स्वीकार्य होगी ।
3. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई0 भुगतान जिस खाता से किया जाएगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विशेष जानकारी के लिए : http://jharkhandtenders.gov.in देखें।

कार्यपालक अभियंता
लघु सिंचाई प्रमण्डल, धनबाद

PR 373301 Minor Irrigation (25-26)_D

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, बोकारो
(पंचायत शाखा)
दूरभाष सं0 :– 06542–224050, ई–मेल :– dprobokaro@yahoo.in

–: आदेश :–

सरकार के अवर सचिव, कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड, राँची के अधिसूचना सं0–886 दिनांक 13.02.2026 द्वारा नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 के निमित्त मतदान के अवसर पर मतदान की निर्धारित तिथि दिनांक–23.02.2026 (सोमवार) को निगोशिएबुल इन्स्ट्रूमेन्ट एक्ट, 1981 की धारा–25 के तहत सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। उक्त के आलोक में चास नगर निगम (वर्ग–ख) एवं फुसरो नगर परिषद (वर्ग–ख) क्षेत्र में अवस्थित सभी सरकारी कार्यालय/सार्वजनिक प्रतिष्ठान दिनांक 23.02.2026 (सोमवार) को बंद रहेंगे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी
(नगरपालिका) –सह– उपायुक्त, बोकारो

PR 373264 Panchayati Raj(25-26)#D

कार्यालय नगर निगम, गिरिडीह
ई–मेलः giridihmunicipalcorporation@gmail.com

आम – सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि गिरिडीह नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत संचालित सभी मांस विक्रताओं को अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किये बिना मांस (खस्सी/मुर्गा/मछली) विक्रय नही किया जाना है। ऐसा करते हुए पाए जाने पर नगरपालिका अधिनियम, 2011 की सुसंगत धाराओं के तहत् सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मांस (खस्सी/मुर्गा/मछली) विक्रय किए जाने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्धारित मापदण्डों को पूरा करते हुए इस कार्यालय में आवेदन देकर प्राप्त किया जा सकता है।

ह०/–
प्रशासक,
नगर निगम गिरिडीह

PR 373311 (Urban Development)25-26*D

झारखण्ड सरकार, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, धनबाद
मोबाईल नं० : 7061981397 Email : rdsd.dhanbad@rediffmail.com

पत्रांकः– 225 धनबाद/दिनांक– 18.02.2026

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई0– निविदा सूचना संख्या – **31/2025-26/RDSD/EE/Dhanbad**

1. कार्य की विस्तृत विवरणीः–

क्र0 सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	धनबाद जिलान्तर्गत टुण्डी प्रखण्ड के कदैया पंचायत अन्तर्गत का ीटॉड गोसाईडीह पथ में जोरिया नदी में पुलिया का निर्माण।	153.10600	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	12 महीना
2.	धनबाद जिलान्तर्गत टुण्डी प्रखण्ड के टुण्डी पंचायत अन्तर्गत करमाटॉड जोरिया में पुल का निर्माण।	189.85200	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	12 महीना

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि –25.02.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय–दिनांक 25.02.2026 से दिनांक 05.03.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय– 07.03.2026 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– ई0 बेनीलाल मंराडी, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 7061981397 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. Office Help Line No. 9835146652
9. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
10. जिस संवेदक का इस प्रमंडल में पूर्व से आवंटित कोई कार्य लंबित है अथवा उनका कार्यान्वयन संतोषजनक नहीं रहा है, उन्हें कार्य आवंटन पर विचार नहीं किया जायेगा।
11. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
12. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जबावदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद

PR.NO.373330 Rural Work Department(25-26):D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER,
DRINKING WATER &SANITATION DIVISION NO-1, DHANBAD
Very Short Term e-procurement Notice
Tender reference No. - DWSD/Dhanbad-1/18/2025-26 (1st Call)
DATED: 16.02.2026

The under signed, on behalf of the Government of Jharkhand, invites Percentage rate bids for the work mentioned in table below through e-Procurement from eligible and approved Contractors, registered with Drinking Water &Sanitation Department, Government of Jharkhand. The work of Supply of Spare Parts of Deep Well Hand Pumps India Mark-II as detailed is BOQ. The rate to be paid for the work as said above will be decided as per the lowest rate quoted in e-procurement. The relevant articles of PWD Code will be applicable. The rates will be applicable for years 2025-26. The bid shall be submitted online in the Website http://jharkhandtenders.gov.in. The bidder(s) should have necessary portal enrolment with their own Digital Signature Certificate:

Sl no	Name of the work	Name of Group	Estimated Cost (In Rs.)	Earnest Money (Rs.)	Cost of Tender Paper (Rs.)	Period of Supply
1	2	3	4	5	6	7
1	Supply of Spare parts of Deep Well Hand Pumps India Mark-II conforming to IS:9301 -1190 with latest amendment (may be read along with 1st amendment IS:15500(Part 1-7) 2004 with latest amendment for spares common to both India Mark -II & III respectively) under D.W.&S Division, No-1, Dhanbad for the year 2025-26.	01	2082638.00	42000.00	5000.00	One Month
2	Date & Time of Publication of Tender on Website.	18.02.2026 at 4:00 PM				
3	Last Date & Time for Receipt of Bid. (Online)	26.02.2026 up to 3:00 PM				
4	Cost of tender Paper and Earnest Money Deposit on submission of bids (if applicable) as per mentioned in Annexure- 1 vide letter No - 120 dt 03.10.2023 by Secretary, Department of Information Technology and e -Governance Government of Jharkhand.	26.02.2026 up to 3:00 PM				
5	Date & Time of Opening of Tender	27.02.2026 up to 3:00 PM				
6	Name & Address of Office inviting tender	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Divisi on No-1, Dhanbad				
7	Contact No. of Procurement Office	0326-3148874				
8	Helpline No. of e-procurement cell	0651-248045				

Note:-
- No claim shall be entertained because of disputation of internet service being used by the bidders. Bidders are advice to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snags.
- Further details can be seen on website Http://jharkhandtenders.gov.in
- Estimated Cost may be increase or decrease.

(Ranjit Kumar Thakur)
Executive Engineer,
Drinking Water & Sanitation Division No-1, Dhanbad

PR 373344 Drinking Water and Sanitation(25-26)D

जिला पशुपालन कार्यालय, जामताड़ा।

"आम सूचना"

सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग) झारखण्ड, राँची के राज्यादेश संख्या–01रा0(वि0) दिनांक–14.05.2025 के आलोक में जामताड़ा जिला अन्तर्गत सभी प्रखण्डों के कुल–118 पंचायतों में विशेष पशु चिकित्सा शिविर द्वितीय चरण का आयोजन किया जाना है। शिविर का समय सुबह 09:00 बजे से शाम 03:00 बजे तक निर्धारित है। शिविर की सूची निम्न प्रकर है।

दिनांक	पशु चिकित्सक का नाम एवं पदनाम					
	डॅा0 शैलेन्द्र प्रसाद V.S. जामताड़ा मो0– 9693936611 डॅा0 मुन्नी मुर्मू, T.V.O. मिहिजाम मो0– 7352247363 डॅा0 सुनिल प्रसाद सिंह प्रभारी B.A.H.O. जामताड़ा मो0–9955376715	डॅा0 जियाउल हसन सरवर, B.A.H.O. नाला। मो0– 9934254209 डॅा0 मुकेश कुमार प्रभारी T.V.O. फतेहपुर मो0– 8210827858	डॅा0 नंदिता बेरा T.V.O. करमाटॅाड़ मो0– 8709888545	डॅा0 सुनिल प्रसाद सिंह B.A.H.O. नारायणपुर। मो0– 9955376715 डॅा0 सुशील टुडू T.V.O. नारायणपुर। मो0–8340576699	डॅा0 विनय कुमार B.A.H.O. कुण्डहित मो0– 9471523864	डॅा0 मुकेश कुमार प्रभारी T.V.O. फतेहपुर मो0– 8210827858
शिविर स्थल का नाम/प्रखण्ड	जामताड़ा	नाला	करमाटॅाड़	नारायणपुर	कुण्डहित	फतेहपुर
21.02.2026	लाधना, भागा	फुटाबॅाध	करमाटॅाड़	बड़बहाल, दुधपनियाँ	बाघाशोला	धाधकिया
23.02.2026	पगड़ाडीह, नीलदाहा	वृन्दाबनी	सीताकाटा	पहाड़पुर, बाबुडीह	बोगइड़ा	सुगनीबासा
24.02.2026	बेवा, बुढ़ीपाड़ा	चिहुटिया	शिकारपोसनी	डोकीडीह, बनखंजो	गोलपाड़ा	वामनकानली
25.02.2026	आसनचुवाँ, बोदमा	गेड़िया	सुगापहाड़ी	दखणिडीह, इरकिया	भेलुवा	पुतुलजोड़ा
26.02.2026	सुपायडीह, मुर्गाटोना	टर्रा	उदयपुर	बिहाजोरी, गोकूला	सालुका	दीपाया
27.02.2026	रामपुरचौक, केलाही	बादुड़मारा	पिपरासोल	धबको, आहारडीह	तिलाबाद	पाटनपुर
28.02.2026	मोहड़ा, जियाजोरी	देवलकुण्डा	कदरूडीह	अर्जुनडीह, पलटा	धानभस्का	मालडीहा
02.03.2026	नावाडीह	छुमदुमी	कुरूवा	बथानबाड़ी, बादलपुर	पाँचमोहली	अंधारो
05.03.2026	तरणी	पगला	विष्णुडीह	सिमला, बरियारपुर	तुलसीचक	कैराबनी
06.03.2026	मोइराडीह	लछुरायडीह	तेलकियारी	करमोई, धरमपुर	रामपुर	डाकोडीह
07.03.2026	करमाटॅाड़	चुनकुनदर, बगछेरा	नीमाडीह	हरिहरपुर, बरमसिया	थालपोता	महिशाखुरा
09.03.2026	गोखलाडीह	भेड़ो, बालीचुर	अलगचुवाँ	बैधनाथपुर, बांका	बागडेहरी	मुरीडीह
10.03.2026	मोजड़ा	सलदेही	नवाडीह	रानीडीह	चुहादाहा	महेशपुर
11.03.2026	शहरजोड़ी	पकुड़िया	शिमला		घाटपुरूलिया	मिर्गापहाड़ी
12.03.2026	कंचनबेड़ा	नुतनडीह	पट्टाजोरिया		मधुरपुर	वाड़देही
13.03.2026		आसनजुड़ी, सरबेदिया	देवलबाड़ी			
14.03.2026		मंझलाडीह, पेटुवासोल	मोहनपुर			
16.03.2026		गोदापियल, हुसुननगर	हथियापाथर			

नोट :– उपर्युक्त विशेष पशुचिकित्सा शिविर का स्थल एवं तिथि विशेष परिस्थिति में परिवर्तित किया जा सकता है।

ह0/–
जिला पशुपालन पदाधिकारी,
जामताड़ा।

PR 373265 (Animal Husbandry) 25-26 (D)

पटना के सात प्रखंडों को मिली सौगात, नए डिग्री कॉलेजों में जुलाई से पढ़ाई होगी शुरू

पटना (एजेंसी): बिहार स्थित पटना जिला के सात प्रखंडों में जुलाई से नए डिग्री कॉलेज शुरू होने हैं। बताते चलें कि इसकी जानकारी डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम ने उन्नत शिक्षा उज्ज्वल भविष्य कार्यक्रम की समीक्षा में दिए हैं। बिहार सरकार का यह कदम राज्य के युवाओं के लिए सुनहरा अवसर लेकर आया है। डॉ. त्यागराजन का कहना है कि राज्य में इन कॉलेजों से उच्च शिक्षा तक पहुंच बढ़ेगी, और अब बच्चों को पढ़ाई करने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। डॉ. त्यागराजन कहते हैं कि यह पहल शिक्षा की असमानता को दूर कर ग्रामीण क्षेत्रों में शैक्षणिक माहौल सुधारेगी। वहीं, सात निश्चय-३ के चौथे संकल्प के तहत उच्च शिक्षा की पहुंच बढ़ाने पर जोर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, पटना जिला के २३ प्रखंडों में से सात में अभी तक कोई भी अंगीभूत या संबद्ध डिग्री कॉलेज नहीं है। सरकार ने इन प्रखंडों में कॉलेज खोलकर शिक्षा की असमानता दूर करने का निर्णय लिया है।

बताते चलें कि जिस प्रखंड में डिग्री कॉलेज खुलना तय हुआ है उसका नाम अथमलगोला, बेलछी, दनियावां, घोसवरी, खुसरूपुर, मनेर और संपतचक प्रखंड शामिल है।

डॉ. त्यागराजन का कहना है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते थे। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए प्रथम चरण में इन सात प्रखंडों का चयन किया गया है। वहीं, प्रशासन का लक्ष्य है कि जुलाई से इन कॉलेजों में पढ़ाई शुरू कर दी जाएगी। डीएम ने अनुमंडल पदाधिकारियों, जिला शिक्षा पदाधिकारी और अंचल अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार के आदेशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। कॉलेज स्थापना के लिए भवन, भूमि और अन्य संसाधनों की उपलब्धता पर तेजी से काम करने को कहा गया है।

जानकारी के अनुसार, समीक्षा बैठक में समयबद्ध कार्रवाई पर विशेष बल दिया गया। प्रशासन चाहता है कि सत्र शुरू होने से पहले सभी तैयारियां पूरी हो जाएं। वहीं सरकार का मानना है कि बच्चों को अपने घर के नजदीक ही डिग्री कॉलेज मिलेंगे तो उनका ऑटो भाड़ा भी बचेगा साथ ही घर पर होने वाला अतिरिक्त खर्च भी बचेगा। वहीं, इस कदम से रोजगारोन्मुख और वोकेशनल शिक्षा से युवाओं को नए अवसर मिलेंगे। इससे सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा भी बढ़ावा मिलेगा। गौरतलब है कि जिले के २३ में से १६ प्रखंडों में ही फिलहाल डिग्री कॉलेजों की सुविधा उपलब्ध है।

सात नए कॉलेज खुलने से सभी प्रखंडों में संतुलित और शैक्षणिक व्यवस्था स्थापित होगी। छात्र-छात्राएं अपने क्षेत्र में ही स्नातक स्तर की पढ़ाई पूरी कर सकेंगे। इससे रोजगार, करियर विकास और जीवनस्तर में सुधार होगा।

घर में घुसकर मासूम के साथ किया दुष्कर्म

मुजफ्फरपुर (एजेंसी): मुजफ्फरपुर जिला स्थित बरूराज थाना क्षेत्र के एक गांव से छोटी बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि इस घटना को गांव के ही एक अधेड़ व्यक्ति ने अंजाम दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि अधेड़ व्यक्ति घर में घुसकर इस घटना को अंजाम दिया है।

वहीं, घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और लोगों ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को पकड़ कर पुलिस को इसकी सूचना दी। वहीं, सूचना मिलते ही बरूराज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले गई। बहरहाल, बच्ची को तत्काल मेडिकल जांच के लिए भेज दिया गया है। वहीं, पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

बिहार विस सत्र में विपक्ष ने सरकार को घेरा, गूंगी-बहरी होने का लगाया आरोप

पटना (एजेंसी): बिहार में विधानसभा का सत्र जारी है और इस सत्र में प्रतिदिन पक्ष-विपक्ष द्वारा सवाल जवाब होते रहते हैं। वहीं विपक्ष द्वारा प्रदेश में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं को मुद्दा बनाया गया। इसी बीच पटना नीट छात्रा मामले को लेकर आज यानि गुरूवार को विपक्षी दलों ने सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। बताते चलें कि विपक्ष ने सरकार को 'गूंगी-बहरी' बताते हुए राज्य में कानून-व्यवस्था ध्वस्त होने का भी आरोप लगाया। जानकारी के मुताबिक उन्होंने नीट छात्रा मामले में ठोस कार्रवाई न होने और बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर सवाल उठाए। वहीं, इस मामले में विपक्ष ने निष्पक्ष जांच और दोषियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग भी की।

साथ ही उइख जांच की धीमी गति पर भी सवाल उठाए। जानकारी के अनुसार, विपक्षी दलों के विधायक और नेताओं ने एकजुट होकर हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर जोरदार नारेबाजी करते हुए सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते नजर आए। वहीं, विपक्ष द्वारा राज्य सरकार को 'गूंगी-बहरी' का नारा देते हुए भी दिखे। बताते चलें कि विपक्षी नेताओं का कहना था कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। वहीं उनका कहना है कि नीट छात्रा मामले में अब तक कोई भी ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। विधायकों ने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाने में विफल रही है।

विपक्ष ने कहा कि आम जनता में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। वहीं सरकार पर संवेदनहीन रवैया अपनाने का भी आरोप लगाया गया। बताते चलें कि नीट मामले में विपक्ष ने निष्पक्ष और समयबद्ध जांच की मांग को दोहराई। दोषियों को जल्द गिरफ्तारी और कड़ी सजा की भी मांग की। गौरतलब है कि नीट मामले की जांच उइख को सौंपी गई है। सीबीआई की टीम छात्रा के जहानाबाद स्थित घर पहुंचकर जांच कर चुकी है। वहीं, सरकार का दावा है कि एजेंसी पूरी गंभीरता के साथ मामले की तह तक जाने को तैयार है।

आरा में नाली विवाद ने लिया हिंसक रूप चाचा को लगी गोली वहीं भतीजा घायल

आरा (एजेंसी): भोजपुर जिला के नारायणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत आरा स्थित चासी गांव से दो पक्षों के बीच मारपीट और फायरिंग का घटना सामने आया है। बताया जा रहा है कि बीते बुधवार की रात नाली विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट और फायरिंग हुई। जिसमें चाचा अमरेंद्र कुमार और भतीजा सोनू कुमार घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, चाचा को बाएं हाथ में गोली लगी है तो वहीं, भतीजा सोनू कुमार को चोट लगी है। इस घटना कि जानकारी स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। बताया जा रहा है कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामला को शांत कराया। उसके बाद दोनों घायलों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। पुलिस द्वारा पूछताछ में घायल अमरेंद्र कुमार ने पूरी घटना को विस्तार से बताया और कहा कि उनके घर के सामने नई सड़क का निर्माण हुआ है। उसी सड़क में नाली निकालने को लेकर पट्टीदारों से विवाद चल रहा है।

चाचा ने बताया कि वे सहार थाना क्षेत्र के बागी गांव से बाइक से लौट रहे थे तभी उसने देखा कि उनके पट्टीदार उनके पिता के साथ झगड़ा कर रहे हैं और मारपीट कर रहे हैं। जब वे छुड़ाने गए तो उनके साथ भी मारपीट की गई। इसके बाद पटीदारों ने पिस्टल निकालकर फायरिंग शुरू कर दी, जिसमें उनके बाएं हाथ में गोली लग गई। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और पूछताछ जारी है।

पटना यूनिवर्सिटी के छात्रावास में पुलिस का छापा, 8 छात्र नशे की हालत में गिरफ्तार

पटना (एजेंसी): पटना पुलिस द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। जानकारी के मुताबिक, आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पटना युनिवर्सिटी के हॉस्टलों में बीते बुधवार देर रात पुलिस ने छापेमारी की। बताया जा रहा है कि छापेमारी के दौरान नशे की हालत में ८ छात्रों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें २०२५ के बमबाजी कांड का आरोपी साहिल कुमार भी शामिल है।

बताया जा रहा है कि पुलिस ब्रेथ एनालाइजर की मदद से शराब पीने की पुष्टि की है। बताते चलें कि यह कार्रवाई सिटी एसपी मध्य के निर्देश पर की गई। पुलिस का कहना है कि इससे कैंपस में सख्ती का एक संदेश गया है।

वहीं, अचानक पुलिस को देखकर कई छात्र भागने की कोशिश करते नजर आए। हालांकि पुलिस ने घेराबंदी कर संदिग्धों को पकड़ लिया। जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार छात्रों में साइंस कॉलेज कैंपस स्थित हॉस्टल में हुए बमबाजी कांड का आरोपी जिसका नाम साहिल कुमार उर्फ विष्णु बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। हालांकि, विश्वविद्यालय परिसर में आपराधिक तत्वों की सक्रियता को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं।

वहीं, पुलिस का कहना है कि अभियान आगे भी जारी रहेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन को भी इस संबंध में सूचित किया गया है।

जानकारी के अनुसार, इसी बीच मैथिली विभाग के एक छात्र द्वारा छात्र संघ चुनाव के तीन पदों पर नामांकन की भी चर्चा है। बताया जा रहा है कि अध्यक्ष, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया गया है। चुनाव पदाधिकारी द्वारा १९ फरवरी को स्क्रूटनी की तिथि तय की गई है। बहरहाल, पुलिस कार्रवाई के इस कदम के बाद छात्र राजनीति पर भी असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। वहीं, विश्वविद्यालय प्रशासन भी कैंपस में अनुशासन बनाए रखने को लेकर गंभीर है।

माओवाद पर एसटीएफ ने कसा शिकंजा 150 से अधिक नक्सली गिरफ्तार

पटना (एजेंसी): बिहार पुलिस की एसटीएफ द्वारा माओवादियों के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, पिछले एक साल में १५० से अधिक माओवादिओं को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, कई इनामी नक्सलियों ने आत्मसमर्पण भी किया है। बताते चलें कि बिहार पुलिस का कहना है कि मुंगेर, लखीसराय और जमुई जैसे क्षेत्रों में एसटीएफ की कार्रवाई से माओवादी झारखंड से सटे इलाकों तक सिमट कर रह गए हैं। बताते चलें कि बिहार पुलिस की इस अभियान से राज्य में माओवादियों की कमर टूट गई है। वहीं, बिहार पुलिस का दावा है कि उत्तर बिहार पहले से ही नक्सलमुक्त घोषित हो चुका है। बताते चलें कि विगत एक साल में माओवादियों के विरुद्ध कार्रवाई तीन गुना तक बढ़ी है।

जानकारी के मुताबिक, वर्ष २०२४ में जहां ४४ माओवादी गिरफ्तार किए गए थे, वहीं वर्ष २०२५ में १३४ माओवादी गिरफ्तार किए गए। इसके बाद फरवरी तक करीब दो दर्जन माओवादी और पकड़े गए हैं। सुरेश कोड़ा से पहले भी आधा दर्जन इनामी माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। पुलिस मुख्यालय के अनुसार, मुंगेर का पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्र माओवाद से लंबे समय तक प्रभावित रहा है। यहां एसटीएफ ने अर्द्धसैनिक बलों की मदद से अभियान चलाया। पिछले साल २८ दिसंबर, २०२५ को तीन माआवोदी कमांडर जिसमें बहादुर कोड़ा, नारायण कोड़ा और बिनोद कोड़ा ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था।

लैंड फॉर जॉब केसः तेज प्रताप को कोर्ट से मिली राहत

पटना (एजेंसी): जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव को लैंड फॉर जॉब केस में एक अहम डेवलपमेंट सामने आई है. तेज प्रताप यादव सीबीआई केस के सिलसिले में १९ फरवरी, २०२६ दिन बुधवार को दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए. कोर्ट की कार्रवाई के दौरान तेज प्रताप ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को खारिज कर दिया. उन्होंने कहा कि वह ट्रायल का सामना करेंगे. कोर्ट ने फॉर्मली उनके खिलाफ चार्ज फ्रेम किए और साथ ही उन्हें आगे की सुनवाई के लिए पर्सनल पेशी से छूट भी दी. इससे पहले १६ फरवरी, २०२६ दिन सोमवार को राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने जमीन के बदले नौकरी सीबीआई केस में लालू प्रसाद यादव और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के खिलाफ फॉर्मली चार्ज फ्रेम किए थे. लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी कोर्ट में पेश हुए और आरोपों से इनकार किया. उन्होंने कहा कि वे ट्रायल का सामना करेंगे. यह केस कैंडिडेट्स को जमीन के बदले रेलवे ग्रुप ऊ की नौकरी दिलाने से जुड़ा है. स्पेशल जज विशाल गोगने ने इस मामले में लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के खिलाफ आरोप तय किए.

डिप्टी सीएम पाठक ने 101 बटुकों का किया सम्मान

वाराणसी,(ईएमएस): उत्तरप्रदेश के वाराणसी जिले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक द्वारा १०१ बटुकों को सम्मानित करने के कदम पर गंभीर सवाल उठाए हैं। यह पूरा विवाद माघ मेला में मौनी अमावस्या के दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा वेदपाठी बटुकों की शिखा खींचने और मारपीट करने से शुरू हुआ था। डिप्टी सीएम ने हाल ही में इस बात को पाप बताकर अपने आवास पर बटुकों का सम्मान किया, इस सम्मान को शंकराचार्य ने अपर्याप्त और विरोधाभासी करार दिया है। उन्होंने न्याय न मिलने पर ११ मार्च को लखनऊ कूच करने का ऐलान किया है। इस बीच, सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा ने योगी सरकार की देरी से जगी चेतना पर सवाल उठाकर डिप्टी सीएम पाठक के इस्तीफे की मांग की है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने डिप्टी सीएम के सम्मान समारोह पर तंज कसते हुए कहा, क्या ऐसा करने से शांति हो जाएगी? आप किसी को मारते हो और फिर उस पर फूल चढ़ाते हो, यह कैसे संभव है? उन्होंने मुख्यमंत्री योगी के मर्यादा वाले बयान पर पलटवार कर कहा कि बड़े पद पर बैठने से किसी को अन्याय करने का लाइसेंस नहीं मिलाता। उन्होंने आरोप लगाया कि गेरुआ वस्त्र धारण करने के बावजूद शासन में सनातन धर्म के प्रतीकों और शिखा का अपमान किया जा रहा है और हनक दिखाई जा रही है।

दूसरी ओर, डिप्टी सीएम पाठक ने १०१ बटुकों को अपने आवास पर बुलाकर उन्हें माला पहनाई और उनकी शिखा का सम्मान कर आशीर्वाद लिया। पाठक ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि बटुकों के साथ जो हुआ वह पाप की श्रेणी में है। उन्होंने कहा कि परंपराओं का आदर करना समाज की जिम्मेदारी है। उनके इस सम्मान को पुलिस की बर्बरता के विरुद्ध एक कड़े संदेश के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, अविमुक्तेश्वरानंद का मानना है कि पाठक दबाव में हैं और कालनेमि जैसी शक्तियों के साथ घिरे हुए दिख रहे है। वहीं इस धार्मिक विवाद में अब समाजवादी पार्टी भी कूद पड़ी है। सपा विधायक मेहरोत्रा ने कहा कि जिस मुद्दे को उनकी पार्टी शुरू से उठा रही थी, उस मामले को समझने में डिप्टी सीएम को एक महीना लग गया। उन्होंने नैतिकता के आधार पर पाठक से इस्तीफे की मांग की है। वहीं, यूपी सरकार के मंत्री नरेंद्र कश्यप ने मुख्यमंत्री का पक्ष रखकर कहा कि केवल नाम के आगे शंकराचार्य लिख लेने से कोई शंकराचार्य नहीं हो जाता और शिष्यों का व्यवहार भी न्यायसंगत नहीं था, हालांकि दोषियों पर कार्रवाई होगी।

वहीं अविमुक्तेश्वरानंद ने दो टूक कहा कि वे केवल बयानों और प्रतीकात्मक सम्मान से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने इस काम को सनातन धर्म के ध्वज (शिखा) पर प्रहार बताया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अन्याय और अत्याचार करने वाला अंत में फंसता ही है।

कार अनियंत्रित होकर नहर में गिरी, चार दोस्तों की मौत

मथुरा,(ईएमएस): यूपी के मथुरा जिले के नगला दैवीया के पास एक तेज रफ्तार कार नहर में गिर गई। इस हादसे में कार सवार चार युवकों की मौके मौत हो गई। मृतकों में तीन युवक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक हादसा बुधवार शाम को हुआ। मारुति कार में सवार चार दोस्त किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए महावन जा रहे थे। नगला दैवीया के पास कार की रफ्तार तेज होने के कारण चालक नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी सीधे नहर में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही मगोर्रा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से कार को नहर से बाहर निकाला। कार के अंदर फंसे युवकों को जब तक बाहर निकाला गया, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। जानकारी के मुताबिक हादसे का शिकार हुए युवकों में से तीन की पहचान हो गई है, जबकि एक की शिनाख्त की कोशिश की जा रही है।

पूर्व मध्य रेल

ई ऑक्शन सूचना

सं Catg-DHN-24-26

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पूर्व मध्य रेलवे, धनबाद द्वारा पांच (05) वर्षों की अवधी के लिए धनबाद मंडल के अंतर्गत GMU और SMU के लिए A1, A, D और E श्रेणी स्टेशन पर खान–पान सेवा के लिए ई ऑक्शन आमंत्रित किया जाना है। विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:–

क्रं. सं. : 1, **ठेके का प्रकारः** खान–पान सेवा, **लॉट संख्याः** DHN-RRME-GMU-242, **स्टेशनः** राँची रोड, **श्रेणीः** अनारक्षित, **पी. एफ. नंबरः** 01, **स्टाल नंः** 03, **सभी लॉट के लिए ई–नीलामी की तारीख और समयः** 06.03.2026, 15:00 बजे से

क्रं. सं. : 2, **ठेके का प्रकारः** खान–पान सेवा, **लॉट संख्याः** DHN-RRME-GMU-241, **स्टेशनः** राँची रोड, **श्रेणीः** अनारक्षित, **पी. एफ. नंबरः** 01, **स्टाल नंः** 02, **सभी लॉट के लिए ई–नीलामी की तारीख और समयः** 06.03.2026, 15:00 बजे से

क्रं. सं. : 3, **ठेके का प्रकारः** खान–पान सेवा, **लॉट संख्याः** DHN-GAP-GMU-228, **स्टेशनः** गुरपा, **श्रेणीः** अनारक्षित, **पी. एफ. नंबरः** 1/2, **स्टाल नंः** 01, **सभी लॉट के लिए ई–नीलामी की तारीख और समयः** 06.03.2026, 15:00 बजे से

क्रं. सं. : 4, **ठेके का प्रकारः** खान–पान सेवा, **लॉट संख्याः** DHN-RRME-GMU-243, **स्टेशनः** राँची रोड, **श्रेणीः** अनारक्षित, **पी. एफ. नंबरः** 02, **स्टाल नंः** 04, **सभी लॉट के लिए ई–नीलामी की तारीख और समयः** 06.03.2026, 15:00 बजे से

क्रं. सं. : 5, **ठेके का प्रकारः** खान–पान सेवा, **लॉट संख्याः** DHN-RRME-SMU-245, **स्टेशनः** राँची रोड, **श्रेणीः** ओ.बी.सी., **पी. एफ. नंबरः** 02, **स्टाल नंः** 06, **सभी लॉट के लिए ई–नीलामी की तारीख और समयः** 06.03.2026, 15:00 बजे से

क्रं. सं. : 6, **ठेके का प्रकारः** खान–पान सेवा, **लॉट संख्याः** DHN-CRP-SMU-128, **स्टेशनः** चन्द्रपुरा, **श्रेणीः** ओ.बी.सी., **पी. एफ. नंबरः** 01, **स्टाल नंः** 02, **सभी लॉट के लिए ई–नीलामी की तारीख और समयः** 06.03.2026, 15:00 बजे से

क्रं. सं. : 7, **ठेके का प्रकारः** खान–पान सेवा, **लॉट संख्याः** DHN-LTHR-SMU-230, **स्टेशनः** लातेहार, **श्रेणीः** अल्पसंख्यक (महिला), **पी. एफ. नंबरः** 2/3, **स्टाल नंः** 04, **सभी लॉट के लिए ई–नीलामी की तारीख और समयः** 06.03.2026, 15:00 बजे से

क्रं. सं. : 8, **ठेके का प्रकारः** खान–पान सेवा, **लॉट संख्याः** DHN-GAP-SMU-229, **स्टेशनः** गुरपा, **श्रेणीः** एस.सी (दिव्यांगजन), **पी. एफ. नंबरः** 3/4, **स्टाल नंः** 02, **सभी लॉट के लिए ई–नीलामी की तारीख और समयः** 06.03.2026, 15:00 बजे से

क्रं. सं. : 9, **ठेके का प्रकारः** खान–पान सेवा, **लॉट संख्याः** DHN-DHN-SMU-98, **स्टेशनः** धनबाद, **श्रेणीः** अल्पसंख्यक, **पी. एफ. नंबरः** 01, **स्टाल नंः** 01, **सभी लॉट के लिए ई–नीलामी की तारीख और समयः** 06.03.2026, 15:00 बजे से

क्रं. सं. : 10, **ठेके का प्रकारः** खान–पान सेवा, **लॉट संख्याः** DHN-RRME-SMU-244, **स्टेशनः** राँची रोड, **श्रेणीः** अल्पसंख्यक, **पी. एफ. नंबरः** 02, **स्टाल नंः** 05, **सभी लॉट के लिए ई–नीलामी की तारीख और समयः** 06.03.2026, 15:00 बजे से

क्रं. सं. : 11, **ठेके का प्रकारः** खान–पान सेवा, **लॉट संख्याः** DHN-RRME-SMU-240, **स्टेशनः** राँची रोड, **श्रेणीः** एस.सी, **पी. एफ. नंबरः** 01, **स्टाल नंः** 01, **सभी लॉट के लिए ई–नीलामी की तारीख और समयः** 06.03.2026, 15:00 बजे से

क्रं. सं. : 12, **ठेके का प्रकारः** खान–पान सेवा, **लॉट संख्याः** DHN-KQR-SMU-246, **स्टेशनः** कोडरमा, **श्रेणीः** एस.सी., **पी. एफ. नंबरः** दूसरी मंजिल न्यू स्टेशन बिल्डिंग, **स्टाल नंः** 03, **सभी लॉट के लिए ई–नीलामी की तारीख और समयः** 06.03.2026, 15:00 बजे से

Catalogue No.: Catg-DHN-24-26

Website: www.ireps.gov.in

Note: (1) The e-Auction will be online on the IREPS (e-Auction leasing portal) on the prescribed date and time., (2) Desirous of participating in the e-Auction shall pay Rs. 10000/-+GST (non refundable) Online submission of one time registration is required and also having current account linked to IREPS, Payment/Deduction of Security Deposit (EMD) online from the same account., (3) Complete information about the terms and conditions related to e-Auction is available in the e-Auction leasing selection of the IREPS portal (**www.ireps.gov.in**), (4) Railway Administration reserves the right to reject any or all the tenders without assigning any reason whatsoever.

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य)
पूर्व मध्य रेल/धनबाद

पीआर/1807/डीएचएन/सीओएमएमएल/ईएएन/25–26/108

जिला दण्डाधिकारी–सह–उपायुक्त का न्यायालय, जामताड़ा।

C.C. Act. (Externment) Case No.-01/2025-26

सरकार द्वारा अधीक्षक उत्पाद, जामताड़ा बनाम मनोज कुमार मंडल

प्रेस विज्ञप्ति

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधीक्षक उत्पाद, जामताड़ा के पत्रांक–110/उ0, दिनांक–05.02.2026 द्वारा भेजे गये प्रस्ताव के आलोक में सामाजिक सुरक्षा एवं लोकशांति बनाये रखने, मानव एवं जान–माल की क्षति की आशंका से सुरक्षा हेतु झारखण्ड अपराध नियंत्रण अधिनियम, 2002 की धारा–3(3)a के अंतर्गत श्री मनोज कुमार मंडल, पिता–स्व0 धीरेन मंडल, ग्राम– फागुडीह, थाना+जिला–जामताड़ा को दिनांक–19.02.2026 से 18.06.2026 तक जिला बदर करने का आदेश दिया गया है।

जिला दण्डाधिकारी–सह–उपायुक्त, जामताड़ा के आदेशानुसार।

प्रभारी पदाधिकारी,
जिला विधि शाखा, जामताड़ा।

PR 373314 (Jamtara) 25-26 (D)

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)-सह-उपायुक्त का कार्यालय,जामताड़ा
(नगरपालिका निर्वाचन कोषांग)

–: आदेश :–

नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 के निमित्त जामताड़ा जिलान्तर्गत मिहिजाम नगर परिषद् (वर्ग–ख) एवं जामताड़ा नगर पंचायत में दिनांक– 23.02.2026 को मतदान की तिथि निर्धारित है। उक्त तिथि को प्रातः 07:00 बजे पूर्वाह्न से 05:00 बजे अपराह्न तक मतदान कार्य संपादित होगा। राज्य निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार मतदान की समाप्ति के 48 घन्टे पूर्व से निर्वाचन संबंधी प्रचार–प्रसार पर प्रतिबंध है।

अतः उक्त के आलोक में यह आदेश दिया जाता है कि जामताड़ा जिला अन्तर्गत दिनांक–21.02.2026 को अपराह्न 05:00 बजे के उपरांत किसी भी अभ्यर्थी अथवा निर्वाचन अभिकर्त्ता द्वारा निर्वाचन प्रचार–प्रसार का कार्य नहीं किया जायेगा अन्यथा उनके विरूद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जायेगी। मतदान के दिन मतदान केन्द्र से 100 मीटर की परिधि में सेलुलर फोन, कॉडलेस फोन, ध्वनि विस्तारक यंत्र, पब्लिसीटी बोर्ड, टेबुल–कुर्सी, बैनर पोस्टर का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा।

इसका दृढ़तापूर्वक पालन सुनिश्चित किया जाय।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)
–सह–उपायुक्त, जामताड़ा

PR 373275 Jamtara(25-26).D

Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd.
(CIN: U40108 JH 2013 SGC 001704)
Regd. Office: SLDC Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi–834002.
OFFICE OF THE GENERAL MANAGER, TRANSMISSION ZONE-VII, DHANBAD
Bijli Colony, Hirapur, Dist: - Dhanbad, Pin: - 826001
Email: gmtz7dhanbad@gmail.com, website:www.jusnl.in

TENDER CANCELLATION NOTICE

Due to some unavoidable circumstances, tender invited vide **e-NIT No. – 708/PR/JUSNL/2025-26** is hereby cancelled.

स्वहित एवं राष्ट्र हित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को 18003456570(कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

PR No. 370851

Sd/-
General Manager
Transmission Zone-VII, Dhanbad

PR 373273 (Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd) 25-26 (D)

बजट सत्र के दूसरे दिन राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान सदन में तीखी नोकझोंक

रांची (एजेंसी): झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन भोजनावकाश के बाद सदन में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा हुई। इस दौरान सत्ता-पक्ष और विपक्ष के विधायकों के बीच कई बार तीखी बहस देखने को मिली। इससे सदन का माहौल गर्म हो गया।

सत्तारूढ़ झामुमो विधायक हेमलाल मुर्मू ने राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश करते हुए बीजेपी पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और कहा कि ओबीसी को २७ प्रतिशत आरक्षण देने का काम मौजूदा सरकार ने किया, जबकि पूर्व में भाजपा सरकार ने इसे घटाकर १४ प्रतिशत कर दिया था।

चर्चा के दौरान सदन में वंदे मातरम से लेकर एसआईआर जैसे मुद्दों पर भी बहस हुई। हेमलाल मुर्मू के संबोधन के बीच भाजपा विधायक सीपी सिंह ने तीखी टिप्पणी करते हुए तंज कसा। इस पर सत्ता पक्ष ने आपत्ति जताई।

कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करते हुए भाजपा पर देश में नफरत फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल में मंत्रिपरिषद की मुहर लगे अभिभाषण को राज्यपालों द्वारा न पढ़े जाने के बावजूद उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, जबकि अन्य राज्यों में अलग मापदंड अपनाए जा रहे हैं। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के एक बयान की भी निंदा की और कहा कि भाजपा वंदे मातरम और राम के नाम का राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने जमीन से जुड़े मामलों के लिए विधानसभा की एक विशेष समिति गठित करने की मांग की और आरोप लगाया कि सरकार जबरन बुलडोजर चलाकर जमीन अधिग्रहण कर रही है। इसके साथ ही, उन्होंने डीजीपी नियुक्ति, धान खरीद में कथित गड़बड़ियों और बिचौलियों की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए। इन आरोपों पर विभागीय मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने आपत्ति जताते हुए कहा कि विपक्ष जिन आंकड़ों का हवाला दे रहा है, वे सूखे के साल के हैं। उन्होंने दावा किया कि इस साल धान की पैदावार अच्छी है और निर्धारित समय सीमा के भीतर खरीद लक्ष्य पूरा किया जाएगा।

समय के अभाव में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा पूरी नहीं हो सकी। स्पीकर रबीन्द्रनाथ महतो ने सदन की कार्यवाही शुक्रवार सुबह ११ बजे तक के लिए स्थगित कर दी। शुक्रवार को एक बार फिर इस विषय पर चर्चा होगी। इसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सदन को संबोधित करेंगे।

केरल की बिटिया आलिन शेरिन अब्राहम के माता पिता के साहस को सीएम हेमंत सोरेन ने किया नमन

रांची (एजेंसी): झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केरल की नन्ही बिटिया आलिन शेरिन अब्राहम को भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए आलिन के माता-पिता के साहस और त्याग को मानवता की अद्भुत मिसाल बताया।

सीएम ने लिखा कि अपनी संतान को खो देना किसी भी माता-पिता के लिए सबसे असहनीय क्षण होता है। ऐसे गहरे शोक के समय में भी शेरिन एन जॉन और अल्फ अब्राहम ने अपनी बेटी के अंगदान का निर्णय लेकर असाधारण साहस और करुणा का परिचय दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल अंगदान नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अटूट आस्था का जीवंत प्रमाण है। आलिन का जीवन भले अल्पकालिक रहा, लेकिन आज वह कई घरों की उम्मीद बनकर जीवित है और अमर हो गई है।

उन्होंने दिवंगत आलिन के माता-पिता के साहस को पूरी मानवता के लिए अमिट मिसाल बताया। साथ ही केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की संवेदनशीलता को भी नमन किया, जिन्होंने आलिन के अंतिम संस्कार को राजकीय सम्मान देकर इस संदेश को नई ऊंचाई दी। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि अंगदान दूसरों को जीवन देने का महादान है। झारखंड में भी अंगदान नीति को और मजबूत बनाने के लिए राज्य सरकार हर जरूरी कदम उठाएगी।

रिम्स में 'तीसरी आंख' भी दलालों पर बेअसर हॉस्पिटल में मरीजों को फंसा रहे बिचौलिये

रांची (एजेंसी): राज्य के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल रिम्स में भले ही सुधार के दावे किए जा रहे है। मंत्री से लेकर डायरेक्टर अपनी पीठ थपथपा रहे है। लेकिन सच्चाई कुछ और है। हॉस्पिटल की निगरानी के लिए लगाई गई 'तीसरी आंख' भी नाकाफी साबित हो रही है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दलाल पूरी तरह से हावी है। वहीं इलाज के लिए आने वाले मरीजों को निशाना बना रहे है। दवा और खून दिलाने के नाम पर मरीजों से पैसे वसूल रहे है। खुलेआम ये लोग हॉस्पिटल में घूम रहे हैं। इसके बावजूद रिम्स प्रबंधन दलालों पर रोक लगाने में फेल साबित हो रहा है।

घेर लेते है मरीजों को

हॉस्पिटल की पुरानी इमरजेंसी गेट पर दलाल और बिचौलिये खुलेआम मरीजों को रोककर सस्ती दवा दिलाने का झांसा दे रहे हैं और उन्हें सेटिंग वाली निजी दुकानों की ओर भेज रहे है। मरीजों के परिजनों का कहना है कि जैसे ही वे इमरजेंसी गेट के पास पहुंचते हैं, कुछ लोग उन्हें घेर लेते हैं और डॉक्टर द्वारा लिखी पर्ची ले लेते है। इसके बाद पर्ची में लिखी दवाएं अस्पताल के बाहर सस्ती दर पर दिलाने का दावा करते है। कई मामलों में यह भी शिकायत मिली है कि दवा उपलब्ध न होने की बात कहकर उन्हें खास दुकानों तक ले जाया जाता है। इसके अलावा खून दिलाने के नाम पर मनमाने पैसे मांग रहे है।

सिक्योरिटी में तैनात है होम गार्ड

चौंकाने वाली बात यह है कि हॉस्पिटल की सुरक्षा में तैनात होम गार्ड की मौजूदगी के बावजूद इन दलालों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। परिजनों का आरोप है कि सुरक्षा कर्मी चुपचाप बैठे रहते हैं, जिससे बिचौलियों के हौसले बुलंद है। प्रबंधन द्वारा लगाए गए सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों के बावजूद पुरानी इमरजेंसी गेट के आसपास यह गतिविधियां लगातार जारी है।

डिस्पेंसरी में गिनती की है दवाएं

हॉस्पिटल की अपनी डिस्पेंसरी में फिलहाल ३४ प्रकार की दवाएं ही उपलब्ध हैं। जबकि विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा लिखी जाने वाली कई जरूरी दवाएं स्टॉक में नहीं हैं। यही स्थिति जन औषधि केंद्र और अमृत फार्मेसी की भी है। जहां डॉक्टर की पर्ची में लिखी दवाएं अक्सर नहीं मिल रही है। ऐसे में मरीजों को मजबूरन निजी मेडिकल स्टोर का रुख करना पड़ता है। इसी बात का फायदा उठा कर दलाल अपनी रोटी सेंकने में लगे है। बता दें कि सदर हॉस्पिटल की डिस्पेंसरी में १०० से अधिक दवाएं मरीज को मुफ्त में दी जा रही है।

ओपीडी में हर दिन 2 हजार मरीज

रिम्स में प्रतिदिन ओपीडी में लगभग २००० मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं, जबकि इमरजेंसी में भी रोजाना करीब ३०० मरीज आते है। इतनी बड़ी संख्या में मरीजों की आवाजाही के बीच दलालों की सक्रियता गंभीर चिंता का विषय बन गई है। खासकर ग्रामीण इलाकों से आने वाले मरीज और उनके परिजन हॉस्पिटल की व्यवस्था से अनजान होते हैं, जिसका फायदा बिचौलिये उठाते हैं।

बरियातू में बच्चा चोरी की अफवाह पर बवाल महिला समेत 3 की पिटाई, पुलिस ने बचाया

रांची (एजेंसी) : राजधानी रांची के एदलहातू इलाके में पुलिस की तत्परता से मॉब लिंचिंग की बड़ी घटना टल गई। बच्चा चोरी के शक में उग्र भीड़ ने महिला समेत तीन लोगों को घेरकर पिटाई शुरू कर दी थी। जानकारी के मुताबिक, तीनों एक रोते हुए बच्चे को आंटो से ले जा रहे थे। इसी दौरान इलाके में यह अफवाह फैल गई कि बच्चे का अपहरण किया जा रहा है। देखते ही देखते स्थानीय लोग जुट गए और तीनों को पकड़कर मारपीट करने लगे।

सूचना मिलते ही बरियातू थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ के चंगुल से तीनों को सुरक्षित बाहर निकाला। समय पर हस्तक्षेप नहीं होता तो स्थिति गंभीर हो सकती थी।

रांची नगर निगम के घर-घर को रोशन करेंगी मेयर प्रत्याशी रोशनी खलखो:आदित्य साहू

रांची (एजेंसी) : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद आदित्य साहू ने आज रांची गंगा नगर, हरमू में भाजपा समर्थित मेयर प्रत्याशी रोशनी खलखो के समर्थन में आयोजित महिला सम्मेलन को संबोधित किया। साहू ने कहा कि रोशनी खलखो एक जुझारू, संघर्षशील प्रत्याशी हैं जो महिला सशक्तिकरण केलिए संकल्पित हैं। पिछले चुनाव में निर्दिरोध पार्षद बनने वाली लोकप्रिय नेता हैं। रोशनी खलखो के दिल में रांची नगर निगम के घर-घर को रोशन करने का संकल्प है।

साहू ने आरोप लगाया कि आज राज्य की राजधानी रांची पूरी तरह असुरक्षित हो गई है। राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में बहन बेटियों के साथ दुष्कर्म, लूट, छिनताई की घटनाएं आम हो गई हैं। साहू ने कहा कि अब तो महिलाओं के साथ उनके बच्चे भी असुरक्षित हैं। कब कौन बच्चा गायब हो जाएगा, उसकी चोरी हो जाएगी ये किसी को पता नहीं। राजधानी में बच्चा चोर गिरोह घूमता रहता है और पुलिस वसूली में लगी रहती है।

कहा कि गांव नगर सभी जगह विधि व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। व्यावसायियों को धमकी मिल रही, अब तो भाजपा समर्थित प्रत्याशियों को भी जान से मारने की धमकी मिल रही। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने ही गरीबों,दलितों,बंचितों ,बहन बेटियों की चिंता की।महिलाओं को ३३% आरक्षण दिया।

जन गण मन से पहले वंदे मातरम का गायन अनिवार्य पूर्व मंत्री योगेंद्र साव और पूर्व विधायक निर्मला देवी हिरासत में

किया जाना धर्मनिरपेक्षता के अनुकूल नहीं :हेमलाल मुर्मू

रांची (एजेंसी):राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद देते हुए झामुमो विधायक हेमलाल मुर्मू ने गुरुवार को सदन में वंदेमातरम का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अब राष्ट्र गान जन गण मन से पहले राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम को अनिवार्य प्रोटोकॉल में शामिल कर दिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय गीत को सबसे पहले १९११ में कोलकाता में हुए कांग्रेस के अधिवेशन में गाया गया था। बाद में इस पर बहस हुई, क्योंकि मुसलिम विद्वानों के अनुसार राष्ट्रीय गीत में देवी दुर्गा की चर्चा है और यह मुसलिम धर्म के एकेश्वरवाद के विरुद्ध बताया। मुसलिम लीग की मांग पर इसके अंतिम चार छंद हटा दिए गए। अब न सिर्फ इसके गायन को अनिवार्य किया गया है बल्कि उन चार छंदों को जोड़ भी दिया गया है। हालांकि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि मुसलिम लीग की मांग पर नहीं तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता वाली कमेटी ने देश के धर्म निरपेक्ष स्वरूप को बनाए रखने के उद्देश्य से राष्ट्रीय गीत के गायन को स्थगित करने का निर्णय लिया। क्योंकि इसमें सांप्रदायिकता की बू आती है। लेकिन बीच में खड़ी हुई भाजपा विधायक नीरा यादव ने कहा कि गजब का तर्क है। राष्ट्रीय गीत में सांप्रदायिकता की बू दिखायी पड़ रही है। बच्चे आज डिप्रेशन में जा रहे हैं। इस गीत से बच्चे डिप्रेशन से बचेंगे। चर्चा में भाग लेते हुए झामुमो विधायक उमाकांत रजक ने सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। अभिभाषण के औचित्य को सही बताया।

हेमलाल मुर्मू ने आरोप लगाया कि भाजपा झारखंड को अस्त व्यस्त करने में लगी है। कभी एनसीआर तो कभी सीएसआईआर तो कभी बंग्लादेशी घुसपैठ के माध्यम से। उन्होंने यहां तक कहा कि जब सामने के दरवाजे से ये नहीं प्रवेश कर रहे तो दूसरे दरवाजे से आना चाहते हैं। प्रदीप यादव ने विपक्ष की ओर से अभिभाषण पर कोई संशोधन नहीं दिए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि संसदीय व्यवस्था में ऐसा विरले होता है। शायद विपक्ष भी मान रहा है अभिभाषण में ड्पोरशंखी घोषणा नहीं है।

उन्होंने केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा राज्य सरकार द्वारा तैयार अभिभाषण को नहीं पढ़े जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान में कितना विश्वास करती है, इसी से स्पष्ट होता है। तीनों राज्यों के राज्यपाल को बर्खास्त किया जाना चाहिए। जबकि पीएम और गृहमंत्री चुप बैठे हुए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र के कारण वृद्धावस्था पेंशनधारियों को चार माह से पैसा नहीं मिला है। पिछले वर्ष केंद्र से १७०५७ करोड़ की राशि मिलनी थी, मात्र ७०८६ करोड़ मिली। झारखंड किस विपरीत परिस्थिति में चल रहा है, इसे समझने की जरुरत है। इसके अलावा उन्होंने राज्य सरकार को बहाली तेज करने, मुसलिमों की समस्याओं का समाधान करने, जेपीएससी के अभ्यर्थियों को उम्र सीमा में छूट तथा जेटेट की नौ वर्षों से लंबित परीक्षा का तत्काल आयोजन कराने की सरकार को नसीहत भी दी।

रांची: झारखंड की राजनीति में गुरुवार को उस समय बड़ा घटनाक्रम सामने आया। जब पूर्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता योगेंद्र साव तथा उनकी पत्नी पूर्व विधायक निर्मला देवी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। हिरासत में लेने की खबर सामने आते ही राज्य के राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है।

पुलिस ने बताया कि योगेंद्र साव पर बड़कागांव, केरेडारी और पगार थाना क्षेत्रों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इन्हीं मामलों के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया। जानकारी के मुताबिक, योगेंद्र साव ३१ दिसंबर २०२५ से एनटीपीसी के चट्टी बरियातू कोल माइंस प्रोजेक्ट के विरोध में धरने पर बैठे थे। वे लंबे समय से स्थानीय लोगों की मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे थे।

पुलिस ने धरना स्थल पर पहुंचकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के तहत दोनों नेताओं को हिरासत में लिया। प्रशासन का कहना है कि हिरासत में लेना पूरी तरह विधि सम्मत है और इसमें किसी प्रकार की राजनीतिक दुर्भावना नहीं है।

सूत्रों के अनुसार, हिरासत में लिए जाने से कुछ दिन पहले योगेंद्र साव दिल्ली गए थे, वे पूर्व विधायक अंबा प्रसाद के साथ लोकसभा में नेताप्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी से मुलाकात की थी। दिल्ली से लौटने के बाद वे सीधे चट्टी बरियातू स्थित धरना स्थल पहुंचे, जहां पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इस घटनाक्रम को लेकर राजनीतिक गलियारों में कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं।

सुरक्षा व्यवस्था कड़ी, प्रशासन सतर्क

हिरासत में लिए जाने के बाद क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की कानून-व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। धरना स्थल पर मौजूद समर्थकों को शांत रहने और कानून का पालन करने की अपील की गई है।

रांची में एसीबी की कार्रवाई, सिल्ली अंचल के अमीन 8 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

रांची (एजेंसी): एसीबी रांची ने ट्रैप कार्रवाई में सिल्ली अंचल कार्यालय के अमीन गणेश महतो को ८,००० रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। एसीबी को शिकायत मिली थी कि जमीन की मापी के बाद नक्शा और रिपोर्ट देने के एवज में आरोपी द्वारा रिश्वत की मांग की जा रही है। परिवादी ने इसकी शिकायत एसीबी से की, जिसके बाद टीम ने सत्यापन कर जाल बिछाया। पूर्व निर्धारित योजना के तहत एसीबी की टीम ने सिल्ली अंचल कार्यालय में कार्रवाई करते हुए आरोपी अमीन को रिश्वत लेते हुए धर दबोचा। बताया गया कि जमीन की मापी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद रिपोर्ट और नक्शा जारी करने के लिए ८ हजार रुपये की मांग की गई थी। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

केशव महतो कमलेश की मौजूदगी में सदस्यता कार्यक्रम, बड़ी संख्या में लोग कांग्रेस में शामिल

रांची (एजेंसी): १९ फरवरी को दोपहर १२:१५ बजे कांग्रेस भवन, रांची में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश जी की गरिमामयी उपस्थिति में सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम ज्योति सिंह माथुर के पहल पर समाजसेवी सुखपाल सिंह नामधारी, गुरदीप सिंह और प्रितपाल सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में सिख समुदाय के लोग कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण किए। कार्यक्रम के दौरान सभी नए साथियों का पार्टी नेतृत्व द्वारा अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। साथ ही संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने के संकल्प को दोहराया गया। यह सदस्यता अभियान प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की जनहितकारी नीतियों, सामाजिक समरसता और विकासोन्मुख दृष्टिकोण के प्रति बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। इस अवसर पर प्रदेश मीडिया चेयरमैन सतीश पौल मुंजनी , सोनाल शांति, कृषि विपणन अध्यक्ष रवीन्द्र सिंह, महानगर अध्यक्ष कुमार राजा, सह कार्यालय प्रभारी राजन वर्मा शामिल थे।

अपने संबोधन में अध्यक्ष केशव महतो कमलेश जी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से सर्वधर्म समभाव और भाईचारे की पक्षधर रही है। सिख समुदाय का ऐतिहासिक योगदान देश और समाज के निर्माण में अतुलनीय रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सिख समाज के सम्मानित लोगों के जुड़ने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और प्रदेश में कांग्रेस की विचारधारा और मजबूत होगी। वरिष्ठ नेता सुबोध कांत सहाय जी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि यह सदस्यता कार्यक्रम केवल संख्या में वृद्धि नहीं, बल्कि विचारों की एकजुटता का प्रतीक है। उन्होंने नए साथियों से आह्वान किया कि वे संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। ज्योति सिंह माथुर ने अपने संबोधन में सिख समुदाय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा अल्पसंख्यक समाज के अधिकारों और सम्मान की रक्षा की है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह पहल प्रदेश की राजनीति में सकारात्मक बदलाव का मार्ग प्रशस्त करेगी।

सदस्यता ग्रहण करने वाले समाजसेवी सुखपाल सिंह नामधारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की विचारधारा, समावेशी नीति और जनहित के कार्यों से प्रेरित होकर सिख समाज के लोग आज बड़ी संख्या में पार्टी से जुड़ रहे हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि वे संगठन को मजबूती प्रदान करने और जनता की आवाज को बुलंद करने में सक्रिय योगदान देंगे। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इस अवसर को संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है और उम्मीद जताई है कि नए साथियों के जुड़ने से पार्टी का जनाधार और अधिक सशक्त होगा।

कांग्रेस पार्टी से सदस्यता ग्रहण करने वालों में अर्जुन सिंह, जगजीत सिंह, जसी लोहिया, राजवीर सिंह, सरबजीत सिंह, समरजीत सिंह, प्रीति पाल सिंह, मनजीत सिंह, तलविंदर शोरा, जयदीप सिंह, रमनप्रीत सिंह, जसमीत सुखविंदर, नरपिंदर सिंह, हरप्रीत जग्गी, जसकरण डोरा, गौरव कुमार, वेदव्यास भारती, मिथिलेश दूबे, मुकेश कुमार ,रोहित कुमार, अमित कुमार, त्रिलोचन सिंह प्रिया रंजन, देवराज घोष, सैफ अली खान, राजीव रंजोत सहित सैकड़ों की संख्या में सदस्यता ग्रहण किए।

पृष्ठ एक का शेषांश

फ्री बीज बांट रहे---

का सामना कर रहे हैं, लेकिन फिर भी कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार किए हुए हैं। कोर्ट का मानना है कि कर्मचारियों के वेतन और मुफ्त की सुविधाओं का बोझ इतना बढ़ गया है कि वे विकास के लिए जरूरी फंड को खत्म कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु विद्युत वितरण निगम बनाम भारत सरकार केस की सुनवाई कर रहा था। अदालत ने निगम को उपभोक्ता की वित्तीय स्थिति पर गौर किए बिना हर किसी को मुफ्त बिजली देने का वादा करने के लिए फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त की सेवा के कल्चर की कड़ी आलोचना की। साथ ही कहा कि यह आर्थिक विकास में बाधा डालती है।

पीएम मोदी ने---

पर विनम्र श्रद्धांजलि। पीएम मोदी ने लिखा कि उनके आध्यात्मिक विचार और संदेश हमेशा मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहने वाले है। रामकृष्ण परमहंस (१८३६-१८८६) दक्षिणेश्वर काली मंदिर के पुजारी थे और विभिन्न धर्मों की एकता तथा आध्यात्मिक सद्भाव का संदेश देने के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं। उनके शिष्यों में स्वामी विवेकानंद प्रमुख थे, जिन्हें स्वामी उपाधि से संबोधित किया गया। वर्तमान में रामकृष्ण मिशन और रामकृष्ण मठ उनकी शिक्षाओं पर आधारित सक्रिय संस्थाएँ हैं। बंगाल में वे ठाकुर के रूप में सम्मानित हैं, इसलिए ममता बनर्जी ने पीएम मोदी के संबोधन को सांस्कृतिक दृष्टि से असंवेदनशील करार दिया। इस विवाद ने धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं के सही प्रयोग पर बहस को फिर से उभारा है, खासकर उन संदर्भों में जहाँ सार्वजनिक नेताओं द्वारा संतों और आचार्यों को संबोधित किया जाता है।

बीजापुर में सुरक्षाबलों की---

करने में मदद मिलेगी। बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों का नक्सल विरोधी अभियान तेज गति से चल रहा है। पिछले चार दिनों में जवानों ने २१४ नक्सली ठिकानों और बंकरों को सफलतापूर्वक नष्ट किया है। यह कार्रवाई नक्सलियों की कमर तोडऩे में महत्वपूर्ण साबित हो रही है। बरामद विस्फोटक सामग्री से नक्सलियों की बड़ी साजिशों को विफल किया गया है। सुरक्षाबलों की यह लगातार कार्रवाई क्षेत्र में नक्सलियों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने में प्रभावी सिद्ध हो रही है।

21वीं सदी में भारत---

लोकतंत्र, जनसंख्या और डिजिटल ताकत के मामले में भारत का कोई मुकाबला नहीं कर सकता। भारत दुनिया का सबसे बड़ा डेटा उपभोक्ता है और अब दिल्ली से लेकर दूर-दराज के गांवों तक डिजिटल सेवा में बड़ा अंतर नहीं रहा। जिओ ने ५० करोड़ से ज्यादा ग्राहकों के साथ देश को इंटरनेट युग से जोड़ा और अब वह भारत को इंटेलिजेंस युग से जोड़ने की तैयारी में जुट गया है। उन्होंने कहा कि आज एआई के क्षेत्र में सबसे बड़ी चुनौती कंप्यूटिंग क्षमता की कमी और उसकी ऊंची लागत है। जियो इंटेलिजेंस भारत के लिए स्वदेशी कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर रही है, जिसमें मल्टी-गीगावॉट स्तर की क्षमता तैयार की जा रही है और १२० मेगावॉट क्षमता इस साल शुरू होगी। अंबानी ने कहा कि एआई नौकरियां छीनने के बजाय नए और उच्च कौशल वाले रोजगार पैदा करेगा। उन्होंने कहा कि हमें बुद्धिमत्ता को संवेदनशीलता के साथ जोड़कर सबके लिए बेहतर भविष्य बनाना होगा।

इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में काफी असरदार हैं कद्दू के बीज

डाइटिशियन के अनुसार, कद्दू के बीज इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में काफी असरदार हैं। खासतौर पर ये बीज विटामिन बी12 के प्राकृतिक स्रोत माने जाते हैं, जो आज के दौर में लोगों की डाइट से अक्सर गायब होता है। कद्दू के बीजों में जिंक, आयरन, प्रोटीन, ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन ए और विटामिन बी12 पाया जाता है।

विटामिन बी12 यानी कोबालामिन एक पानी में घुलनशील विटामिन है, जो शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं बनाने, डीएनए संश्लेषण और तंत्रिका तंत्र के सही कार्य में अहम भूमिका निभाता है। इसकी कमी से एनीमिया, नजर का कमजोर होना, पाचन संबंधी गड़बड़ी, अंगों में झुनझुनी और बोलने में परेशानी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में अगर आप सप्लीमेंट्स की जगह घरेलू और प्राकृतिक विकल्प की तलाश कर रहे हैं, तो कद्दू के बीज को अपनी डाइट में शामिल करना बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। कद्दू के बीजों को आप कई तरीकों से अपने भोजन का हिस्सा बना सकते हैं। इन्हें हल्का भूनकर नाश्ते में लिया जा सकता है, जिससे स्वाद भी बेहतर हो जाता है और पोषण भी मिलता है। अगर आप सलाद पसंद करते हैं, तो उसमें थोड़े से कद्दू के बीज डालकर विटामिन बी12 की जरूरत पूरी कर सकते हैं। स्मूदी में मिलाकर इन्हें हेल्दी ड्रिंक के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

वहीं, दही या रायते में मिलाकर इनका सेवन न सिर्फ स्वाद बढ़ाता है बल्कि सेहत को भी फायदा पहुंचाता है। कुल मिलाकर, कद्दू के बीज एक ऐसा सुपरफूड हैं, जिन्हें नियमित रूप से डाइट में शामिल करने से न केवल विटामिन बी 12 की कमी को दूर किया जा सकता है, बल्कि शरीर की संपूर्ण रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूती मिलती है। बता दें कि सेहतमंद जीवन के लिए लोग तरह-तरह के खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल करते हैं। इन्हीं में से एक है कद्दू के बीज, जो अपने पोषक तत्वों के कारण तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं।

सुबह के नाश्ते को बनाना है मजेदार, तो बनाएं हेल्दी और टेस्टी

एक न्यूट्रिशन साइंटिस्ट ने चॉकलेट ब्राउनी बेक्ड ओट्स की ऐसी रेसिपी शेयर की है, जिसे वो कहते हैं 'ऐसा ब्रेकफास्ट जिसके लिए आप खुशी-खुशी बिस्तर से उठना चाहेंगे'। यह रेसिपी स्वाद में ब्राउनी जैसी है, लेकिन हेल्दी, पेट-भरू और एनर्जी से भरपूर भी।यह ओट्स से बना ओवन/एयर-फ्रायर में बेक किया गया ब्रेकफास्ट है, जिसमें कोको पाउडर और डार्क चॉकलेट का फ्लेवर होता है। इससे मीठा खाने का मन भी शांत हो जाता है।

सामग्री

-ओट्स - ह्र कप
-कोको पाउडर - 1 टेबलस्पून
-बेकिंग पाउडर - ह्र टीस्पून
-दूध / प्लांट मिल्क - ह्र कप
- शहद / मैपल सिरप / खजूर पेस्ट - 1-2 टीस्पून
-डार्क चॉकलेट चिप्स - 1 टेबलस्पून
-वनीला एसेंस - कुछ बूंदें
-नमक - एक चुटकी

बनाने की विधि

-ओवन को 180 डिग्री पर प्री-हीट करें।
-एक बाउल में ओट्स, कोको पाउडर, बेकिंग पाउडर और नमक मिलाएं।
-अब दूध, शहद और वनीला डालकर अच्छे से मिक्स करें।
-ऊपर से डार्क चॉकलेट चिप्स डालें
-मिश्रण को बेकिंग डिश में डालकर 20-25 मिनट बेक करें।
-बाहर निकालें, थोड़ा ठंडा होने दें और एन्जॉय करें

सेहत के फायदे

ओट्स में फाइबर होता है इससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है। कोको पाउडर में एंटीऑक्सीडेंट होता है, इससे मीठा खाने की क्रेविंग कंट्रोल होती है। बच्चों और वर्किंग लोगों के लिए यह परफेक्ट ब्रेकफास्ट है। ध्यान रखें कि प्रोटीन बढ़ाने के लिए ऊपर से ग्रीक योगर्ट डालें। वजन घटाना हो तो मीठा कम रखें। डायबिटीज में शहद की जगह खजूर पेस्ट या बिल्कुल न डालें।

आपके बच्चे को भी हो गया है डिजिटल जुनून? तो उसे सजा ना दो उसकी तकलीफ समझो

मोबाइल, टैबलेट और वीडियो गेम्स आज बच्चों की दुनिया का अहम हिस्सा बन चुके हैं। पढ़ाई से लेकर मनोरंजन तक सब कुछ एक स्क्रीन में सिमट गया है। लेकिन यही डिजिटल जुनून धीरे-धीरे बच्चों के लिए साइलेंट किलर साबित हो रहा है, क्योंकि इसका असर शोर नहीं मचाता सीधे उनके मन, शरीर और भविष्य पर चोट करता है।

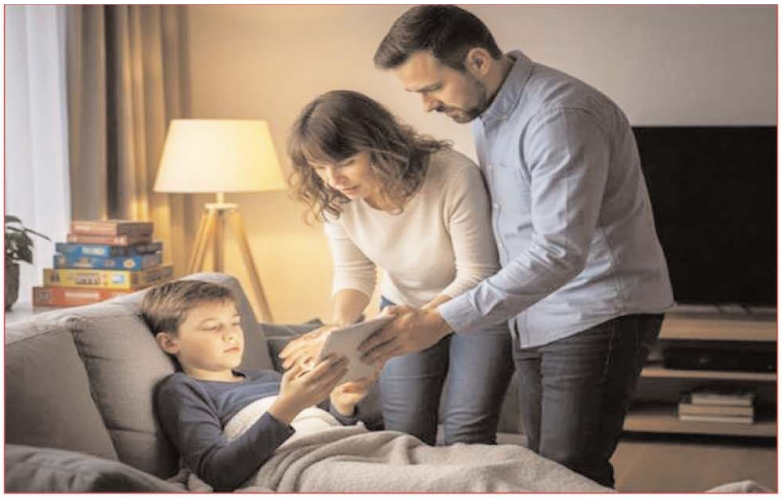

कैसे बन रहा है डिजिटल जुनून ख़तरनाक?

मानसिक सेहत पर वार: ज्यादा स्क्रीन टाइम से चिड़चिड़ापन, एंग्जायटी, ध्यान की कमी और अकेलापन बढ़ता है।

नींद का दुश्मन: देर रात तक स्क्रीन देखने से नींद का चक्र बिगड़ता है, जिससे सीखने और याददाश्त पर असर पड़ता है। शारीरिक नुकसान :आंखों में जलन, सिरदर्द, गर्दन-पीठ दर्द और मोटापे का जोखिम बढ़ता है।

सोशल स्किल्स कमजोर :असली दोस्तों और परिवार से दूरी बढ़ती है; बातचीत और भावनात्मक समझ घटती है। आदत से लत तक: गेम्स और शॉर्ट वीडियोज का डोपामिन हिट बच्चों को बार-बार स्क्रीन की ओर खींचता है।

बच्चों की हालत बिगड़ने के संकेत

मोबाइल, टैबलेट और गेम्स की चमक के पीछे छिपी है बच्चों की मौन पुकार जो वे शब्दों में नहीं, व्यवहार में जाहिर कर रहे हैं। ऐसे में अगर बच्चा स्क्रीन हटते ही बेचैनी, रोना या गुस्सा करने लगता है तो यह खतरे की चेतावनी है। नजर रखें कि बच्चा देर से तो नहीं सो रहा और बार- बार जागता तो नहीं। डिजिटल जुनून का सबसे बड़ा इशारा है कि बच्चे का पढ़ाई में ध्यान कम लगने लगता है, होमवर्क से बचने लगता है। अगर बच्चा दोस्तों से कट रहा है या परिवार से बातचीत कम कर रहा है तो यह भी खतरे की निशानी है। बच्चे के शरीर पर ही इसका असर दिखने लगता है , उन्हें अकसर आंखों में जलन, सिरदर्द, गर्दन/पीठ दर्द की शिकायत रहती है। ये संकेत बताते हैं कि बच्चा ओवरस्टिमुलेशन और डिजिटल थकान से जूझ रहा है पर बोल नहीं पा रहा।

पेरेंट्स सुनें बच्चों की मौन आवाज

पहले तो बच्चे को जज ना करें 'क्यों खेल रहे हो?' की जगह पूछें 'तुम्हें इसमें क्या अच्छा लगता है?'। पेरेंट्स का खुद का स्क्रीन व्यवहार बच्चे कॉपी करते हैं, इसलिए रोज 20-30 मिनट बिना फोन के साथ बैठें। बच्चा खुद खुलने लगेगा। स्क्रीन टाइम, खेल, पढ़ाई और नींद सबका संतुलित टाइमटेबल बनाएं। बच्चे को आउटडोर खेल, ड्रॉइंग, म्यूजिक, बोर्ड गेम्स के चॉइस दें। डिजिटल डिटॉक्स को सजा न बनाएं, वीकेंड पर फैमिली डिजिटल ब्रेक सब साथ में।

कब प्रोफेशनल मदद लें?

अगर बच्चा लगातार उदास, अत्यधिक आक्रामक या पूरी तरह अलग-थलग हो रहा है, तो काउंसलर/चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट से बात करना समझदारी है। याद रखें स्क्रीन दुश्मन नहीं, असंतुलन दुश्मन है। बच्चों की मौन पुकार सुनने के लिए उन्हें 'कम फोन' नहीं, ज्यादा समझ चाहिए।

लगातार थकान और बार-बार बुखार को न करें नजरअंदाज, हो सकते हैं इस कैंसर के संकेत

लगातार थकान, कमजोरी या बार-बार बुखार आने को अक्सर लोग बदलती लाइफस्टाइल या मौसम का असर मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो ये लक्षण कभी-कभी ब्लड कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के शुरुआती संकेत भी हो सकते हैं। ऐसे में समय रहते इन चेतावनी संकेतों को पहचानना और जांच कराना इलाज की सफलता के लिए बेहद जरूरी होता है।

धीरे-धीरे शरीर को कमजोर करता है ब्लड कैंसर

ब्लड कैंसर आमतौर पर अचानक तेज लक्षणों के साथ सामने नहीं आता। यह धीरे-धीरे शरीर के अंदर असर डालता है। ल्यूकेमिया, लिंफोमा और मल्टीपल मायलोमा जैसे ब्लड कैंसर बोन मैरो में शुरू होते हैं, जहां खून की कोशिकाएं बनती हैं। समय के साथ ये शरीर की सामान्य कार्यक्षमता को प्रभावित करने लगते हैं।

शुरुआती पहचान क्यों है जरूरी?

डॉक्टर के अनुसार, अगर ब्लड कैंसर की पहचान शुरुआती स्टेज में हो जाए, तो इलाज काफी हद तक आसान हो जाता है। समय रहते बीमारी पकड़ में आने से इलाज की सफलता बढ़ती है और ब्लड स्टेम सेल ट्रांसप्लांट जैसे अहम विकल्पों की संभावना भी मजबूत होती है।

लगातार थकान को न समझें सामान्य

अगर बिना ज्यादा काम किए भी
लगातार कमजोरी
थकान
सांस फूलना।
आराम करने के बाद भी एनर्जी वापस न आना

जैसी समस्याएं बनी रहें, तो यह चेतावनी संकेत हो सकता है। डॉक्टर बताते हैं कि ब्लड कैंसर में शरीर पर्याप्त स्वस्थ रेड ब्लड सेल्स नहीं बना पाता, जिससे एनीमिया हो जाता है और इसी कारण अत्यधिक थकान महसूस होती है।

बार-बार बुखार या इंफेक्शन

कमजोर इम्यून सिस्टम भी ब्लड कैंसर का एक बड़ा संकेत हो सकता है।

अगर बार-बार सर्दी-खांसी
बार-बार बुखार
छोटे इंफेक्शन का जल्दी गंभीर हो जाना

देखने को मिले, तो यह दर्शाता है कि शरीर की व्हाइट ब्लड सेल्स सही तरह से काम नहीं कर पा रही हैं।

बिना वजह खून आना या जल्दी चोट लगना

नाक या मसूड़ों से खून आना, हल्की चोट में भी ज्यादा नीला पड़ जाना या त्वचा पर छोटे-छोटे लाल या बैंगनी दाग दिखना प्लेटलेट्स की कमी का संकेत हो सकता है। ल्यूकेमिया में ये लक्षण आम हैं, लेकिन अधिकतर लोग इन्हें मामूली समझकर नजरअंदाज कर देते हैं।

वजन घटना, रात में पसीना और गांठें

अगर बिना डाइट या एक्सरसाइज के वजन तेजी से घटे
रात में अत्यधिक पसीना आए
गर्दन, बगल या जांघ में दर्द रहित गांठ महसूस हो

तो सतर्क हो जाना चाहिए। ये लक्षण खासतौर पर लिंफोमा से जुड़े हो सकते हैं।

वहीं हड्डियों, रीढ़ या पसलियों में लगातार दर्द मल्टीपल मायलोमा का संकेत हो सकता है।

स्टेम सेल ट्रांसप्लांट बन सकता है इलाज की उम्मीद

ब्लड कैंसर के कई मामलों में ब्लड स्टेम सेल ट्रांसप्लांट एक प्रभावी इलाज माना जाता है। इसमें खराब बोन मैरो की जगह स्वस्थ स्टेम सेल्स दी जाती हैं, जिससे नया खून और मजबूत इम्यून सिस्टम तैयार होता है।

लगातार थकान, बार-बार बुखार या शरीर में दिखने वाले ये संकेत अगर लंबे समय तक बने रहें, तो इन्हें नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। समय रहते डॉक्टर से संपर्क करना और जरूरी जांच कराना ही ब्लड कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव का सबसे बेहतर तरीका है।

इम्युनिटी बढ़ाने से लेकर डेंगू-डायबिटीज तक कारगर है ये जड़ी-बूटी

गिलोय को आयुर्वेद में अमृत कहा गया है। यह एक अत्यंत शक्तिशाली औषधीय जड़ी-बूटी है, जो इम्युनिटी बढ़ाने के साथ-साथ कई गंभीर और पुरानी बीमारियों के इलाज में सहायक मानी जाती है। डेंगू, मलेरिया, वायरल फीवर से लेकर मधुमेह, पाचन समस्याओं और जोड़ों के दर्द तक गिलोय को रामबाण औषधि माना जाता है। हालांकि, इसका सेवन हमेशा चिकित्सक की सलाह से ही करना चाहिए।

गिलोय का सेवन कैसे करें?

गिलोय का जूस या काढ़ा
सुबह खाली पेट लेना सबसे अधिक प्रभावी माना जाता है

पाउडर रूप में भी लिया जा सकता है।

गिलोय का अधिक मात्रा में सेवन नुकसानदायक हो सकता है। गर्भवती महिलाएं, ऑटोइम्यून बीमारी से ग्रस्त लोग और डायबिटीज मरीज इसे लेने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

इम्युनिटी बढ़ाने में गिलोय का असर

गिलोय एक शक्तिशाली आयुर्वेदिक इम्युनिटी बूस्टर है। यह शरीर में श्वेत रक्त कोशिकाओं (इ्द्दह्द्द ब्द्यश्श्स्र ष्द्ध्द्यद्यह्य) को सक्रिय और मजबूत करता है, जिससे शरीर संक्रमण से बेहतर तरीके से लड़ पाता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-वायरल गुण शरीर को डिटॉक्स करते हैं और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। सर्दी-खांसी, वायरल फीवर, डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों में गिलोय का सेवन बेहद फायदेमंद माना जाता है।

बुखार में गिलोय क्यों है अमृत समान?

गिलोय को ज्वरनाशक और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण आयुर्वेद में विशेष स्थान प्राप्त है। यह डेंगू, मलेरिया, स्वाइन फ्लू और मौसमी बुखार में न सिर्फ शरीर की कमजोरी दूर करता है, बल्कि प्लेटलेट्स बढ़ाने और इम्युनिटी मजबूत करने में भी मदद करता है। गिलोय का काढ़ा या जूस दिन में 1-2 बार लेने से तेजी से लाभ मिलता है।

डायबिटीज में कैसे मदद करता है गिलोय?

गिलोय इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर बनाकर और ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करके ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में मदद करता है। यह मधुमेह के मरीजों के लिए मेडिकल ट्रीटमेंट के साथ एक उपयोगी प्राकृतिक सप्लीमेंट के रूप में काम कर सकता है।

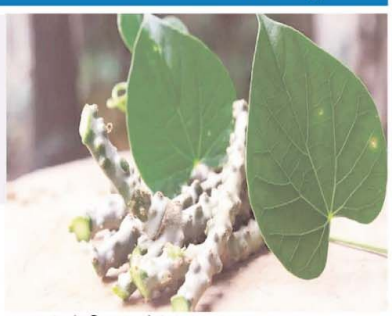

पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद

गिलोय पाचन एंजाइम्स को सक्रिय करता है, जिससे कब्ज, गैस, एसिडिटी और पेट फूलना जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। यह आंतों की कार्यक्षमता बढ़ाकर शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है और पोषक तत्वों के अवशोषण को बेहतर बनाता है।

जोड़ों के दर्द और त्वचा रोगों में लाभ

गिलोय में मौजूद सूजनरोधी और बलवर्धक गुण गठिया, जोड़ों के दर्द और अकड़न को कम करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, यह त्वचा से जुड़ी समस्याओं जैसे मुंहासे, खुजली और एलर्जी में भी लाभकारी है। गिलोय शरीर को अंदर से डिटॉक्स कर त्वचा को साफ और स्वस्थ बनाता है।

क्या एप्पल साइडर विनेगर सेहत को पहुंचाता है नुकसान?

एप्पल साइडर विनेगर का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। परफेक्ट फिगर से लेकर चमकदार स्किन पाने के लिए लोग इसका सेवन कर रहे हैं। एप्पल साइडर विनेगर को कुछ लोग वजन कम करने के लिए सुबह-सवेरे खाली पेट भी पी रहे हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं रोजाना एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करना आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। एप्पल साइडर विनेगर का लंबे समय तक सेवन करने से आपकी हेल्थ को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचा सकता है। क्योंकि एप्पल साइडर विनेगर में बहुत ही स्ट्रांग एसिड होता है, जिसका लिमिट से ज्यादा सेवन नुकसानदायक हो सकता है। अगर आपको एप्पल साइडर विनेगर का फायदा लेना है तो उसका सेवन पर्याप्त मात्रा में ही करने की सलाह दी जाती है। एप्पल साइडर विनेगर के नुकसान क्या-क्या है?

दांतों की समस्या

एप्पल साइडर विनेगर बहुत ही ज्यादा एसिडिक होता है, यह ऐसे तो नुकसादायक नहीं लगता है। लेकिन इसका हद से ज्यादा सेवन करना आपके दांत खराब कर सकता है। दांतों पर एक लेयर होती है, जो लिमिट से ज्यादा एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करने से हट सकती है। लेयर हटने से दांतों में सेंसटिविटी और सड़न जैसी समस्या हो सकती है। अगर आपको अपने दांतों से प्यार है तो एप्पल साइडर विनेगर को पानी में मिलाकर और स्ट्रा से पी सकते हैं।

दवाइयों पर असर

अगर आपकी किसी तरह की दवा चल रही है, तो एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करते समय ज्यादा सावधानी की जरूरत है। क्योंकि इसमें मौजूद एसिड, दवाइयों के असर पर प्रभाव डाल सकता है। जिससे अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती है। अगर आप किसी तरह की दवा ले रही हैं और एप्पल साइडर विनेगर को भी अपने रूटीन में शामिल करने के बारे में सोच रही हैं तो पहले डॉक्टर की सलाह अवश्य ले लेनी चाहिए।

पेट की समस्या

एप्पल साइडर विनेगर को डाइजेशन के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन इसका लिमिट से ज्यादा सेवनपेट की समस्या हो सकती है। बहुत ज्यादा मात्रा में एसिड का सेवन करने से आपके पेट में जलन हो सकती है। खासकर, अगर आपका गट सेंसिटिव, खट्टे डकार या एसिडिटी की समस्या रहती है तो एप्पल साइडर विनेगर को एक लिमिट में ही लेना चाहिए।

स्किन इरिटेशन

एप्पल साइडर विनेगर का स्किन केयर ट्रीटमेंट्स में भी इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन, इसे स्किन पर डायरेक्ट लगाने से बचना चाहिए क्योंकि इससे जलन और इरिटेशन की समस्या हो सकती है। स्किन के लिए एसिड बहुत हार्ड हो सकता है, ऐसे में इसे डायलियूट करके ही लगाएं। अगर आप एप्पल साइडर विनेगर का टोनर या एक्ने पर इस्तेमाल कर रही हैं, तो पहले थोड़े एरिया पर लगाकर चेक करें।

हड्डियों पर असर

क्या आप जानती हैं एप्पल साइडर विनेगर का बहुत ज्यादा सेवन करने से आपकी हड्डियों पर असर पड़ सकता है? एप्पल साइडर विनेगर का लिमिट से ज्यादा सेवन, शरीर में पोटेशियम की मात्रा को कम करने से लिंक हो सकता है जिसकी वजह से बोन डेनसिटी भी समय के साथ कम हो सकती है। ऐसे में एप्पल साइडर विनेगर का लिमिट में ही सेवन करना चाहिए।

एप्पल साइडर विनेगर के फायदे अनेक हैं, लेकिन किसी भी चीज का अति में सेवन करना सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में एप्पल साइडर विनेगर को अपनी डाइट में शामिल करने से पहले उसके फायदे और नुकसान, दोनों के बारे में जान लेना चाहिए। अगर आपको एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करने से किसी तरह का रिएक्शन होता है, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

वैरिकोज वेंस या स्पाइडर वेंस नसों से जुड़ी समस्या है। वैरिकोज वेंस ज्यादातर लोगों के लिए खतरनाक नहीं होती हैं लेकिन कई बार ये गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती हैं। वैरिकोज वेंस हाथ, पैर, एड़ी, टखने और पंजों में ज्यादा दिखाई देती हैं। इस स्थिति में नीली नसें या नसों के गुच्छे साफ नजर आने लगते हैं। अधिकतर मामलों में लोगों को वैरिकोज वेंस की समस्या में दर्द नहीं होता है लेकिन कई लोगों के लिए यह दर्द, खड़े होने में परेशानी और जलन जैसी परेशानी की वजह हो सकती है। अगर आपको भी वैरिकोज वेंस की समस्या है, तो अपने लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करके आप इस समस्या से राहत पा सकती हैं।

लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करके वैरिकोज वेंस की समस्या से पा सकते हैं राहत

वैरिकोज वेंस या स्पाइडर वेंस नसों से जुड़ी समस्या है। वैरिकोज वेंस ज्यादातर लोगों के लिए खतरनाक नहीं होती हैं लेकिन कई बार ये गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती हैं। वैरिकोज वेंस हाथ, पैर, एड़ी, टखने और पंजों में ज्यादा दिखाई देती हैं। इस स्थिति में नीली नसें या नसों के गुच्छे साफ नजर आने लगते हैं। अधिकतर मामलों में लोगों को वैरिकोज वेंस की समस्या में दर्द नहीं होता है लेकिन कई लोगों के लिए यह दर्द, खड़े होने में परेशानी और जलन जैसी परेशानी की वजह हो सकती है।

कई बार इन नसों में ब्लीडिंग भी हो जाती है। वैरिकोज वेंस के कारण क्या हैं और किन आसान तरीकों की मदद से इन्हें मैनेज किया जा सकता है।

इस बारे में हमने डाइटीशियन, पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट से बात की और उनसे इसे मैनेज करने के कुछ टिप्स जानें। आइए आपको बताते हैं।

वैरिकोज वेंस के कारण

- लंबे वक्त तक खड़े रहना
- वजन अधिक होना
- प्रेग्नेंसी
- नसों पर अधिक दबाव
- हार्मोनल इबैलेंस
- बढ़ती उम्र

इस बात का ख्याल

पुराने वक्त में घरों में खाना बनाने के लिए चूल्हे का प्रयोग होता था। महिलाएं बैठकर खाना बनाती थी लेकिन आज के वक्त में खड़े रहकर ही खाना बनाया जाता है। ये भी वैरिकोज वेंस की एक बड़ी वजह है। जब महिलाएं बैठकर खाना बनाती थी तो वे लंबे वक्त तक खड़ी नहीं रहती थी जिससे वैरिकोज वेंस की समस्या कम देखने को मिलती थी। इससे पेल्विक मसल्स को भी फायदा होता था।

इन टिप्स को करें फॉलो

- अगर आपको वैरिकोज वेंस की समस्या है तो कुछ आसान टिप्स को फॉलो करके आप इसे मैनेज कर सकती हैं।
- लंबे समय तक खड़ी ना रहें। कुछ देर खड़ी रहने के बाद बैठ जाएं।
- पैरों पर अधिक प्रेशर न डालें।
- अगर आपका वजन अधिक है तो इसे कम करने की कोशिश करें।
- ज्यादा पानी पिएं।
- अपनी डाइट में ताजे फल और सब्जियों को शामिल करें।
- डॉक्टर से सलाह लेकर कम्प्रेशन स्टॉकिंग्स पहनें। इससे वैरिकोज वेंस को बढ़ने से रोका जा सकता है।
- अगर समस्या ज्यादा है तो डॉक्टर से ट्रीटमेंट जरूर करवाएं।

वैरिकोज वेंस होने पर न करें ये 5 काम, बढ़ सकती है मुश्किल

वैरिकोज वेंस या स्पाइडर वेंस नसों से जुड़ी समस्या है। यह कई कारणों से हो सकती हैं। अगर आपको यह समस्या है, तो कुछ कामों को करने से बचें वरना आपकी मुश्किल बढ़ सकती है।

वैरिकोज वेंस के बारे में काफी लोग नहीं जानते हैं। लेकिन, यह नसों से जुड़ी एक समस्या है। आपने कुछ लोगों के हाथ, पैर, एड़ी, पंजे या टखनों में नीली नसें या नसों के गुच्छे देखे होंगे। ये वैरिकोज वेंस होती हैं। इन्हें स्पाइडर वेंस भी कहा जाता है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं और यह समस्या पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में देखने को मिलती है। आमतौर पर इनसे कोई खतरा नहीं होता है। लेकिन, कई बार ये मुश्किल खड़ी कर सकती हैं। इनकी वजह से कई बार, टांगों में खून की सप्लाई पर असर होता है। कई लोगों को इनकी वजह से खड़े होने में परेशानी हो सकती है। वहीं, कई बार इनमें दर्द और जलन भी होती है। अगर आपको यह समस्या है, तो आपको कुछ कामों को पूरी तरह अवॉइड करना चाहिए।

वैरिकोज वेंस होने पर बिल्कुल न करें ये काम

- अगर आपको वैरिकोज वेंस की समस्या है, तो ज्यादा देर बिल्कुल खड़े न रहें। इससे आपकी दिक्कत बढ़ सकती है। ज्यादा देर खड़े रहने के कारण, नसों में खून जमने लगता है इससे नसों पर अधिक प्रेशर पड़ता है।
- वैरिकोज वेंज होने पर, आप भारी वजन न उठाएं। दरअसल, भारी वजन उठाने से नसों पर दबाव पड़ता है और इससे नसों में खिंचाव पैदा होता है। इसकी वजह से नसे कमजोर होने लगती हैं। ऐसा नहीं है कि आप बिल्कुल वजन नहीं उठा सकती हैं। लेकिन, अधिक भारी चीजों को उठाने से बचें।
- हाई हील्स वाले सैंडिल न पहनें। इससे ब्लड फ्लो बाधित होता है और नसों पर दबाव पड़ता है।
- वैरिकोज वेंस होने पर, आपको मुलायम और आरामदायक चप्पले पहननी चाहिए।
- अगर आपको वैरिकोज वेंस हैं, तो आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आपको कब्ज न हो। अगर आपका पेट ठीक से साफ नहीं हो रहा है, आपको कब्ज है, तो इसकी वजह से पेट साफ होने पर नसों पर दवाब आता है और परेशानी बढ़ सकती है।
- अधिक कठोर या खुरदुरी जगह पर न चलें। इससे भी नसों पर प्रेशर आता है।

ट्रेवल के दौरान खराब नहीं होगा डाइजेशन अपनाएं ये टिप्स

क्या ट्रेवलिंग के दौरान आपका भी पेट गड़बड़ हो जाता है,गैसे और कब्ज से परेशान हो जाते हैं तो आप इन टिप्स को फॉलो करके इसमें आराम पा सकते हैं।

ट्रेवल करना मजेदार और रोमांच से भरा होता है, लेकिन अक्सर ट्रैवलिंग के दौरा पेट साथ नहीं देता है, अक्सर लोगों को एसिडिटी, कब्ज, जैसी दिक्कत हो जाती है जिसके कारण सफर का मजा किरकिरा हो जाता है, फ्रेशनेस महसूस नहीं होती है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो हम आपको एक्सपर्ट के बताए कुछ टिप्स बता रहे हैं जिसे फॉलो करने से ट्रैवलिंग के दौर आपको दिक्कत नहीं होगी

- ट्रैवल के दौरान डाइजेशन को सही रखना है तो खाली पेट कैफीन का सेवन करने से बचें, इससे एसिडिटी बढ़ाने की संभावना रहती है।
- रात को सोते वक्त नाभि में तेल जरूर लगाएं, इससे मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है। पाचन बेहतर होता है और गैस की समस्याएं कम होती है। यह एक बेहद सरल और प्रभावी उपाय है।
- सूर्य नमस्कार करना ना भूलें, इससे न सिर्फ फिटनेस को बढ़ावा मिलता है बल्कि आपके पाचन तंत्र को भी सक्रिय करने में मदद मिलती है। यह पेट के अंगों में रक्त प्रवाह को बढ़ाता है और पाचन क्रिया को मजबूत करता है।
- रोज सुबह एक चम्मच शहद का सेवन करें, यह नेचुरल लैक्सेटिव गुणों वाला होता है जो कब्ज और गैस की समस्याओं में मदद करता है।
- ट्रैवल के दौरान ठंडा खाना खाने से बचें, ठंडा खाद्य पदार्थ पाचन को धीमा कर सकते हैं, कोशिश करें कि आपके भोजन का तापमान सामान्य गर्म हो ताकी पाचन प्रक्रिया सुचारू बनी रहे।
- फलों और दूध को एक साथ ना खाएं, इससे ब्लोटिंग और असुविधा हो सकती है। फल जल्दी पचते हैं जबकि दूध में अधिक समय लगता है।
- सोने से पहले वज्रासन में जरूर बैठें, इससे पेट पर दबाव पड़ता है जो पाचन अंगों को सक्रिय करता है और भोजन को सही से पचने में मदद करता है।
- रात को सोने से पहले कैफीन का सेवन न करें, इससे आपकी नींद खराब हो सकती है और पाचन में बाधा आ सकता है।
- रात का खाना जल्दी खाने से आपके शरीर को भोजन पचाने के लिए पर्याप्त समय मिलता है। इसे पोषक तत्वों का बेहतर अवशोषण होता है और असुविधा की संभावना कम होती है।

उम्र बढ़ने के साथ कमजोर होने लगती है पास की नजर

प्रेसबायोपिया यानी पास की नजर का कमजोर होना है। यह बीमारी उम्र के साथ होने वाले सामान्य बदलाव के कारण होती है जोकि 40 की उम्र के बाद देखने को मिलती है। हालांकि मोबाइल फोन और इसी तरह के अन्य गैजेट्स के इस्तेमाल करने से कई बार यह बीमारी उम्र से पहले ही नजर आने लगती है। इसमें नजर को पास में केंद्रित कर पाने में परेशानी होती है। खासकर छोटे अक्षरों और कम रोशनी में। शुरू में तो व्यक्ति मोबाइल या किताब को दूर कर पढ़ लेता है लेकिन बाद में दिखाई नहीं देता है।

कारण - इसका मुख्य कारण उम्र का अधिक होना है। यह बीमारी 40वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में आम है, लेकिन मोबाइल, कम्प्यूटर और टेबलेट्स के अत्यधिक इस्तेमाल से लोगों को जल्द ही चश्मा लग जाता है। एस्टीमैटिज्म (दृष्टिवैषम्य), नियरसाइटेडनेस (निकटदृष्टि दोष) और फारसाइटेडनेस (दूरदृष्टि दोष) के रूप में प्रेसबायोपिया में अंतर पाया जा सकता है, जो कि आंखों की पुतलियों के आकार से संबंधित है और आनुवांशिक व पर्यावरणीय कारणों से होते हैं।

लक्षण-इलाज - प्रेसबायोपिया के मरीजों को नजदीक का काम करने जैसे कढ़ाई या हाथों से लिखने पर सिरदर्द, आंखों पर दबाव या थकान महसूस होने लगता है। अगर बीमारी की पहचान शुरुआती चरण में हो जाती है तो दिनचर्या में कुछ बदलाव कर इसको नियंत्रित किया जाता है, लेकिन बीमारी बढ़ने पर सर्जरी की जाती है। इसके लिए कंडविटव कैरेटोप्लास्टी या कॉर्नियल इन-लेज आदि सर्जरी की जाती है।

चश्मा - बायफोकल या प्रोग्रेसिव लैंस लगे चश्मे प्रेसबायोपिया में सुधार के लिए सबसे अच्छे होते हैं। बायफोकल का मतलब है, जिसमें दो फोकस होते हैं। चश्मे के लैंस का प्रमुख भाग दूरदृष्टि दोष के सुधार के लिए होता है जबकि लैंस का निचला हिस्सा निकट दृष्टि दोष के लिए होता है। प्रोग्रेसिव प्रकार के लैंस बायफोकल लैंस के समान होते हैं लेकिन उनके बीच कोई लकीर नजर नहीं आती। इसको पहन सकते हैं।

जांचें - इसकी जांच भी आंखों की दूसरी बीमारियों की तरह ही होती है। डॉक्टर, पहले आंखों में दवा डालकर पुतलियों को फैलाते हैं। इसके बाद तेज रोशनी में आंखों की जांच करते हैं। इस प्रक्रिया में करीब एक घंटे का समय लगता है। इसके अलावा भी डॉक्टर कुछ अन्य टैस्ट भी करवाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

नासा का अलर्ट: 25 हजार एस्टेरॉयड धरती के पास, आधों का अब तक नहीं लगा सुराग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने चेताया है कि पृथ्वी के पास लगभग

25,000 ऐसे एस्टेरॉयड (क्षुद्रग्रह) मंडरा रहे हैं। लेकिन इनका अभी तक पता नहीं चल पाया है। चिंता की बात ये है कि ये किसी भी क्षेत्र को पूरी तरह खत्म कर समतल करने की ताकत रखते हैं। नासा में प्लैनेटरी डिफेंस (ग्रह रक्षा) की प्रमुख केली फास्ट ने अमेरिकी एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ साइंस में बोलते हुए कहा कि जो चीज मुझे रात में सोने नहीं देती, वह हैं वे एस्टेरॉयड जिनके बारे में हम जानते ही नहीं हैं। केली के मुताबिक, वैज्ञानिक बहुत छोटे और बहुत बड़े पत्थरों को तो ट्रैक कर लेते हैं, लेकिन मध्यम आकार (लगभग 140 मीटर) वाले पत्थर अभी भी नजरों से ओझल हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ये सिटी-किलर्स वैश्विक विनाश भले न करें, लेकिन क्षेत्रीय स्तर पर भारी तबाही मचा सकते हैं। अनुमान है कि ऐसे 25,000 पत्थरों में से हम केवल 40 फीसदी को ही ढूंढ पाए हैं। जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी की डॉ. नैन्सी चाबोट, जिन्होंने 2022 में नासा के डार्ट मिशन का नेतृत्व किया था, उन्होंने भी इस खतरे पर मुहर लगाई है। उनके अनुसार यह खोज अभी अधूरी है, हमें अभी भी 50 फीसदी से ज्यादा 140 मीटर वाले एस्टेरॉयड्स के ठिकाने का पता नहीं है। नासा ने कहा कि वर्तमान में हमारे पास किसी अचानक आने वाले एस्टेरॉयड को मोड़ने या नष्ट करने की सक्रिय तकनीक तैयार नहीं है। इस रक्षा प्रणाली को तैयार रखने के लिए निवेश की भारी कमी है। नैन्सी ने स्पष्ट किया कि हमारे पास जैसा कोई दूसरा स्पेसक्राफ्ट स्टैंडबाय पर नहीं रखा है, जिसे तुरंत लॉन्च किया जा सके। क्षुद्रग्रह या एस्टेरॉयड सूर्य की परिक्रमा करने वाले

न्यूयॉर्क में फिर शुरू होगी बेघर लोगों के कैंप हटाने की कार्रवाई

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने एलान किया है कि शहर में सड़क किनारे और पार्कों में बने अस्थायी बेघर

कैंप (टेंट बस्ती) फिर से हटाए जाएंगे। लेकिन इस बार उनका कहना है कि तरीका पहले से अलग और ज्यादा मानवीय (इंसानियत भरा) होगा। बता दें कि, मेयर बनने के कुछ ही दिनों बाद जोहरान ममदानी ने पुराने मेयर एरिक एडम्स की कैंप हटाने वाली नीति रोक दी थी। उनका मानना था कि सिर्फ कैंप हटाने से समस्या हल नहीं होगी, लोगों को घर और सही मदद मिलनी चाहिए। हाल ही में न्यूयॉर्क में कड़ाके की ठंड पड़ी, जिसमें कम से कम 19 लोगों की बाहर ठंड से मौत हो गई। हालांकि यह साफ नहीं है कि ये लोग कैंप में रह रहे थे या नहीं, लेकिन इस घटना के बाद शहर की नीतियों पर सवाल उठने लगे। फैसले के खिलाफ और समर्थन में कौन? जोहरान ममदानी के इस फैसले को सिटी काउंसिल की स्पीकर जूल मेनिन ने सही कदम बताया। उनका कहना है कि इतनी ठंड में लोगों को सड़क पर छोड़ना अमानवीय है। वहीं इसके विरोध में बेघर लोगों के लिए काम करने वाली संस्था बेघरों के लिए गठबंधन के निदेशक डेविड गिफेन ने कहा कि यह राजनीतिक फैसला है। उनका कहना है कि जब लोगों का सामान फेंक दिया जाता है, तो वे सरकार पर भरोसा नहीं कर पाते।

जमीन के नीचे दौलत और सेहत पर संकट

दुनिया का सबसे बड़ा तेल रिजर्व होने के बावजूद वेनेजुएला में क्यों बिगड़े हालात?

कराकास एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा प्रमाणित तेल रिजर्व है, जो आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक करीब 303 बिलियन बैरल है।

यह दुनियाभर के क्रूड ऑयल का लगभग 17 प्रतिशत हिस्सा है। यह तेल का भंडार मुख्य रूप से ओरिनोको बेल्ट में फैला हुआ है, जहां तेल बेहद घना और भारी किस्म का है।

कैसे बना इतन विशाल तेल भंडार? वेनेजुएला की भूवैज्ञानिक संरचना ने ही इस बड़े तेल रिजर्व को संभव बनाया है। वेनेजुएला के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में फैला ओरिनोको बेल्ट सेडिमेंट्री चट्टानों का एक बड़ा इलाका है, जहां पुराने जैविक पदार्थ दबाव और समय के साथ हाइड्रोकार्बन में बदल गए। कैसे चट्टानों से निकला तेल?एक केस स्टडी के अध्ययन के अनुसार, लाखों सालों में, कैरिबियन और साउथ अमेरिकन टेक्टोनिक प्लेटों के बीच हलचल की वजह से पूर्वी वेनेजुएला के कुछ हिस्से डूब गए। जब जमीन लंबे समय तक धीरे-धीरे पानी में डूबती है, तो इससे एक गहरा बेसिन बनता है। इसे एक बड़े नेचुरल कटोरे की तरह समझा जा सकता है। इस

कटोरे ने समय के साथ सेडिमेंट रॉक्स की मोटी परतें बनने दीं। सेडिमेंट बाद में चट्टानें बन गईं जिनमें तेल होता है। बढ़ते हुए एंडीज पर्वत से बहने वाली नदियां इस बेसिन में बहुत ज्यादा रेत, मिट्टी और दबे हुए ऑर्गेनिक मटीरियल ले गईं, जिससे बहुत मोटी, तेल से भरपूर परतें बनीं जो आखिर में रिजर्वॉयर बन गईं। इस इलाके में समुद्र के लेवल में बार-बार बढ़ोतरी और गिरावट ने भी इस दबे हुए ऑर्गेनिक मैटर को बचाने में मदद की, क्योंकि उथले समुद्रों ने कम ऑक्सीजन वाली कंडीशन बनाईं जिससे यह पूरी तरह से सड़ नहीं पाया, इसलिए ज्यादा गहराई में दबे होने पर तेल बनाने के लिए ज्यादा मटीरियल मौजूद था।

इसके अलावा, टेक्टोनिक ताकतों की वजह से होने वाले फॉल्ट और स्ट्रक्चरल ट्रैप ने तेल बनने के बाद उसे बाहर निकलने से रोकने में मदद की, जिससे असल में बड़ी मात्रा में हाइड्रोकार्बन वहीं सील हो गए।

वेनेजुएला में उत्पादन क्यों घटा? वेनेजुएला में भले ही तेल रिजर्व का आकार दुनिया में सबसे बड़ा है, लेकिन इसका असर उत्पादन या आर्थिक स्थिरता पर नहीं पड़ा। उत्पादन अपने पीक स्तर से बहुत नीचे आ चुका है, पुरानी सुविधाएं जर्जर हो गई हैं। भारी तेल को अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए तैयार करने में जटिल प्रसंस्करण की जरूरत पड़ती है। दशकों से कम निवेश, खराब मैनेजमेंट और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों ने तेल इन्फ्रास्ट्रक्चर को कमजोर कर दिया है। पाइपलाइन, कुएं और रिफाइनरियां क्षमता से कम चल रही हैं।

ट्रंप ने कहा- ईरान पर हमले के लिए चाहिए

गार्सिया द्वीप पर ब्रिटेन का कब्जा खत्म होने से घबराया यूएस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से अपील की है कि वे हिंद महासागर क्षेत्र में स्थित द्वीप डिएगो गार्सिया को मॉरीशस को न सौंपें। ट्रंप ने कहा कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच जिनेवा में चल रही बातचीत असफल रहती है तो ईरान पर हमले के लिए अमेरिका को डिएगो गार्सिया द्वीप की जरूरत पड़ेगी। गौरतलब है कि बीते साल ब्रिटेन ने हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से बेहद अहम द्वीप डिएगो गार्सिया को मॉरीशस को सौंपने का एलान किया था। हालांकि 99 साल की लीज पर अमेरिका-ब्रिटेन का सैन्य अड्डा द्वीप पर बरकरार रहेगा।

ट्रंप ने चागोस द्वीप को मॉरीशस को सौंपने के ब्रिटेन सरकार के फैसले को एक बड़ी गलती बताया।

सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ट्रंप ने लिखा, मैं ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से कहता रहा हूं कि देशों के मामलों में पट्टे

(लीज) का कोई महत्व नहीं होता। हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से स्थित डिएगो गार्सिया पर 100 साल का पट्टा समझौता करके वे बड़ी गलती कर रहे हैं। ब्रिटेन के साथ हमारे मजबूत संबंध हैं और ये संबंध कई वर्षों से हैं, लेकिन प्रधानमंत्री स्टार्मर इस द्वीप पर अपना नियंत्रण खो रहे हैं। ट्रंप ने आगे लिखा, अगर ईरान समझौता करने से इनकार कर देता है तो अमेरिका को डिएगो गार्सिया द्वीप की जरूरत पड़ सकती है।

क्या 9 साल का बच्चा पढ़ेगा आपकी शर्तें

इंस्टाग्राम पर बच्चों की लत को लेकर यूएस कोर्ट की जुकरबर्ग को फटकार

लॉस एंजिल्स एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिल्स अदालत में इंस्टाग्राम और फेसबुक की पेरेंट कंपनी, मेटा के मालिक मार्क जुकरबर्ग को कड़े सवालों का सामना करना पड़ा। दरअसल, सुनवाई के दौरान जुकरबर्ग से इंस्टाग्राम की लत और उम्र के वेरिफिकेशन को लेकर सवाल किए गए।

कोर्ट ने पूछा कि क्या मेटा के प्लेटफॉर्म जानबूझकर बच्चों को नशे की लत लगाते हैं और उन्हें नुकसान पहुंचाते हैं। इस दौरान जुकरबर्ग न केवल असहज दिखे, बल्कि वकीलों की दलीलों पर सिर हिलाते और उत्तेजित होते नजर आए।

कोर्ट में सुनवाई के दौरान मेटा के मालिक मार्क जुकरबर्ग ने दावा किया कि मेटा ने कम उम्र के यूजर्स की पहचान करने में सुधार किया है, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि कुछ यूजर्स इंस्टाग्राम पर अकाउंट खोलते समय अपनी उम्र के बारे में झूठ बोलते हैं और कंपनी जिन लोगों की पहचान कम उम्र के रूप में करती है उन्हें हटा देती है। मैं हमेशा चाहता हूं कि हम यह काम जल्दी कर पाते।

मार्क जुकरबर्ग के इस बयान पर केस करने वाले वादी के वकीलों ने पलटवार करते हुए कहा कि एक नौ साल का बच्चा उन फाइन प्रिंट में लिखे शर्तों को पढ़ेगा? 13 साल से कम उम्र के बच्चों को अनुमति है या नहीं, इसके लिए आप यह तर्क दे रहे हैं? वेरिफिकेशन के बारे में बार-बार पूछे जाने पर जुकरबर्ग ने कहा, ÷मुझे समझ नहीं आता कि यह इतना जटिल क्यों है।÷ यह पूरा मामला कैलिफोर्निया निवासी 20 वर्षीय कैली जी.एम. की मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ा हुआ है।

कंसर्ट की भीड़ से लेकर तेल के कुओं तक... क्या इंसान भी ला सकते हैं भूकंप

भीड़ भी पैदा कर सकती है हल्का कंपन, जमीन के नीचे तरल इंजेक्शन से असली भूकंप

बीजिंग, एजेंसी। भूकंप आमतौर पर धरती के अंदर मौजूद फॉल्ट लाइनों (दरारों) में होने वाली प्राकृतिक हलचल से आते हैं। लेकिन कुछ खास परिस्थितियों में इंसानी गतिविधियां भी जमीन में कंपन पैदा कर सकती हैं। वैज्ञानिक प्राकृतिक टेक्टोनिक भूकंप और इंसानों द्वारा उत्पन्न कंपन (इंड्यूस्ड भूकंप) के बीच फर्क करते हैं। खनन, बड़े जलाशयों को भरना या जमीन के अंदर तरल पदार्थ इंजेक्ट करना जैसी गतिविधियां छोटे भूकंपीय झटके पैदा कर सकती हैं। ज्यादातर ऐसे झटके बहुत हल्के होते हैं और किसी तरह का नुकसान नहीं करते। हालांकि कुछ इलाकों में औद्योगिक गतिविधियों से अपेक्षाकृत तेज झटके भी दर्ज किए गए हैं।

पिछले कुछ वर्षों में वैज्ञानिक यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि ऐसे भूकंप क्यों और कैसे आते हैं, और क्या इन्हें नियंत्रित किया जा सकता है। सवाल यह नहीं है कि इंसान जमीन को हिला सकते हैं या नहीं, बल्कि यह है कि यह कितना बड़ा असर डाल

सकता है और इसे कितना नियंत्रित किया जा सकता है। अमेरिका के सिएटल शहर में एक कंसर्ट के दौरान पॉप स्टार टेलर स्विफ्ट के शो में हजारों प्रशंसकों के एक साथ कूदने-नाचने से जमीन में कंपन दर्ज हुआ। यह कंपन करीब 2.3 तीव्रता के भूकंप जैसा माना गया। ऐसी जानकारी द वाशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित एक रिपोर्ट में दी गई थी। वैज्ञानिकों के अनुसार जब बड़ी संख्या में लोग एक साथ उछलते हैं तो उनकी ऊर्जा जमीन में तरंगों के रूप में फैलती है। हालांकि 2.3 तीव्रता का झटका बहुत छोटा माना जाता है। इसे केवल आसपास ही महसूस किया जा सकता है और इससे किसी तरह का नुकसान नहीं होता। यह कंपन अस्थायी होता है और इसमें धरती की गहरी फॉल्ट लाइनें शामिल नहीं होतीं।

ज्यादा गंभीर मामले तेल और गैस उद्योग से जुड़े पाए गए हैं। मैसाचुसेट्स की तकनीकी संस्था के वैज्ञानिकों ने इटली के एक तेल क्षेत्र का अध्ययन किया। तेल कंपनियां जब अपशिष्ट पानी को जमीन के बहुत नीचे इंजेक्ट करती हैं, तो वहां दबाव बढ़ता है। अगर यह दबाव पहले से मौजूद फॉल्ट लाइन पर असर डालता है, तो चट्टानें खिसक सकती हैं और ऊर्जा निकलने से भूकंप आ सकता है। ऐसे मामले अमेरिका के कुछ हिस्सों और दक्षिणी इटली में देखे गए हैं, जहां ज्यादा मात्रा में इंजेक्शन के बाद भूकंपों की संख्या बढ़ी। अध्ययन में पाया गया कि जब रोजाना इंजेक्शन की मात्रा कम की गई, तो भूकंपों की संख्या भी घट गई।

30 मीटर तक हवा में उड़कर घर के बाथरूम में घुसा तेज रफ्तार ट्रक, बाल-बाल बचा परिवार

ड्राइवर पर मामला दर्ज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक चौंकाने वाला हादसा सामने आया है। तेज रफ्तार से आ रहा एक ट्रक मिट्टी के टीले से उछलकर हवा में करीब 30 मीटर तक उड़ता हुआ एक घर में जा घुसा। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें ट्रक को हवा में उड़ते हुए साफ देखा जा सकता है। यह हादसा पिछले शुक्रवार तड़के करीब 3 बजे टाइगार्ड में हुआ। स्थानीय पुलिस के अनुसार, ट्रक पश्चिम दिशा में साउथवेस्ट स्कोल्स फेरी रोड पर जा रहा था और चालक तेज रफ्तार व लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। दरवाजे पर लगे कैमरे की फुटेज में दिखता है कि ट्रक पहले एक मिट्टी के टीले से उछला, फिर एक रिटेनिंग वॉल को पार करता हुआ सीधे घर की दीवार से टकरा गया। ट्रक डेविड ब्रुडनोक के घर के ग्राउंड फ्लोर के बाथरूम में जा घुसा। ब्रुडनोक ने स्थानीय चैनल से बातचीत में कहा, ÷मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि कोई ट्रक उड़कर आएगा। अचानक जोरदार धमाका हुआ और घर हिल गया। नीचे जाकर देखा तो घर का पूरा सामने का हिस्सा टूट चुका था। हादसे के समय

ब्रुडनोक, उनकी पत्नी और उनके तीन छोटे बच्चे ऊपर की मंजिल पर थे। अच्छी बात यह रही कि परिवार का कोई सदस्य घायल नहीं हुआ। ब्रुडनोक ने कहा कि वह भगवान का शुक्रगुजार हैं कि हादसे के वक्त पूरा परिवार ऊपर था, नहीं तो बड़ा नुकसान हो सकता था। हादसे के बाद ड्राइवर खुद गाड़ी से बाहर निकल आया, जबकि फायर ब्रिगेड की टीम ने मलबे में फंसे यात्री को बाहर निकाला। पुलिस के मुताबिक ड्राइवर और यात्री दोनों को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने 33 साल के ड्राइवर जैकब हैंकिंस पर लापरवाही से गाड़ी चलाने और दूसरों की जान खतरे में डालने का मामला दर्ज किया है। जांच अधिकारी अभी इस हादसे की पूरी परिस्थितियों की समीक्षा कर रहे हैं, जिसमें ट्रक की रफ्तार और टक्कर से पहले की ड्राइविंग का तरीका शामिल है।

● कनाडा में घटी विदेशी छात्रों की संख्या

61 प्रतिशत की आई कमी, इन नियमों का भारतीय छात्रों पर दिखा असर

टोरंटो एजेंसी। कनाडा में अंतराष्ट्रीय छात्रों की संख्या में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सरकार द्वारा अस्थायी निवासियों (जिनमें छात्र भी शामिल हैं) की संख्या कम करने और आवास, बुनियादी ढांचे व सार्वजनिक सेवाओं पर दबाव घटाने के लिए उठाए गए कदमों का असर अब साफ दिखने लगा है।

हालिया आंकड़ों में यह सामने आया है कि नए स्टडी परमिट जारी हाने की संख्या में करीब 61 प्रतिशत की कमी आई है। इमिग्रेशन, रिफ्यूजिस एंड सिटिजनशिप कनाडा के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2024 में जहां 2 लाख 93 हजार 60 नए अंतराष्ट्रीय छात्र आए थे, वहीं 2025 में यह संख्या घटकर 1 लाख 15 हजार 470 रह गई है।

दिसंबर 2024 में 29,835 नए छात्र पहुंचे थे जबकि दिसंबर 2025 में यह संख्या घटकर सिर्फ 9665 रह गई। अगस्त और दिसंबर में आमतौर पर ज्यादा स्टडी परमिट जारी होते हैं, क्योंकि इन्हीं महीनों में फॉल और विंटर सेमेस्टर शुरू होते हैं। मासिक

आंकड़ों में भी गिरावट देखी गई है। उदाहरण के लिए अप्रैल 2024 में 45 हजार 790 नए परमिट जारी हुए थे, जो अप्रैल 2025 में घटकर 8525 रह गए। अगस्त 2024 में 79 हजार 740 परमिट जारी हुए, जबकि अगस्त 2025 में 45 हजार 35 रह गए।

कनाडा सरकार ने 2024 में अंतराष्ट्रीय छात्रों के लिए सालाना सीमा (कैप) तय की थी। इसके बाद 2025 और 2026 के लिए भी लक्ष्य कम कर दिए गए। पिछले साल घोषित 2025-2027 की योजना में 2026 के लिए 3.05 लाख छात्रों का लक्ष्य रखा गया था। अब नई 2026-2028 आव्रजन योजना में इसे घटाकर 1.55 लाख कर दिया गया है और अगले दो साल में इसमें हल्की और कमी होगी।

रेगुलेटेड कनाडियन इमिग्रेशन कंसल्टेंट मैथ्यू मैकडोनाल्ड ने कहा था कि 2026 के लिए लक्ष्य में 50 प्रतिशत की कटौती बड़ी बात है। इससे कॉलेज और यूनिवर्सिटी कम एडमिशन ऑफर दे पाएंगे, जिससे कनाडा के शिक्षा क्षेत्र पर दबाव बढ़ेगा। सरकार का कहना है कि वह आव्रजन को सस्टेनेबल स्तर पर लाना चाहती है और अस्थायी निवासियों की संख्या को कुल आबादी के 5 प्रतिशत से नीचे रखना चाहती है। इंटरनेशनल स्टूडेंट प्रोग्राम को भी सख्त किया है। अब एडमिशन लेटर की अनिवार्य जांच होती है। छात्रों के लिए फाइनेंशियल प्रूफ की राशि 10,000 कनाडाई डॉलर से बढ़ाकर 20,635 कनाडाई डॉलर कर दी गई है।

नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने 49 सदस्यीय कैबिनेट का गठन किया

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने अपनी कैबिनेट के मंत्रियों को विभागों का बंटवारा कर दिया है। उन्होंने खलीलुर रहमान को विदेश मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी है। वह मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) रह चुके हैं।

तारिक रहमान ने मंगलवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ 49 सदस्यीय कैबिनेट ने भी शपथ ली थी। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने 20 साल बाद देश की सत्ता में वापसी की है।प्रधानमंत्री ने बीएनपी की वरिष्ठ नेता शमा उबैद को विदेश राज्यमंत्री नियुक्त किया है। वह बीएनपी की अंतरराष्ट्रीय मामलों की उपसमिति की सदस्य रह चुकी हैं। सरकार ने आदेश किया जारी विभागों के बंटवारे के बाद सरकार ने एक आधिकारिक आदेश जारी किया, जिसमें बताया गया कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने अपने पास रक्षा मंत्रालय समेत तीन विभागों

की जिम्मेदारी रखी है। बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर को ग्रामीण विकास व सहकारिता मंत्रालय का जिम्मा सौंपा गया है।

बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य आमीर खासरू महमूद चौधरी को वित्त और योजना मंत्रालयों की जिम्मेदारी दी गई है। जबकि बीएनपी के संयुक्त महासचिव सलाउद्दीन अहमद को गृह मंत्रालय मिला है। बता दें कि पहली बार प्रधानमंत्री बने 60 वर्षीय तारिक पूर्व पीएम खालिदा जिया के बेटे हैं।

चुन्युन की शुरुआत: 40 दिनों में 9.5 अरब यात्राएं, चीन में लूनर न्यू ईयर पर रिकॉर्ड यात्रा

बीजिंग, एजेंसी। चीन में लूनर न्यू ईयर से पहले हर साल होने वाली चुन्युन यात्रा इस बार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। लाखों लोग अपने परिवार के साथ त्योहार मनाने के लिए लंबी दूरी तय कर रहे हैं। आर्थिक मुश्किलों के बावजूद लोग घर लौटने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

बीजिंग में निर्माण कार्य करने वाले लियू झीक्वान चेंगदू जाने के लिए 30 घंटे से ज्यादा की ट्रेन यात्रा का इंतजार कर रहे थे। चेंगदू, सिचुआन प्रांत की राजधानी है, जो बीजिंग से करीब 2,000 किलोमीटर दूर है।

उन्होंने कहा कि इस साल हालात पिछले साल से ज्यादा खराब लग रहे हैं। अर्थव्यवस्था कमजोर है और पैसे कमाना मुश्किल होता जा रहा है। लियू ने पैसे बचाने के लिए धीमी ट्रेन चुनी। तेज रफ्तार ट्रेन से सफर सिर्फ नौ घंटे में पूरा हो सकता था, लेकिन उसका किराया दोगुने से भी ज्यादा था।

रिकॉर्ड स्तर पर यात्रा: फिर भी लियू ने घर जाने का फैसला किया, क्योंकि यह साल का वह खास समय है जब देशभर के कामगार छुट्टी लेकर परिवार के साथ समय बिताते हैं। चीन में लूनर न्यू ईयर 17 फरवरी को मनाया जाएगा। इस मौके पर होने वाली 40 दिन की यात्रा अवधि को ÷चुन्युन÷ कहा जाता है। सरकारी अनुमान के मुताबिक, इस दौरान 9.5 अरब यात्राएं होंगी, जो अब तक का रिकॉर्ड है।

ट्रेन और हवाई सफर के आंकड़े: राष्ट्रीय विकास और

सुधार आयोग के अनुसार, इन 9.5 अरब यात्राओं में से करीब 54 करोड़ यात्राएं ट्रेन से होंगी। लगभग 9.5 करोड़ लोग हवाई जहाज से सफर करेंगे। बाकी अधिकतर लोग सड़क मार्ग से अपने घर जाएंगे। चीन में काम के लंबे घंटे और कम वार्षिक छुट्टियों के कारण यह त्योहार लोगों के लिए बेहद खास होता है।

बीजिंग के रेलवे स्टेशन पर यात्री बड़े-बड़े बैग और सूटकेस के साथ इंतजार करते नजर आए। कई लोग इंस्टेंट नूडल्स खा रहे थे, क्योंकि स्टेशन पर मुफ्त में गर्म पानी मिलता है। बीजिंग में नई-नई नौकरी शुरू करने वाली तियान डुओफू ने कहा कि वह 15 फरवरी से शुरू हो रही नौ दिन की छुट्टी का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि नौकरी शुरू करने के बाद समझ आया कि इतनी लंबी छुट्टी मिलना दुर्लभ है और परिवार के साथ मिलना-जुलना कम होता जा रहा है। इसलिए स्प्रिंग फेस्टिवल उनके लिए खास है। हेनान प्रांत की तियान यूनशिया, जो बीजिंग में नाश्ते का ठेला चलाती हैं, ने कहा कि नया साल सबसे बड़ा त्योहार है। उन्होंने कहा, ÷अगर हम घर नहीं जाएंगे तो त्योहार का असली माहौल महसूस नहीं कर पाएंगे।÷ वह अपने बच्चों, पोते-पोतियों और पति से मिलने के लिए घर जाना चाहती हैं।

सुपर 8 से पहले टीम इंडिया की चिंता

स्पिनरों के खिलाफ अपने खेल में बड़े सुधार की जरूरत

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने इस बात पर सहमति जताई कि बाएं हाथ के बल्लेबाजों वाले शीर्ष क्रम के लिए विपक्षी टीमों का सही रणनीति बनाना और फिंगर (उंगलियों के) स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाजों का संघर्ष टी20 विश्व कप के सुपर आठ में भारत के सामने दो अहम मुद्दे होंगे। डोएशे ने नीदरलैंड के खिलाफ अंतिम लीग मैच में भारत की जीत के बाद पत्रकारों से कहा कि खिताब के प्रबल दावेदार ने अभी तक एक भी मैच ऐसा नहीं खेला है जिसमें उसका पूरी तरह से दबदबा रहा हो।

भारत के शीर्ष तीन बल्लेबाजों में अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और तिलक वर्मा शामिल हैं। यह तीनों बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और डोएशे ने स्वीकार किया कि इससे विपक्षी टीमों के लिए उनके खिलाफ रणनीति बनाना आसान हो गया है। प्रतिद्वंद्वी टीमें अभिषेक शर्मा सहित शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के लिए पावरप्ले में ऑफ स्पिनरों का इस्तेमाल कर रही हैं। अभिषेक इस टूर्नामेंट में तीन मैच में खाता भी नहीं खोल पाए हैं जबकि कुछ समय पहले तक वह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में थे।

नीदरलैंड के ऑफ स्पिनर आर्यन दत्त ने बुधवार को पावरप्ले में तीन ओवर फेंके और अभिषेक और किशन को आउट किया। डोएशे का मानना ??है कि भारत को उंगलियों से गेंदबाजी करने वाले स्पिनरों के खिलाफ अपने खेल में बड़े सुधार की जरूरत है। घरेलू टीम को दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर आठ मैचों में उंगलियों से गेंदबाजी करने वाले स्पिनरों से निपटने का तरीका ढूंढना होगा।

उन्होंने कहा, इससे टीमों को भारत के खिलाफ रणनीति बनाने में आसानी हुई है। हमारे पास शीर्ष तीन में ज्यादा विकल्प नहीं हैं। हमारे पास संजू सैमसन बेंच पर बैठे हैं और आगामी मैचों को देखते हुए अगर हम उंगलियों के स्पिनरों को देखें तो इस मामले में हमारा सामना न्यूजीलैंड से होगा। डोएशे ने कहा, हमारे पास कुछ ऐसे गेंदबाज हैं जो उंगलियों से स्पिन गेंदबाजी करते हैं। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के पास भी अगर हम मार्करम को शामिल करें, तो इस तरह के गेंदबाज हैं। लेकिन कुल मिलाकर हमें लगता है कि ये हमारे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं और हम टीम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाजों से काम चला लेंगे।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम का सामना ऑस्ट्रेलियाई क्लबों से होगा

पर्थ (एजेंसी)। भारतीय महिला नेशनल फुटबॉल टीम एएफसी महिला एशियन कप ऑस्ट्रेलिया 2026 की अपनी तैयारियों के तहत 19 और 23 फरवरी को ऑस्ट्रेलियाई क्लब टीमों पर्थ रेडस्टार एफसी और पर्थ अजुरी के खिलाफ दो फ्रेंडली मैच खेलेगी।

ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन की रिलीज के मुताबिक, ब्लू टाइग्रेसेस 11 फरवरी को तुर्कियें में अपना ट्रेनिंग कैंप खत्म करने के बाद वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया पहुंचीं, जहां उन्होंने यूक्रेन, रूस, स्विट्जरलैंड, जर्मनी और रोमानिया की क्लब टीमों के खिलाफ छह फ्रेंडली मैच खेले।

भारत ने तुर्कियें में अपने एक्सपोजर टूर के दौरान तीन जीत, एक ड्रॉ और दो हार दर्ज कीं। पर्थ रेडस्टार एफसी के खिलाफ पहला मैच डालमटिनैक पार्क में भारतीय समयानुसार 14:30 पर खेला जाएगा जबकि पर्थ अजुरी के खिलाफ दूसरा मैच मैसेडोनिया पार्क में 16:00 पर खेला जाएगा। दोनों मैच दर्शकों के बिना खेले जाएंगे।

000

होप के कमाल से वेस्टइंडीज की इटली पर आसान जीत

कोलकाता (एजेंसी)। कप्तान शाई होप के आकर्षक अर्धशतक तथा तेज गेंदबाज शामार जोसेफ के चार विकेट और चार कैच की मदद से वेस्टइंडीज ने गुरुवार को यहां इटली को 42 रन से हराकर टी20 विश्व कप के ग्रुप सी में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज अनुकूल दिख रही पिच पर इटली के स्पिनरों के सामने खुलकर नहीं खेल पाए लेकिन उसने होप (46 गेंद पर 75 रन) के अर्धशतक की बदौलत छह विकेट पर 165 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। इसके जवाब में इटली की टीम 18 ओवर में 123 रन पर आउट हो गई। उसका कोई भी बल्लेबाज 30 रन की संख्या तक नहीं पहुंच पाया।

वेस्टइंडीज की तरफ से जोसेफ ने 30 रन देकर 4 विकेट लिए। उन्होंने चार कैच भी लपके और इस तरह से वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक मैच में चार विकेट और चार कैच लेने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। वेस्टइंडीज ने इस तरह से अपना अजय अभियान जारी रखा और ग्रुप सी में शीर्ष पर रहते हुए सुपर आठ में जगह बनाई जहां उसका सामना भारत, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे से होगा। इटली ने चार मैच में एक जीत के साथ अपने अभियान का समापन किया। ग्रुप सी से सुपर आठ में जगह बनाने वाली दूसरी टीम इंग्लैंड है। होप की पारी में छह चौके और चार छक्के शामिल हैं। उनके अलावा रोस्टन चेज (25 गेंद पर 24), शेरफेन रदरफोर्ड (15 गेंद पर नाबाद 24) और मैथ्यू फोर्ड (आठ गेंद पर नाबाद 16) ही कुछ उपयोगी योगदान दे पाए।

पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल थी लेकिन इटली के स्पिनरों ने अनुशासित गेंदबाजी करते हुए दो बार के चैंपियन वेस्टइंडीज को बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया। इटली की तरफ से बेन मनेंटी (37 रन देकर दो) और कृशान कालुगामगे (25 रन देकर दो) ने दो दो विकेट लेकर वेस्टइंडीज को अंतिम ओवरों में अपेक्षित तेजी से रन नहीं बनाने दिए। अगर ग्रांट स्टीवर्ट ने 19वें ओवर में 19 रन नहीं लुटाए होते तो वेस्टइंडीज की स्थिति और भी खराब हो सकती थी।

इटली की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पावर प्ले में तीन विकेट पर 37 रन बनाए। एंथनी मोस्का (19) ने अकील हुसैन की गेंद पर चौका लगाकर अपना खाता खोला लेकिन मैथ्यू फोर्ड (19 रन देकर तीन विकेट) ने अपने पहले ओवर में ही जस्टिन मोस्का (02) को आउट कर दिया। एंथनी मोस्का ने हुसैन पर दो छक्के लगाए लेकिन इस स्पिनर ने इसी ओवर में उन्हें पवेलियन भेज दिया। फोर्ड ने इसके बाद सैयद नकवी (06) को आउट करके इटली को संकट में डाल दिया। जेजे स्मट्स (27 गेंद पर 24) ने क्रीज पर बने रहने को प्राथमिकता दी लेकिन कप्तान हैरी मैनेंटी (08) के आउट होने से उन पर दबाव बन गया।

स्मट्स ने जोसेफ पर लगातार दो चौके लगाने के बाद गुडाकेश मोती (24 रन देकर दो विकेट) की गेंद पर स्वीप करके बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर आसान कैच दिया। इससे इटली का स्कोर पांच विकेट पर 78 रन हो गया। बेन मैनेंटी ने जोसेफ पर दो चौके लगाकर इटली का स्कोर तीहरे अंक में पहुंचाया लेकिन इस तेज गेंदबाज ने इसी ओवर में ग्रांट स्टीवर्ट (12) को आउट करके साझेदारी नहीं बनने दी। बेन मैनेंटी ने मोती पर छक्का लगाया लेकिन अगली गेंद पर उनके आउट हो जाने से इटली की संभावना समाप्त हो गई।इससे पहले होप ने सहजता से बल्लेबाजी करते हुए 28 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, लेकिन रोस्टन चेज़ की धीमी पारी ने उनकी लय को बिगाड़ दिया। इसका वेस्टइंडीज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। होप ने भले ही कुछ अच्छे शॉट खेले लेकिन चेज स्ट्राइक रोटेट करने के लिए संघर्ष करते हुए दिखे और डीप स्क्वायर लेग में कैच देकर पवेलियन लौटे। इसके बाद रोवमैन पॉवेल (09) भी जल्दी आउट हो गए। इस तरह से अनुभवी ऑफ स्पिनर मैनेंटी और श्रीलंका मूल के लेग स्पिनर कालुगामगे ने इटली के पक्ष में पासा पलट दिया। मैनेंटी ने लगातार ओवरों में विकेट लिए जिसमें पॉवेल का अहम विकेट भी शामिल था।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने रचा इतिहास

सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली खिलाड़ी बनीं

कैनबरा (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इतिहास रच दिया है क्योंकि वह अब महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। भारत की इस अनुभवी क्रिकेटर ने गुरुवार को यह उपलब्धि हासिल की, जब वह ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के दूसरे टी-20 के लिए टीम की कप्तानी करने उतरीं।

हरमनप्रीत ने 19 फरवरी को अपने 356वें ??इंटरनेशनल मैच में पर उतरकर न्यूजीलैंड की दिग्गज सूजी बेट्स को पीछे छोड़कर महिला इंटरनेशनल खेल के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन गईं। हरमनप्रीत और सूजी बेट्स के बाद एलिस पेरी (349 मैच, ऑस्ट्रेलिया) सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली महिला क्रिकेटरों की लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। भारत की पूर्व क्रिकेटर मिताली राज ने 333 मैच खेले हैं जबकि शार्लेट एडवर्ड्स ने इंग्लैंड के लिए 309 मैच खेले हैं। सोफी डिवाइन (305, न्यूजीलैंड), हीथर नाइट (303, इंग्लैंड), और डैनी वायट-हॉज (302, इंग्लैंड) भी महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली खिलाड़ियों में शामिल हैं।

मैच में बने ढेर सारे रिकॉर्ड्स, अभिषेक-हार्दिक सुर्खियों में

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अपने आखिरी ग्रुप ए मैच में नीदरलैंड को 17 रन से हराकर सुपर एट्स में बिना हारे रिकॉर्ड के साथ जा रहा है। अपने आखिरी ग्रुप मैच में भारत ने अहमदाबाद में पहले बल्लेबाजी करने के बाद नीदरलैंड्स के खिलाफ खराब शुरुआत से उबरते हुए 193/6 का स्कोर बनाया। नीदरलैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की। लेकिन 16 ओवर के बाद 125/6 पर सिमटने के बाद वे मुश्किल में पड़ गए थे, इससे पहले जैक लायन-कैशेट और नोआ क्रोस ने बड़े हिट्स की झड़ी लगाकर अंतर कम किया।

क्रोस ने चार गेंदों पर तीन बाउंड्री लगाईं, वाशिंगटन सुंदर के स्पेल की आखिरी दो गेंदों पर दो और अर्शदीप सिंह की गेंद पर एक इससे पहले लायन-कैशेट ने भी एक बाउंड्री और एक छक्का लगाकर अपनी जगह पक्की कर ली। हार्दिक पांड्या की गेंद पर क्रोस के दो और बाउंड्री ने आखिरी ओवर में स्कोर 28 कर दिया। लेकिन शिवम दुबे ने आखिरी ओवर में हिम्मत नहीं हारी, ज्यादा रन नहीं दिए और लायन-कैशे को आउट करके 17 रन से जीत पक्की कर ली जिससे भारत ग्रुप स्टेज में बिना हारे रहा।

भारत की जीत में यह रिकॉर्ड्स बने

भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 7 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया। यह पांचवां मौका था जब भारत ने टी20 विश्व कप मैच की एक पारी में सात या उससे ज्यादा गेंदबाजों का इस्तेमाल किया।

आज तक भारत ने विश्व कप के मौजूदा एडिशन में 12 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया है जो टी20 विश्व कप के एक एडिशन में सबसे ज्यादा है। भारत ने 2009 में 11 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया था।

हार्दिक ने टी20 फॉर्मेट में 6000+ से ज्यादा रन और 200+ विकेट का डबल धमाका

13 = हार्दिक पांड्या टी20 फॉर्मेट में 6000+ से ज्यादा रन और 200+ विकेट का डबल पूरा करने वाले 13वें ऑलराउंडर और भारत के पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

टी20 में तीन बार डक पर आउट होने वाले तीसरे ओपनर बन अभिषेक

ओपनर अभिषेक शर्मा, जो मौजूदा टी20 विश्व कप में एक भी रन नहीं बना पाए, अब टी20 वर्ल्ड कप में तीन बार डक पर आउट होने वाले तीसरे ओपनर बन गए हैं। इससे पहले 2009 में वेस्टइंडीज के एंड्रयू फ्लेचर और 2024 में बांग्लादेश के तंज़ीद हसन के नाम यह अजीब रिकॉर्ड था।

टी20 विश्व कप में 12वीं जीत दर्ज की

भारत ने टी20 विश्व कप में लगातार 12वीं जीत दर्ज की, जो एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। उन्होंने अपना जीत का अभियान 5 जून 2024 से शुरू किया था और यह आज भी जारी है।

शिवम दुबे ने 65 रन को पीछे छोड़ा

यह शिवम दुबे का टी-20 में सबसे ज्यादा स्कोर है जिसने 28 जनवरी 2026 को विजाग में न्यूजीलैंड के खिलाफ उनके पिछले सबसे अच्छे 65 रन को पीछे छोड़ दिया। कुल मिलाकर यह उनके 59वें मैच में उनका छठा 50 से ज्यादा का स्कोर था।

नीदरलैंड का बिना किसी एक फिफ्टी के सबसे बड़ा स्कोर

176/7 = यह नीदरलैंड का बिना किसी एक फिफ्टी के सबसे बड़ा टीम टोटल है, जो 2018 में लॉर्ड्स में नेपाल के खिलाफ बनाए गए 174/4 के स्कोर से ज्यादा है।

भारत का परचम, 43 मेडल के साथ पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में बना नंबर 1

दुबई (एजेंसी)।भारत ने दुबई 2026 ग्रां प्री - 17वीं फाजा इंटरनेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 43 पदकों के साथ पदक तालिका में पहला स्थान हासिल किया। भारत ने कुल 16 स्वर्ण, 13 रजत और 14 कांस्य पदक अपने नाम किए।

कोलंबिया और केन्या ने 20-20 पदक जीते, जिनमें क्रमशः 11 और 6 स्वर्ण पदक शामिल रहे। मेजबान यूएई 31 पदकों (6 स्वर्ण) के साथ चौथे स्थान पर रहा। यह सीजन का पहला वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री था।

भारत के लिए यह प्रदर्शन खास रहा क्योंकि अगला डब्ल्यूपीए ग्रां प्री नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होना है। ऐसे में भारतीय एथलीटों ने दुबई क्लब फॉर पीपल ऑफ डिटरमिनेशन ग्राउंड पर आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की।

दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने पुरुषों की जेवलिन एफ64 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार वापसी की। वहीं पेरिस 2024 के स्वर्ण पदक विजेता नवदीप (जेवलिन एफ41) और धर्मबीर नैन (क्लब थ्रो एफ 51) ने भी गोल्ड जीतकर सीजन की बेहतरीन शुरुआत की।

पेरिस 2024 पैरालंपिक्स की डबल ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट प्रीति पाल ने महिलाओं की 100 मीटर टी35 में स्वर्ण और 200 मीटर एफ35 में कांस्य पदक जीता। उन्होंने कहा, मेरा लक्ष्य अपना पर्सनल बेस्ट सुधारना और भारत के लिए ज्यादा से ज्यादा गोल्ड जीतना है। यह तो बस शुरुआत है।

भाग्यश्री एम. जाधव ने महिलाओं की शॉट पुट और जेवलिन एफ 34 में भावनात्मक जीत दर्ज कर शानदार वापसी की। अन्य स्वर्ण पदक विजेताओं में रिंकू हुड्डा (जेवलिन एफ 46), वरुण सिंह भाटी (हाई जंप टी42), दिलीप महादू गावित (400 मीटर टी46) और साहिल सलीम सैय्यद (डिस्कस एफ 54/55) शामिल रहे।

रजत पदक विजेताओं में सुनील कुमार, प्रणव सूरमा और गुरुभास्कर सक्कप्पन शामिल रहे, जबकि कांस्य पदक रंजीत चंदा, पूनम राम, फातिमा खातून, दीपेश कुमार सहित अन्य खिलाड़ियों ने जीते।

फाजा चैंपियनशिप लंबे समय से वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स सर्किट का अहम हिस्सा रही है। दुबई में शीर्ष स्थान हासिल कर भारत ने आने वाली वैश्विक प्रतियोगिताओं से पहले मजबूत संदेश दे दिया है।

कोको गॉफ क्वार्टर फाइनल में पहुँची

दुबई (एजेंसी)। कोको गॉफ ने बुधवार रात को तीन मैच पॉइंट बचाए और एलिस मर्टेंस को 2-6, 7-6 (9), 6-3 से हराकर दुबई क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। 2 घंटे और 18 मिनट में मिली इस जीत ने 2021 के बाद पहली बार यह दिखाया कि गॉफ ने टूर-लेवल की जीत में मैच पॉइंट बचाए और बेल्जियम की खिलाड़ी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 5-0 कर लिया।

गॉफ ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में कहा, पूरा मैच ऐसा लगा जैसे मेरे हिसाब से नहीं जा रहा है।यह सबसे अच्छा नहीं था, लेकिन मैंने बस इसमें बने रहने की कोशिश की, और मैंने हर पॉइंट के लिए लड़ाई की। मुझे खुशी है कि मैं आज रिजल्ट ला पाई।

गॉफ 2001 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में चार क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं। वह 2009 में इस फॉर्मेट के शुरू होने के बाद से 100 डब्ल्यूटीए 1000 मेन-ड्रॉ जीत हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी हैं। गॉफ का अगला मुकाबला एलेक्जेंड्रा एला से होगा ताकि वह नंबर 101 जीत हासिल कर सकें और अपने दूसरे दुबई सेमीफाइनल में पहुंच सकें।

टी20 विश्व कप में भारत का खामोश योद्धा है शिवम दुबे

अहमदाबाद (एजेंसी)। शिवम दुबे के शानदार खेल को देखकर उनकी जितनी चर्चा होनी चाहिए थी उतनी नहीं होती लेकिन यह भारतीय ऑलराउंडर खामोश योद्धा की तरह मौजूदा टी20 विश्व कप में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए एक प्रमुख पावर-हिटर के रूप में अपनी साख बना रहा है।

नामीबिया और पाकिस्तान के खिलाफ मुश्किल पिचों पर छोटी लेकिन महत्वपूर्ण पारियां खेलने के बाद दुबे ने बुधवार को नीदरलैंड के खिलाफ बीच के ओवरों में भारतीय पारी को जरूरी गति प्रदान की। दुबे ने शुरू में परिस्थितियों को परखा और अपनी पहली 11 गेंद पर छह रन बनाने के बाद तेजी दिखाई। उन्होंने 31 गेंद पर 66 रन बनाकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी इस पारी में छह छक्के शामिल हैं।

अपने दूसरे टी20 विश्व कप में खेल रहे दुबे स्पिनरों के खिलाफ अपनी सटीक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते थे, लेकिन अब उन्होंने तेज गेंदबाजों के खिलाफ भी खुद को उतना ही प्रभावी साबित कर दिया है। तेज गेंदबाजों के खिलाफ उनके बेहतर प्रदर्शन का नमूना नीदरलैंड के खिलाफ देखने को मिला, जब उन्होंने लोगन वैन बीन की गेंदों की गति में होने वाले बदलावों को अच्छी तरह से समझा और उन्हें तीन छक्के जड़े।

शॉर्ट बॉल के खिलाफ दुबे के खेल में कुछ सुधार आया है और इसका श्रेय वह आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में शामिल होने के बाद की गई कड़ी मेहनत को देते हैं। उनका दृढ़ विश्वास ऐसा है कि कुछ डॉट गेंदों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि वे जानते हैं कि बड़े शॉट आखिरकार लगेंगे ही।

दुबे ने मैच के बाद कहा, टी20 में जब आप डॉट बॉल खेलते हैं, तो आप पर दबाव आता है। लेकिन एक खिलाड़ी के रूप में, एक बल्लेबाज के रूप में मैं जानता हूं कि अगर मैं 10 गेंदों में दो रन बनाने के बावजूद अगर मैं अगली पांच गेंद में से दो गेंद पर छक्का लगा देता हूं तो हिसाब बराबर हो जाएगा। उन्होंने कहा, यह बात हमेशा मेरे दिमाग में रहती है। यह जरूर है कि विकेट गिरने पर साझेदारी निभाना महत्वपूर्ण होता है इसलिए अगर दो-चार गेंद खाली भी चली जाती हैं तो बहुत फर्क नहीं पड़ता क्योंकि बाद में उसका हिसाब बराबर हो जाता है। दुबे ने अपनी सफलता का श्रेय दबाव वाली परिस्थितियों में खेलने के अधिक मौके मिलने को भी दिया। उन्होंने कहा, मुझे उस तरह की परिस्थितियों में खेलने के मौके मिले हैं। इसलिए जब भी आपको खेलने का मौका मिलता है तो आप उससे कुछ न कुछ सीखते हैं। इसलिए मैंने अपना स्वाभाविक खेल खेला है और उस परिस्थिति में मैं थोड़ा समझदार हो गया हूं। इसलिए मैं जानता हूं कि गेंदबाज मुझे किस तरह की गेंद कर सकता है।दुबे का आत्मविश्वास चरम पर है और यह उनके टी20 विश्व कप में पहले अर्धशतक के बारे में उनके बोलने के तरीके में स्पष्ट रूप से झलका। उन्होंने कहा, आज मुझे लगा कि आज मेरा दिन है और मुझे थोड़ा समझदारी से काम लेना होगा, खुद को आगे बढ़ाना होगा और अंत तक टिके रहना होगा।